शर्मा হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 47 | गुवाहाटी | सोमवार, 11 सितंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

कांग्रेस-एआईयूडीएफ अंदर से एक ही हैं : मंत्री पीयूष पेज 3
जी-20 : सुरक्षा परिषद में वर्तमान वास्तविकता के अनुरूप बदलाव... पेज 4
पं. गोविंद बल्लभ पंत की 136 वीं जयंती पर मुख्यमंत्री योगी ने दी श्रद्धांजलि पेज 5
परिवर्तन जरूर होगा लेकिन इस बार राज का नहीं, रिवाज का बनेगा इतिहास : संयम लोढ़ा पेज 8

मां कामाख्या की कृपा से असम समृद्ध हो रहा है : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि असम मां कामाख्या की भूमि है और मां के आशीर्वाद से राज्य अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और आने वाले समय में भी अच्छा प्रदर्शन करता रहेगा। वह असम के गुवाहाटी में राज्य भाजपा मुख्यालय में आयोजित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महिला मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक को संबोधित कर रहे थे, इस दौरान सीएम ने मोर्चा को धन्यवाद दिया और राज्य में उनका स्वागत किया। वहां बोलते हुए, उन्होंने कहा कि असम मां कामाख्या की भूमि है। जब आप यहां आए थे, तो मैंने सभी से समय निकालकर मां के मंदिर में जाने और आशीर्वाद लेने के लिए कहा था। मुझे उम्मीद है कि सभी लोग मंदिर के दर्शन करेंगे। हम सौभाग्यशाली हैं कि हम आकर्षित हुए। मां कामाख्या से शक्ति मिलेगी और उनकी कृपा से भूमि समृद्ध होती रहेगी। सीएम ने कहा कि जब आप अन्य प्रमुख तीर्थ स्थलों पर जाएंगे, तो आप पाएंगे कि कॉरिडोर बनाए गए हैं। मैं आज घोषणा करता हूं कि जब आप दो साल में दोबारा आएंगे, तो आपको यहां भी कामाख्या कॉरिडोर मिलेगा। जी-20 शिखर सम्मेलन पर अपना ध्यान केंद्रित करते हुए, सीएम शर्मा ने कहा कि यह आयोजन केवल प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा निर्धारित समर्पण और जमीनी कार्य के कारण सफल हो सका। चल रहे विवाद के बीच, उन्होंने देश को *भारत* के रूप में संदर्भित करते हुए कहा कि देश भारत बन गया है। -शेष पृष्ठ दो पर

जी-20 की अध्यक्षता ब्राजील को, भारत ने दिया सहयोग का भरोसा

नई दिल्ली। देश की राजधानी नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय जी-20 शिखर सम्मेलन का रविवार को समापन हो गया। समापन समारोह के दौरान भारत ने अगले जी-20 की अध्यक्षता की जिम्मेदारी औपचारिक रूप से ब्राजील को सौंप दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा को अध्यक्ष पद की औपचारिक जिम्मेदारी सौंपकर परिवर्तन पूरा किया। अगले जी-20 की अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपने के बाद पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि भारत ने आधिकारिक रूप से अगले जी-20 की जिम्मेदारी ब्राजील को सौंप दी है। उन्होंने कहा है कि भारत आगामी जी-20 की अध्यक्षता के दौरान ब्राजील को इस मामले में हरसंभव सहयोग -शेष पृष्ठ दो पर

जी-20 का समापन वर्चुअल सम्मेलन नवंबर में : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को जी-20 शिखर सम्मेलन के तीसरे सत्र के आखिर में इस आयोजन के समापन की घोषणा की। इसी के साथ उन्होंने नवंबर में वर्चुअल सम्मेलन करने का प्रस्ताव किया, जिसमें समूह के कार्यों की समीक्षा की जा सके। प्रधानमंत्री ने सभी नेताओं से इसमें जुड़ने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जी-20 शिखर सम्मेलन में एक पृथ्वी, एक -शेष पृष्ठ दो पर

विधानसभा का पांच दिवसीय शरद सत्र आज से

गुवाहाटी। 15वीं असम विधानसभा का पांच दिवसीय शरदकालीन सत्र कल से शुरू होगा। यह पहली बार होगा कि सत्र दिसपुर स्थित नवनिर्मित असम विधानसभा भवन में आयोजित किया जाएगा। पांच दिवसीय सत्र 15 सितंबर 2023 तक चलेगा। सत्र के एक दिन रविवार को राज्य के संसदीय कार्य मंत्री पीयूष हजारिका ने इस मौके पर पत्रकारों को संबोधित करते हुए एक महत्वपूर्ण टिप्पणी की। यहां पत्रकारों से बात करते हुए पीयूष हजारिका ने कहा कि मैं आश्वासन देता हूं कि 15वीं असम -शेष पृष्ठ दो पर

जी-20 रात्रिभोज के दौरान मुख्यमंत्री ने की ब्रिटेन के पीएम से बातचीत

गुवाहाटी/नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी में जी-20 रात्रिभोज के दौरान ब्रिटेन के प्रधान मंत्री ऋषि सुनक के साथ बातचीत की। असम के मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक्स पर लिखा कि सीएम डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने भारत मंडपम, नई दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन के सम्मानित प्रतिनिधियों के लिए भारत के राष्ट्रपति द्वारा आयोजित रात्रिभोज में भाग लिया। पोस्ट में कहा गया है कि सीएम ने यूनाइटेड किंगडम के प्रधान मंत्री के साथ बातचीत की। इसके अलावा, शर्मा ने भारत मंडपम में जी-20 प्रतिनिधियों के रात्रिभोज के दौरान सिंगापुर के प्रधान मंत्री ली सीन लूंग से भी मुलाकात की। असम सीएमओ ने एक्स पर लिखा कि एचसीएम डॉ. हिमंत विश्व ने भारत मंडपम -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

बिजली दर नहीं बढ़ेगी : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि घरेलू उपभोक्ताओं के लिए बिजली की दर में बढ़ोतरी नहीं की जाएगी। उन्होंने आज पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि कमर्शियल तथा इंडस्ट्रियल बिजली की दरें बढ़ाई जा सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह ने हालांकि 300 मेगावाट बिजली रियायती दर पर असम को देने का आश्वासन दिया है। लेकिन, कितना तक बिजली केंद्र असम को दे सकता है इसकी समीक्षा की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1 अक्तूबर तक राज्य में बिजली की किल्लत बनी रहेगी। उल्लेखनीय की राज्य में बिजली की मांग में 23 फीसदी की बढ़ोतरी होने के कारण बिजली की घोर किल्लत हो गई है।

जी-20 में दिखी कोणार्क से लेकर नालंदा तक की तस्वीर

नई दिल्ली। भारत के लिए यह सप्ताह काफी खास रहा। 9 और 10 सितंबर को राजधानी दिल्ली में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन में दुनिया के शीर्ष नेता शामिल हुए। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सम्मेलन को समाप्त करते हुए 2024 के लिए ब्राजील को जी-20 की अध्यक्षता सोंपी। बता दें कि भारत के पास नवंबर तक जी-20 की अध्यक्षता रहेगी। भारत के लिए जी-20 महत्वपूर्ण था, क्योंकि इस शिखर सम्मेलन स्थल में 13वीं सदी के ओडिशा के कोणार्क मंदिर से लेकर बिहार के प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय तक भारत की समृद्ध वास्तुकला विरासत को देखा गया था। जी-20 रात्रिभोज के दौरान मेहमानों का अभिवादन करते समय पीएम मोदी और राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक सहित जी-20 के कुछ नेताओं को विश्वविद्यालय के महत्व के बारे में समझाया। विविधता, योग्यता, विचार की स्वतंत्रता, सामूहिक शासन, स्वायत्तता और ज्ञान साझाकरण का प्रतिनिधित्व करने वाला नालंदा विश्वविद्यालय लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के अनुरूप हैं। शाम को नालंदा और सुबह ओडिशा का कोणार्क पहिया जी-20 समूह स्थल में अलग ही रौनक दे रहा था। यूनेस्को की वेबसाइट के अनुसार, कोणार्क मंदिर में 24 पहियों को प्रतीकात्मक डिजाइनों से सजाया गया है और इसका नेतृत्व छह घोड़ों की एक टीम करती है। लोकतंत्र के पहिये के एक शक्तिशाली प्रतीक के रूप में कार्य करता है जो लोकतांत्रिक आदर्शों के लचीलेपन और समाज में प्रगति के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। माइ गव इंडिया ने शनिवार को एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा विश्व नेताओं को दिए गए स्वागत अभिनंदन का एक वीडियो -शेष पृष्ठ दो पर

मोरक्को में भूकंप से 2,012 लोगों की मौत

रबात (हि.स.)। मोरक्को में घड़ी की सूई घूमने के साथ-साथ भूकंप से हुई जानमाल की तबाही का डरावना मंजर दुनिया के सामने आने लगा है। हाई एटलस पहाड़ियों पर शुक्रवार देररात आए इस भूकंप ने कई शहर और गांवों को मकतल बना दिया है। मोरक्को के आंतरिक मंत्रालय ने आज कहा है कि मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 2,012 और घायलों का 2,059 पहुंच चुका है। इनमें से 1,404 की हालत गंभीर है। यह जानकारी मीडिया रिपोर्ट्स में दी गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक भूकंप के केंद्र के पास अमिजमिज गांव में भारी तबाही हुई है। राहत और बचाव का काम चल रहा है। मलबे से गलियां पट गई हैं। अपनों के शव देखकर लोगों की आंखें पथरा गई हैं। इस भूकंप से -शेष पृष्ठ दो पर

door graphy Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

बंगाल की मृत महिला राजस्थान में निकली जिंदा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल से एक अजीबोगरीब खबर सामने आई है। जिस महिला को एक दशक पहले सभी ने मरा हुआ मान लिया था, वह अचानक जिंदा निकल आई है। दरअसल, एमेच्योर रेडियो क्लब ने बंगाल की महिला को राजस्थान में जीवित ढूंढ निकाला है। दरअसल, रेडियो क्लब के सचिव अंबरीश नाग विश्वास को एक पत्रकार ने बताया था कि उनके पास एक महिला का फोन आया, जो अपने पिता से बात करना चाहती है। पत्रकार ने कहा कि उसे समझ नहीं आ रहा कि क्या किया जाए, इसलिए वह क्लब की सहायता चाहता है। विश्वास ने कहा कि जानकारी मिलते ही क्लब के सदस्यों ने महिला से फोन पर बात की और राजस्थान में उसकी लोकेशन का पता लगाया। रेडियो क्लब के सचिव ने कहा कि महिला -शेष पृष्ठ दो पर

एडवाइजरी कमेटी की बैठक संपन्न

गुवाहाटी (हि.स.)। असम विधानसभा अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी की अध्यक्षता में रविवार को असम विधानसभा की एडवाइजरी कमेटी की बैठक हुई। बैठक में सोमवार से शुरू होने वाले विधानसभा सत्र के विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। नए विधानसभा के परिसर में स्थित विस अध्यक्ष के कार्यालय कक्ष में आयोजित इस बैठक में राज्य के संसदीय कार्य मंत्री पीयूष हजारिका, चंद्र मोहन पटवारी, प्रतिपक्ष कांग्रेस के नेता देवव्रत, प्रतिपक्ष के उपनेता रकीबुल हुसैन समेत कई विधायक मौजूद थे। बैठक -शेष पृष्ठ दो पर

चंद्रबाबू नायडू 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में

अमरावती। विजयवाड़ा की एक भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) अदालत ने रविवार को कथित कौशल विकास घोटाले के सिलसिले में टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू को 23 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री को शनिवार तड़के नंद्याल में गिरफ्तार कर लिया गया। अदालत का फैसला आने से पहले आंध्र प्रदेश पुलिस ने किसी भी प्रतिकूल स्थिति से निपटने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम कर दिए थे। तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) के प्रमुख और आंध्रप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की करोड़ों रुपए के कथित घोटाला मामले -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
समय को समझने वाला कार्य सिद्ध करता है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा से पहले विहिप की जनसभा

लखनऊ (हि.स.)। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर बन रहे भव्य श्रीराम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) देशभर में जनसभाएं करेगा। उत्तर प्रदेश के मथुरा और काशी में विश्व हिन्दू परिषद बड़ी जनसभा कर विधर्मियों को हिन्दू शक्ति का अहसास कराएगा। विश्व हिन्दू परिषद पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्र संगठन मंत्री गजेंद्र सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश के सभी छह प्रांतों में शौर्य जागरण यात्रा निकाली जाएगी। पूर्वी उत्तर प्रदेश के चार प्रांतों की शौर्य जागरण यात्रा का समापन 10 -शेष पृष्ठ दो पर

परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह में भारत की सदस्यता का फ्रांस ने दिया समर्थन

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के बीच रविवार को जी-20 शिखर सम्मेलन के बाद दोपहर के भोज पर मुलाकात हुई। दोनों नेताओं ने आपसी रिश्तों में हुई प्रगति की समीक्षा की। मुलाकात के बाद जारी संयुक्त वक्तव्य में कहा गया कि दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय और वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए अपने सहयोग का विस्तार करने की आवश्यकता पर जोर दिया। दोनों नेताओं ने रक्षा, अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी, जलवायु -शेष पृष्ठ दो पर

भारत मंडपम में 2700 करोड़ बहे : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने जी-20 शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए नवनिर्मित भारत मंडपम में जलभराव होने का एक वीडियो रविवार को सोशल मीडिया मंच *एक्स* पर साझा किया, और कहा कि इससे मोदी सरकार के *खोखले विकास* की पोल खुल गई है। वीडियो में, लोगों को जलभराव वाले एक रास्ते से गुजरते देखा जा सकता है। कांग्रेस ने अपनी पोस्ट में कहा कि खोखले विकास की पोल खुल गई। जी-20 के लिए भारत मंडपम तैयार किया गया...2,700 करोड़ रुपए लगा दिये गए। एक बारिश में पानी फिर गया...। पार्टी प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने एक्स पर वीडियो साझा करते हुए कहा कि मशीन की मदद से पानी निकालने की कोशिश की जा रही है। बारिश भी अंतरराष्ट्रीय राष्ट्र-विरोधी साजिश में शामिल है। उन्होंने सवाल किया कि कौन हैं ये भ्रष्ट लोग, जो इतना पैसा झटक कर इतना घटिया काम करते हैं। चुनावी राज्य राजस्थान के टोंक जिले के निवाई में एक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस महासचिव -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

कनाडा शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन की स्वतंत्रता का हमेशा रक्षा करेगा : ट्रूडो

नई दिल्ली। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने रविवार को कहा कि भारत दुनिया की *असाधारण रूप से महत्वपूर्ण* अर्थव्यवस्था है और जलवायु परिवर्तन से निपटने और आर्थिक विकास सहित कई क्षेत्रों में कनाडा का *महत्वपूर्ण भागीदार* है। जी-20 शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ वार्ता के तुरंत बाद मीडिया ब्रीफिंग में उन्होंने यह टिप्पणी की। कनाडा में खालिस्तानी तत्वों की बढ़ती गतिविधियों पर भारत की चिंताओं के बारे में पूछे जाने पर, ट्रूडो ने कहा कि उनका देश शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन की स्वतंत्रता की हमेशा रक्षा करेगा लेकिन साथ ही हिंसा को रोकेगा और नफरत को पीछे धकेलने के लिए हमेशा प्रयास करेगा। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों की हरकतें पूरे समुदाय या कनाडा का प्रतिनिधित्व नहीं करतीं। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की असाधारण रूप से एक महत्वपूर्ण अर्थव्यवस्था है और जलवायु परिवर्तन से निपटने से लेकर नागरिकों के लिए विकास और समृद्धि के लिए कनाडा का एक महत्वपूर्ण भागीदार है। कनाडा के प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों पक्ष मौजूदा सहयोग को बढ़ाने पर विचार करना जारी रखेंगे। पीएम मोदी ने *एक्स* पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने और ट्रूडो ने विभिन्न क्षेत्रों में भारत-कनाडा संबंधों को लेकर चर्चा की। खालिस्तान चरमपंथ और *विदेशी हस्तक्षेप* पर एक सवाल के जवाब में, ट्रूडो ने कहा कि उनकी और प्रधानमंत्री मोदी के बीच वार्ता में ये मुद्दे सामने आए। उन्होंने कहा कि कनाडा हमेशा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन की स्वतंत्रता की रक्षा करेगा और यह हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है। ट्रूडो ने कहा कि साथ ही, हम हिंसा को रोकने और नफरत को पीछे धकेलने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। मुझे लगता है कि यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि कुछ लोगों की हरकतें पूरे समुदाय या कनाडा का प्रतिनिधित्व नहीं करतीं।

जी-20 आयोजन स्थल के पास आग लगने से हडकंप

दिल्ली (हि.स.)। जी-20 शिखर सम्मेलन के बीच रविवार सुबह आयोजन स्थल के नजदीक आग लगने की सूचना से हड़कंप मच गया। आग प्रगति मैदान के सामने स्थित भैरव मंदिर के गेट के पास लगी थी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग के अलावा पुलिस व दूसरी एजेंसियां भी अलर्ट हो गईं। तुरंत दमकल की दो गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। कुछ ही देर बाद आग पर काबू भी पा लिया गया। आग गेट पर मौजूद बिजली के तारों में लगी थी। हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। माना जा रहा है कि शनिवार से रह-रहकर हो रही बारिश के दौरान शार्ट सर्किट की वजह से तारों में आग लगी। फिलहाल बिजली विभाग को बुलाकर तुरंत तारों को दुरुस्त कर दिया गया। दमकल विभाग के अधिकारी ने बताया कि भैरव मंदिर प्रगति मैदान के नजदीक सड़क के दूसरी ओर मौजूद है। रविवार सुबह करीब 7.01 बजे उनकी टीम को सूचना मिली कि भैरव मंदिर के मुख्य गेट पर आग लग गई है। सूचना के बाद तुरंत वहां पर दमकल की दो गाड़ियों को भेजा गया। चंद ही मिनटों बाद आग पर काबू पा लिया गया। अधिकारी ने बताया कि किसी सुरक्षाकर्मी ने ही अग्निशमन विभाग को आग लगने की सूचना दी थी। सूचना मिलने के पांच मिनट के भीतर कनॉट प्लेस से गाड़ी मौके पर पहुंच गई। हालांकि भारत मंडपम के नजदीक प्रगति मैदान के अंदर छह गाड़ियां मौजूद थीं, लेकिन उनको बैठक स्थल के लिए सुरक्षित रखा गया था। उल्लेखनीय है कि दमकल विभाग ने जी-20 के लिए अपनी ओर से बड़े इंतजाम किए हैं। 500 जवानों के अलावा मेहमानों के ठहरने और बैठक स्थल के नजदीक आधुनिक उपकरणों के साथ दमकल की 35 गाड़ियों को 24 घंटे तैनात किया गया है। जी-20 समाप्त होने के बाद ही इन गाड़ियों को वहां से हटाया जाएगा।

सड़क दुर्घटना में दंपति सहित तीन की मौत

फरीदाबाद (हिंस)। नेशनल हाईवे-19 पर रविवार सुबह एक सड़क दुर्घटना में एक कार आगे चल रहे ट्रक के अचानक ब्रेक लगाने से ट्रक में पीछे से टकरा कर धंस गई। इस दुर्घटना में दंपत्ति सहित तीन लोगों की मौत हो गई। इस दुर्घटना में चार अन्य लोग घायल हुए हैं। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक मौके से भाग गया। बताया गया कि फरीदाबाद में ही फोटोकॉपी की दुकान चलाने वाले मनीष भाटिया शनिवार शाम को अपने 50 वर्षीय दोस्त राजकुमार जायसवाल कार से कोकिलावन (यूपी) शनिदेव के दर्शन करने गए थे। कार में उनके साथ मनीष की 38 वर्षीय पत्नी दर्शना, 17 वर्षीय बेटी वाणी, आठ वर्षीय बेटा माधव व राजकुमार की 42 वर्षीय पत्नी गीतांजलि और दस वर्षीय बेटी आहना भी थी। बताया गया कि कार राजकुमार चला रहा था। दर्शन कर रात में अपने घर लौटते समय करीब दो बजे पलवल में ओमेक्स सिटी के निकट नेशनल हाईवे-19 पर उनकी कार आगे चल रहे ट्रक के अचानक ब्रेक लगाने पीछे से घुस गई। इससे कार सवार सातों सवारियां घायल हो गईं। राहगीरों की मदद से सभी घायलों को कार से निकाल कर जिला नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया।

पताहीन शव

गुवाहाटी (विभास)। एक राजीव सरकारधारी नाम का मृत व्यक्ति गौहाटी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल (जीएमसीएच) के मुर्दाघर में पड़ा है। उस मृत व्यक्ति की उम्र लगभग 45 वर्ष है जो 7 जुलाई की शाम सात बजे आया था, जिसका पता अज्ञात है। उसके जिला, थाना और स्थआन का पता नहीं है। इस सलिसिले में भांगागढ़ थाने को भी सूचना दे दी गई है। उसे चिकित्सा के दौरान मृत घोषित किया गया है।

सिलापथार में लगी भीषण आग, करोड़ों की संपत्ति जलकर राख

लखीमपुर (हिंस)। स्थानीय सिलापथार के मादुरीपथार में आज लगी भीषण आग में करोड़ों रुपए की संपत्ति जलकर राख हो गई। सिलापाथर के मादुरीपथार बाजार में रविवार दोपहर आग लग गई। इस घटना में गोपाल साहू नामक व्यापारी का राइस मिल, गोदाम, घर के साथ-साथ सारी संपत्ति जल गई। आग में सोने-चांदी के जेवर, कपड़े से लेकर स्कूली बच्चों की किताबें जलकर राख हो गईं। सिलापाथर फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने लोगों की मदद से आग बुझाने के लिए काफी मसक्कत की। आखिरकार आग को और अधिक फैलने से रोका जा सका। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

मुख्यमंत्री सहायता कोष से 35 लाभार्थियों को सहायता

गुवाहाटी (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के गुवाहाटी स्थित हेंगराबाड़ी जिला कार्यालय में रविवार को दोपहर दो बजे मुख्यमंत्री सहायता पूंजी का चेक वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के गुवाहाटी महानगर जिला अध्यक्ष तपन चंद्र दास, महापौर मृगेन सरानिया, उप महापौर स्मिता राय दास समेत कई जिला पदाधिकारी उपस्थित थे। जिलाध्यक्ष तपन चंद्र दास ने अपने संक्षिप्त संबोधन में कहा कि प्रदेश के प्रख्यात मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने प्रदेश के बीमार लोगों के कल्याण के लिए विभिन्न बीमारियों से पीड़ित मरीजों को एकमुश्त राहत देने का उल्लेखनीय कदम उठाया है। उन्होंने आज *मुख्यमंत्री सहायता* कोष से 35 लाभार्थियों को प्रदान की गई सहायता के लिए राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा को धन्यवाद दिया। लाभार्थियों ने विशेष रूप से मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा को भी धन्यवाद दिया और उनके लंबे जीवन की कामना की।

विस का शरद कालीन सत्र : मंत्री पीयूष को काफी उम्मीदें

गुवाहाटी (हिंस)। असम विधानसभा का शीतकालीन सत्र सोमवार से पांच दिवसीय कार्यक्रम के साथ शुरू होगा। यह पहली बार होगा जब सत्र नवनिर्मित असम विधानसभा भवन में आयोजित किया जाएगा। संसदीय कार्य मंत्री पीयूष हजारिका ने रविवार को इस सत्र के संबंध में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए महत्वपूर्ण जानकारी दी। संवाददाता सम्मेलन से पूर्व मंत्री हजारिका ने विधानसभा की बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में भाग लिया। उन्होंने विधानसभा अधिवेशन के लिए की गई तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने विधानसभा भवन का भी घूमकर इस दौरान निरीक्षण किया। मंत्री पीयूष हजारिका ने आश्वासन दिया कि असम विधानसभा का शरद कालीन सत्र सभी नई सुविधाओं के साथ नवनिर्मित भवन में सुचारू रूप से संचालित किया जाएगा।

पृष्ठ एक का शेष

मां कामाख्या की ...

75 वर्षों के बाद, देश को आखिरकार यह मिल गया है। प्रधान मंत्री ने सभी को एहसास कराया है कि हम सभी भारतीय हैं। लगभग 500 वर्षों पहले, महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव ने अपने लेखन में राष्ट्र को भारत कहा था। भारत महान है। इस बीच, सीएम शर्मा ने कांग्रेस पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने अपनी रैली के लिए *भारत जोड़ो यात्रा* नाम चुना, लेकिन फिर खुद को भारत कहने लगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को भारत नाम लेने का अधिकार नहीं है। उन्होंने भारत नाम लेने के बाद देश को विभाजित कर दिया है। सबसे पहले, राहुल गांधी ने पहले से ही *गांधी* उपनाम वाले लोगों के साथ घोटाला किया है। असम के सीएम ने अपने भाषण के दौरान राहुल गांधी से उपनाम छोड़ने का आग्रह किया। इसके अलावा, सीएम शर्मा ने प्रधान मंत्री की प्रशंसा करते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी पहले से ही विश्वगुरु हैं, और इस बात पर प्रकाश डाला कि उनके शासनकाल में देश कैसे समृद्ध हुआ है। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करना हर भारतीय का कर्तव्य है कि वह तीसरी बार फिर से प्रधानमंत्री बनें। सीएम शर्मा ने बाल विवाह के बारे में बात करते हुए बताया कि अब तक बाल विवाह से संबंधित शिकायतों के सिलसिले में 5,000 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि अब तक, 5,000 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है और जब हम जी-20 के बाद अपना अभियान तेज करेंगे तो दो से तीन हजार लोगों को गिरफ्तार किए जाने की संभावना है। उन्होंने अपने भाषण के दौरान इस बात पर भी प्रकाश डाला कि भाजपा सरकार ने मुसलमानों के लिए कांग्रेस की तुलना में कहीं अधिक काम किया है।

जी-20 की अध्यक्षता...

करेगा। उन्होंने कहा भारत ने आधिकारिक रूप से ब्राजील को इसकी जिम्मेदारी दे दी है। हमें पूरा भरोसा है कि वे समर्पण और दूरदर्शिता के साथ इसका नेतृत्व करेंगे और वैश्विक एकता और समृद्धि को भी आगे बढाएंगे। भारत ने आगामी जी-20 की अध्यक्षता के लिए ब्राजील को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया। वहीं, जी-20 की अध्यक्षता आधिकारिक रूप से ग्रहण करने के बाद ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा ने एक्स पर कहा है कि आगामी जी-20 का आदर्श वाक्य एक न्यायपूर्ण विश्व और एक टिकाऊ ग्रह का निर्माण है। मालूम हो कि भारत के नेतृत्व में हो रहे जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान एक साझा घोषणा पत्र जारी किया गया। इस घोषणा पत्र में खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन सहित कई प्रमुख मुद्दों पर प्रतिबद्धता व्यक्त की गई है। मालूम हो कि भारत ने पिछले साल एक दिसंबर को उस समय के अध्यक्ष रहे इंडोनेशिया से जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण की थी और यह जिम्मेदारी भारत के पास 30 नवंबर तक रहने वाली है। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी-20 समूह के नेताओं के समक्ष इसी साल नवंबर में एक वर्चुअल बैठक आयोजित करने का भी प्रस्ताव रखा है। जी-20 समिट के समापन समारोह में पीएम मोदी ने समूह के नेताओं से कहा कि यह हमारी जिम्मेदारी है कि जो सुझाव दिए गए हैं, उन पर गौर करें और देखें कि प्रगति को कैसे तेज किया जा सकता है।

जी-20 का समापन ...

परिवार, एक भविष्य का रोड मैप रखा गया है। संपूर्ण विश्व में इससे आशा का संचार हो और सबकी मंगलकामना के साथ वह शिखर सम्मेलन के समापन की घोषणा करते हैं। प्रधानमंत्री के वक्तव्य से पूर्व अगले जी-20 की अध्यक्षता संभालने वाले ब्राजील के राष्ट्रपति ने अपना वक्तव्य दिया। भारत नवंबर में ब्राजील को जी-20 की अध्यक्षता सौंपेगा।

विधानसभा का पांच...

विधानसभा का सत्र पूरी तरह से नई सुविधाओं के साथ नवनिर्मित भवन में सुचारू रूप से आयोजित किया जाएगा। आगामी सत्र में विधानसभा में करीब 23-24 विधेयक पेश किए जाएंगे। शरदकालीन सत्र में पंचायती राज संशोधन विधेयक, कई कॉलेजों को विश्वविद्यालयों में परिवर्तित करने के विधेयक और विभिन्न विभागों के अन्य विधेयक पेश किए जाएंगे। मंत्री ने सभी दलों से यह सुनिश्चित करने की अपील की कि सत्र सुचारू रूप से चले और विपक्षी दलों से सहयोग मांगा। मंत्री पहले की तरह सरकार की ओर से विपक्षी नेताओं को समय उपलब्ध कराने पर सहमत हुए।

जी-20 रात्रिभोज के ...

में जी-20 प्रतिनिधियों के रात्रिभोज के दौरान सिंगापुर के माननीय प्रधान मंत्री से मुलाकात की। पोस्ट में कहा गया कि एचसीएम ने असम सरकार और सिंगापुर गणराज्य के बीच चल रही विभिन्न साझेदारियों पर सौहार्दपूर्ण बातचीत की। यूनाइटेड किंगडम (यूके) के प्रधान मंत्री ऋषि सुनक ने भी भारतमंडपम, नई दिल्ली में रात्रि भोज पर संवाद के दौरान केंद्रीय विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह से मुलाकात की। राष्ट्रीय राजधानी में राष्ट्रपति मुर्मू द्वारा आयोजित जी-20 रात्रिभोज में विशेष आमंत्रित लोगों की सूची में कुल 170 अतिथि हैं। कार्यक्रम के मेजबान राष्ट्रपति मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ अपनी पत्नी सुदेश धनखड़, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी, पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद और पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू डिनर पार्टी में शामिल हुए। इस भव्य रात्रिभोज में विदेशी नेताओं और प्रतिनिधियों के प्रमुखों के अलावा सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों, कैबिनेट और राज्य मंत्रियों, केंद्र सरकार में सचिवों और अन्य विशिष्ट अतिथियों को आमंत्रित किया गया है।

जी-20 में दिखी ...

पोस्ट किया, जिसका शीर्षक था जी-20 का प्रतिष्ठित अभिवादन - कोणार्क का कालचक्र केंद्र में आ गया। संस्कृति मंत्रालय ने भारत की सांस्कृतिक विरासत के साथ-साथ अन्य जी-20 सदस्य देशों की सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाया है और शिखर सम्मेलन गलियारे में स्थापित *संस्कृति गलियारे* के माध्यम से देशों को आमंत्रित किया है। हिंदी में एक अन्य पोस्ट में, मंत्रालय ने नटराज की 27 फुट ऊंची प्रतिमा सहित परिसर के विभिन्न कला तत्वों को भी शेयर किया और लिखा कि यह महामंडपम हमारी महान सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासतों को दर्शाता है।

बंगाल की मृत...

जब कथित तौर पर खो गई थी, उस समय वह किशोरी थी। तब उसकी करीब 27 साल उम्र थी। उसका नाम नजमुनार खातून (अब रूपा मंडल) है। विश्वास ने कहा कि महिला ने अपने पिता के नाम के साथ पत्रकार को जो गांव का विवरण दिया था, उसके बारे में पता लगाया गया। आखिरकार हमें पता चला कि उसका परिवार उत्तर 24 परगना जिले के मिनाखान इलाके में रहता है। हमने तुरंत संपर्क किया। रेडियो क्लब के सदस्यों ने महिला की तस्वीर उसके परिवारवालों को भेजी और वीडियो कॉल के जरिए उसे अपने साथ जोड़ा। खातून के पिता जाकिर तरफदार ने मीडिया एजेंसी को बताया कि उनकी बेटी अब राजस्थान के करौली जिले के पटोना गांव में रहती है और उसने एक हिंदू व्यक्ति से शादी की है। उसके तीन बच्चे हैं। पिता ने कहा कि हमें खुशी है कि हमारी बेटी जीवित है और उसका एक परिवार है। हमें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है कि उसने एक हिंदू व्यक्ति से शादी की है। उन्होंने कहा कि कुछ दिनों में वह अपनी बेटी से मिलने जाएंगे। साथ पिता ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि दिल्ली में उनकी बेटी कैसे लापता हो गई थी। पश्चिम बंगाल में रेडियो क्लब के सदस्यों ने राजस्थान में अपने समकक्षों से भी संपर्क किया और महिला व उसके पति के बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए स्थानीय महाबीरजी पुलिस स्टेशन से मदद मांगी। महिला के पति योगेश कुमार नाहरवाल ने बताया कि खातून को करीब 12 साल पहले नई दिल्ली के निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर रोते हुए पाया था और वह इस बारे में कोई जानकारी नहीं दे सकी कि वह कहां की रहने वाली है। इसलिए हम उसे साथ घर ले आए। नाहरवाल ने कहा कि मैंने और मेरी मां ने खातून की अच्छी देखभाल की। बाद में मां के कहने पर उससे शादी कर ली। अब हमारे तीन बच्चे हैं। मैं एक साधारण आदमी हूं, मेरे पास जमीन का एक छोटा सा टुकड़ा है जहां मैं फसलें उगाता हूं। मैं एक ठेकेदार भी हूं।

एडवाइजरी कमेटी ...

में विधानसभा के पांच दिवसीय सत्र के संचालन को लेकर विस्तार से विमर्श किया गया। अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी ने सभी से शांतिपूर्ण तरीके से विधानसभा की कार्यवाही चलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि विधानसभा की मर्यादाओं को ध्यान में रखकर इस दौरान सदस्यों को अपनी बातें कहनी चाहिए।

चंद्रबाबू नायडू 14...

मेंगिरफ्तारी के बीच कई लोगों ने उनके पक्ष में आवाज उठायी है तथा उनकी गिरफ्तारी को अवैध बताया है। अपराध अन्वेषण विभाग (सीआईडी) ने रविवार को कड़ी सुरक्षा के बीच नायडू को विजयवाड़ा में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो अदालत में पेश किया। विभाग ने ही उन्हें करोड़ों रुपए के कौशल विकास निगम घोटाले में उनकी कथित भूमिका को लेकर गिरफ्तार किया था। उच्चतम न्यायालय के वकील सिद्धार्थ लूथरा की अगुवाई में नायडू के वकीलों की एक टीम तथा सीआईडी वकीलों के बीच अदालत में करीब सात घंटे बहस चली है। नायडू को शनिवार को नंदयाला में तड़के उस समय गिरफ्तार किया था जब वह सो रहे थे। इससे पहले आंध्र प्रदेश सीआईडी ने तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) के प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू से पूछताछ की थी। पुलिस अधिकारियों ने सभी सुविधाओं से लैस उनकी बस का दरवाजा खटखटाया, जिसमें वह सो रहे थे और उसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया। आंध्र प्रदेश पुलिस ने बताया कि अपराध जांच विभाग (सीआईडी)के दल ने आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री को सुबह करीब छह बजे नंदयाल शहर के ज्ञानपुरम स्थित आर के मैरिज हॉल के बाहर से गिरफ्तार किया, जहां उनकी बस खड़ी थी। नायडू को दिए गए नोटिस में सीआईडी की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) के पुलिस उपाधीक्षक एम धनंजयुडु ने कहा कि आपको सूचित किया जाता है कि आपको सुबह छह बजे नंदयाल शहर के ज्ञानपुरम स्थित मूलसागरम के आवास आर के फंक्शन हॉल से गिरफ्तार कर लिया गया है और यह एक गैर-जमानती अपराध है।

मोरक्को में भूकंप...

प्राचीतम शहर मराकेश में भी भारी विनाश हुआ है। इस शहर में यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल सूची में शामिल कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। भूकंप से सबसे ज्यादा विनाश अल हौज, उआरजाजेट, मराकेश, अजीलाल, चिचौआ और तारौदंत प्रांतों में हुआ है। मोरक्को के भू-भौतिकी केंद्र की कल की सूचना के मुताबिक भूकंप हाई एटलस के इघिल क्षेत्र में आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 7.2 थी। अमेरिकी भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण ने भूकंप की तीव्रता 6.8 बताई। उसने कहा है कि यह 18.5 किलोमीटर (11.5 मील) की अपेक्षाकृत उथली गहराई पर था।

परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह...

परिवर्तन, शिक्षा और लोगों से लोगों के बीच संपर्क के क्षेत्रों में सहयोग के लिए नए और महत्वाकांक्षी लक्ष्यों के कार्यान्वयन पर समग्र प्रगति और अगले कदमों पर चर्चा की। राष्ट्रपति मैक्रों ने मिशन चंद्रयान 3 की भारत की सफलता पर प्रधानमंत्री मोदी को बधाई दी। दोनों नेताओं ने मजबूत भारत-फ्रांस असैन्य परमाणु संबंधों, जैतापुर परमाणु संयंत्र परियोजना के लिए चर्चा में अच्छी प्रगति को स्वीकार किया और एसएमआर और एएमआर प्रौद्योगिकियों के सह-विकास के लिए दोनों पक्षों की निरंतर भागीदारी का स्वागत किया। फ्रांस ने परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह में भारत की सदस्यता के लिए अपने दृढ़ और अटूट समर्थन को दोहराया। दोनों नेताओं ने उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकी और प्लेटफार्मों के डिजाइन, विकास, परीक्षण और निर्माण में साझेदारी के माध्यम से रक्षा सहयोग को मजबूत करने और इंडो-पैसिफिक और उससे आगे के तीसरे देशों सहित भारत में उत्पादन का विस्तार करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस संदर्भ में उन्होंने रक्षा औद्योगिक रोडमैप को शीघ्र अंतिम रूप देने का भी आह्वान किया। डिजिटल, विज्ञान, तकनीकी नवाचार, शिक्षा, संस्कृति, स्वास्थ्य और पर्यावरण सहयोग जैसे क्षेत्रों पर जोर देते हुए दोनों नेताओं ने इंडो-पैसिफिक के लिए इंडो-फ्रेंच कैंपस के मॉडल पर इन क्षेत्रों में संस्थागत संबंधों को मजबूत करने का आह्वान किया। इस संदर्भ में उन्होंने सांस्कृतिक आदान-प्रदान का विस्तार करने और संग्रहालयों के विकास में मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता भी दोहराई। प्रधानमंत्री मोदी ने जी-20 की भारत की अध्यक्षता के लिए फ्रांस के निरंतर समर्थन के लिए राष्ट्रपति मैक्रों को धन्यवाद दिया, जिसने वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने और अधिक स्थिर वैश्विक व्यवस्था बनाने के अंतरराष्ट्रीय प्रयासों में समावेशिता, एकता और एकजुटता को आगे बढ़ाया। भारत और फ्रांस ने जी-20 में अफ्रीकी संघ की सदस्यता का भी स्वागत किया और अफ्रीका की प्रगति, समृद्धि और विकास के लिए एयू के साथ काम करने पर विचार किया।

भारत मंडपम में ...

प्रियंका गांधी वाद्रा ने इस जलभराव को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज किया। उन्होंने कहा कि शायद, हमारे देशवासी डर से जो कह नहीं पा रहे हैं, भगवान ने कह दिया: अपना अहंकार कम करो, इस देश ने तुम्हें बनाया है...इस देश ने नेता बनाया है, इस देश को आगे रखो.. इस देश की जनता को सर्वोपरि बनाओ। पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मुझे अच्छी तरह याद है कि राष्ट्रमंडल खेलों के आयोजन से 15 दिन पहले खेल गांव के फ्लैटों के बेसमेंट में जलभराव होने के कारण हमारी सरकारों - राज्य (दिल्ली) और केंद्र दोनों - को आलोचना का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा कि जी-20 इंडिया 2023 कार्यक्रम के बीच में, भारत मंडपम में पानी भर गया, लेकिन मीडिया ने कोई हायतौबा नहीं मचाई। खेड़ा ने कहा कि मोदी जी, आपने हमसे यह नहीं सीखा कि भारत पर शासन कैसे करना है, लेकिन हमें आपसे सीखना चाहिए कि मीडिया को कैसे नियंत्रित किया जाता है। कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने तंज किया कि लगभग 3,000 करोड़ रुपए की लागत से बने भारत मंडपम में आज जरा सी बारिश में ही विकास तैरता हुआ दिखाई दिया। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भगवान से प्रार्थना है कि आज दिन में यहां ज्यादा बारिश ना हो, जी-20 शिखर सम्मेलन सही सलामत पूरा हो जाए। सुरजेवाला ने कहा कि मोदी सरकार ने गरीबों को पर्दे से ढक दिया, लेकिन कितनी भी तरकीब लगा कर अपनी करतूतों को नहीं ढक सकती। वैसे भी मोदी सरकार में कुछ भी इवेंट (कार्यक्रम) और उद्घाटन के बाद नहीं टिकता। भारत मंडपम का वीडियो साझा करते हुए भारतीय युवा कांग्रेस के प्रमुख बी वी श्रीनिवास ने कहा कि विकास तैर रहा है। जी-20 शिखर सम्मेलन शनिवार को यहां प्रगति मैदान में भारत मंडपम में आरंभ हुआ और यह रविवार को संपन्न होगा।

अयोध्या में प्राण ...

अक्तूबर को काशी में होगा। पश्चिम उत्तर प्रदेश के तीन प्रांतों की यात्रा का समापन मथुरा में होगा। उन्होंने बताया कि प्रांत की शौर्य जागरण यात्रा एक दिन में दो बड़ी जनसभा करेगा। शौर्य जागरण यात्रा के माध्यम से हिन्दू समाज को सनातन धर्म के विरूद्ध रचे जा रहे षड़यंत्रों से आगाह किया जाएगा। युवाओं को अपने पूर्वजों के प्रति गौरव का भाव जाग्रत करेगा। अयोध्या में जैसे-जैसे राम मंदिर निर्माण पूर्णता की ओर बढ़ रहा है, रामभक्तों का उत्साह हिलोरें मार रहा है। इसके लिए विहिप देशभर के सभी प्रांतों में शौर्य जागरण यात्रा निकालने का निश्चय किया है। प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को ऐतिहासिक बनाने के लिए अयोध्या में संघ व विश्व हिन्दू परिषद के शीर्ष पदाधिकारियों की बैठक चल रही है। विहिप की केंद्रीय टोली व प्राण प्रतिष्ठा प्रबंधन समिति की बैठक में देशभर के सभी क्षेत्र संगठन मंत्रियों को बुलाया गया है। इसी बैठक में प्राण प्रतिष्ठा समारोह से जुड़ी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाएगा। बैठक का समापन सोमवार को होगा। विश्व हिन्दू परिषद प्रतिष्ठा समारोह से पूरे देश को जोड़ने की तैयारी में है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद रामलला का दर्शन कराने के लिए अलग-अलग राज्यों का नंबर लगेगा। जिस तरह निधि समर्पण अभियान के लिए अभियान चलाया गया, उसी तरह इन परिवारों को महोत्सव से जोड़ा जाएगा।

सिलघाट-अलीपुरद्वार एक्सप्रेस दुर्घटना से बाल-बाल बची

धुबड़ी (हिंस)। आज सुबह सिलघाट-अलीपुरद्वार एक्सप्रेस ट्रेन अचानक गदाधर नदी के पुल पर आकर रुकी गई। घटना की सूचना आरपीएफ धुबड़ी को दी गई। आरपीएफ की देखरेख में ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ स्टाफ रुद्र राय तुरंत गैंगमैन गीता पासवान के साथ घटनास्थल के लिए रवाना हुए। ट्रेन के रूकने के चलते यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। रुद्र राय ने यात्रियों को समझने के बाद पुल पर चढ़कर ट्रेन के डिवाइस को सही किया। लगभग 25 मिनट के बाद ट्रेन अपने गंतव्य के लिए रवाना हुई। यात्रियों रूद्र रॉय के कार्य की सराहना की।

कांग्रेस-एआईयूडीएफ अंदर से एक ही हैं : मंत्री पीयूष

गुवाहाटी (हिंस)। असम के संसदीय कार्य, सूचना एवं प्रसारण आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस-एआईयूडीएफ का औपचारिक गठबंधन हो या न हो, वे दोनों एक ही हैं। कभी-कभी चुनावी गठबंधन के बिना उनमें दोस्ताना रहता है। पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशियों की मदद के लिए एआईयूडीएफ ने नगांव, कोलियाबर और बरपेटा सीटों पर अपने उम्मीदवार नहीं उतारे थे। इसी तरह, धुबड़ी में कांग्रेस ने एक कमजोर उम्मीदवार को मैदान में उतारा था। मंत्री पीयूष हजारिका ने दोनों पार्टियों पर निशाना साधते हुए यह भी कहा कि कांग्रेस-एआईयूडीएफ कभी-कभी बिना गठबंधन के इसी तरह से गठबंधन करते हैं। असम के लोग कांग्रेस-एआईयूडीएफ गठबंधन को जानते हैं, भले ही वे एक-दूसरे को कितना भी

भलाबुरा क्यों न कहें। अगर उनके बीच गठबंधन नहीं है तो बदरुद्दीन अजमल ने संसद में कांग्रेस के पक्ष में वोट क्यों दिया? मंत्री ने आगामी लोकसभा चुनाव में 11 सीटों पर अपनी जीत की बात दोहराई। मंत्री पीयूष ने कहा कि कांग्रेस का चाय बगान कार्यक्रम फ्लॉप हो गया है। हाल ही में चर्चा में आए कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा के चाय बगान में साइकिल चलाने का जिक्र करते हुए मंत्री ने कहा कि पार्टी अध्यक्ष के लिए अकेले साइकिल चलाना अच्छी बात नहीं है। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा द्वारा दी गई जिम्मेदारी को सही तरीके से निभाना मेरा कर्तव्य है। मैं सक्रिय हूं या नहीं यह जनता तय करेगी। कांग्रेस के इस बयान पर कि भाजपा पंचायत चुनावों से डरी हुई है, मंत्री ने कहा कि चुनाव के दौरान सब कुछ साफ हो जाएगा कि भयभीत लोग जीतते हैं या जो डरते नहीं हैं वे जीतते हैं।

बरखेत्री में भाई-बहन की डूबने से मौत

नलबाड़ी (हिंस)। नलबाड़ी जिले के बरखेत्री के चरक्षेत्र में एक दुखद घटना हुई। बरखेत्री राजस्व क्षेत्र अंतर्गत कुरिहामारी चर के एक ही परिवार के दो भाई-बहनों की दर्दनाक मौत से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस से आज मिली जानकारी के अनुसार कुरिहामारी शुक्रवारीय बाजार निवासी हनीफ अली का बेटा और बेटी सड़क के किनारे पानी में गिर गए। इसमें दोनों की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार दोनों सड़क से फिसलकर सड़क किनारे से नीचे गिर गए और सड़क किनारे से पानी में जा गिरे। कुछ स्थानीय लोगों ने इस घटना को देखा और दोनों बच्चों को पानी से बचाया। उन्हें एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया। लेकिन, दोनों बच्चों को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। दोनों बच्चों के शव को सियालमारी पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिए नलबाड़ी के शहीद मुकुंद काकोती सिविल अस्पताल भेज दिया।

चाय मजदूरों ने बिजली का कनेक्शन हटा दिया है : भूपेन बोरा

गुवाहाटी (हिंस)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा ने कहा है कि राज्य के चाय बागानों में रहने वाले चाय जनजाति के लोग परेशान होकर अपना बिजली का कनेक्शन खोल दिया है। एक तो बिजली नहीं रहती है, ऊपर से 800 रुपए से कम का बिल नहीं आता है। ऐसे में उनके लिए बिजली का कनेक्शन रखना महंगा पड़ रहा है। इसीलिए गर्मी में वे बगैर पंखे के ही सोते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि उनकी पार्टी की सरकार जहां-जहां बनी है, वहां गरीबों को 500 रुपए में गैस का सिलेंडर मुहैया करवाया जा रहा है। वहीं, उन्होंने कहा कि कर्नाटक, राजस्थान आदि राज्यों की तर्ज पर बेरोजगारों को सरकार बेरोजगारी भत्ता देगी। साथ ही कांग्रेस अध्यक्ष ने यह भी कहा कि महिलाओं को प्रत्येक माह 2000 रुपए सरकार की ओर से दी जाएगी। उन्होंने कहा कि बीते कुछ दिनों से वे चाय बागानों में लगातार घूम कर स्थिति को देख रहे हैं। मुख्यमंत्री चाय बागानों की समस्या दूर हो जाने के बात करते हैं। जबकि, चाय बागानों की समस्या और अधिक बढ़ गई है।

जया एकादशी के पावन अवसर रेलवे गेट नंबर 2 पर भजन-कीर्तन का आयोजन

गुवाहाटी। जया एकादशी के पावन अवसर पर स्थानीय श्रीराम मंदिर रेलवे गेट नं 2 पुलिस रिजर्व के सामने गुवाहाटी में भजन कीर्तन श्रीमती पार्वती गुप्ता अध्यक्षा की देखभाल में दोपहर 3.07 बजे से माथुर वैश्य सेवा समिति पूर्वोत्तर महिला मंडल गुवाहाटी द्वारा बड़े ही सौहार्द पूर्ण वातावरण में हुआ। ईश प्रार्थना, गणेश वंदना एवं हनुमान चालीसा के साथ भजन कीर्तन आरंभ हुआ। श्रीराम, श्रीश्याम, श्रीहनुमान, शिव शंकर भगवान, माता कामाख्या, रानी सती दादी के साथ सभी देवी-देवताओं के भजनों से वातावरण भक्तिमय हो गया। आगामी नवरात्रि के पावन अवसर पर मां कामाख्या धाम पद यात्रा दिनांक 19 अक्तूबर 2023 को निकाले जाने पर विचार विमर्श हुआ। श्रीराम मंदिर से यात्रा धूमधाम से आरंभ की जाएगी। चाय नाश्ता के साथ ही कार्यक्रम को विश्राम दिया गया।

चोरी और झपटमारी में शामिल पांच गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के वशिष्ठ और हाथीगांव पुलिस की टीम ने संयुक्त अभियान के दौरान चोरी और झपटमारी में शामिल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि वशिष्ठ पुलिस थाने में दर्ज केस नंबर 502 /2023 धारा 392 के तहत वशिष्ठ और हाथीगांव पुलिस ने संयुक्त अभियान के दौरान अनुपम तिमुंग उर्फ बैंगेना (19) और विश्वजीत तिमुंग (27) को गिरफ्तार किया। अभियान के दौरान पुलिस ने कंकन बोरो (19) नामक अन्य एक आरोपी के पास से चोरी की एक स्कूटी बरामद किया। कंकन की निशानदेही पर पुलिस ने और तीन चोरी की स्कूटी बरामद किया। बरामद की गई सभी स्कूटी गांधी बस्ती, बोरबारी इलाके से चुरायी गई थी। वहीं इस मामले में अन्य दो आरोपी बिश्वजीत रामसियारी (18) और अनुज चामुआ (19) को गिरफ्तार किया गया। पुलिस इस मामले में दर्ज प्राथमिक के आधार पर गिरफ्तार सभी चोरों से सघन पूछताछ कर रही है।

सतिया में दो बच्चों की डूबने से मौत

जोरहाट (हिंस)। सतिया में दो बच्चों की पानी में डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने आज बताया कि यह दर्दनाक हादसा शनिवार की शाम 4 नंबर भोजमारी गांव में हुआ। नद के पास ब्रह्मपुत्र के तट पर खेलते हुए बच्चे नद में गिर गए। रात को उनके शवों को निकालकर अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। मृतकों की पहचान रेजाउल हक (7) और आबीदुर हक (5) के रूप में हुई है। सतिया पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और दोनों के शवों को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दोनों भाइयों की असामयिक मृत्यु से शोक का माहौल है।

भारी मात्रा में ड्रग्स समेत चार गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के वशिष्ठ थाना क्षेत्र की जोराबाट पुलिस ने ड्रग्स तस्करी में शामिल चार तस्करों को भारी मात्रा में ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया है। जोराबाट पुलिस चौकी प्रभारी कपिल पाठक के नेतृत्व में चलाये गये अभियान के दौरान चारों ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान प्रेम गोगोई, भास्कर ज्योति बोड़ो, माजूनू उंबांग और जोन पाटिर के रूप में की गई है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से 21 साबुनदानी में छिपाकर रखी गई 251.2 ग्राम हेरोइन, छह मोबाइल फोन, एक कार (एएस-01एफके-1067) के अलावा नगद 1 लाख 16 हजार 30 रुपए जब्त किए गए। पुलिस ने जोराबाट इलाके में स्थित जगन्नाथ मंदिर के समीप प्रेम गोगोई के घर में अभियान चलाकर ड्रग्स को बरामद किया। गिरफ्तार प्रेम गोगोई के घर से पुलिस ने 2 वर्ष पूर्व भी भारी मात्रा में ड्रग्स बरामद किया था। हालांकि, उस समय प्रेम गोगोई अभियान के दौरान भागने में सफल हो गया था। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिक की दर्ज कर गिरफ्तार चारों शातिर ड्रग्स तस्करों से सघन पूछताछ पूछताछ कर रही है।

जेसीआई, बेलतला ने की नेत्र व दांत जांच शिविर का आयोजन

गुवाहाटी (विभास)। जेसीआई बेलतोला गुवाहाटी ने लायंस आई हॉस्पिटल के सहयोग से रेहाबड़ी स्थिति स्टूडेंट फैकल्टी स्कूल में 200 बच्चों के दांत व आंखों की जांच की। साथ ही दवा वितरण भी की। इस अवसर पर जेसीआई गुवाहाटी बेलतला की अध्यक्ष सुनीता कंदोई, डॉ. रेशमा जीतानी, कोषाध्यक्ष मौसमी जैन, पायल अग्रवाल उपस्थित थी।

गन्ना किसान अपनी उपज को कम कीमत पर बेचने को मजबूर

नगरबेड़ा (विभास)। बरपेटा जिले के बाघबर निर्वाचन क्षेत्र के तहत आने वाले चरांचल में किसान अपनी उपज का उचित मूल्य पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। किसानों को गन्ने की फसल से हाथ धोना पड़ा है। क्योंकि किसान उचित मूल्य से वंचित हैं। विधानसभा क्षेत्र के चर इलाकों में केवल आलोपति, माजर चर, बाघमारा चर, कलैरदिया और निचानरचर में हर साल की तरह इस साल भी करीब कुछ सौ बीघा गन्ने की खेती हुई है। हर दिन सैकड़ों गन्ने चर क्षेत्रों से बागबर, शिमलीटोला, नगरबेड़ा, ग्वालपाड़ा, गुवाहाटी आदि जैसे विभिन्न स्थानों के साथ-साथ राज्य के बाहर के

बाजारों में निर्यात किए जाते हैं। हालांकि, राज्य में सबसे अधिक मात्रा में गन्ने का उत्पादन करने वाले राज्य के उल्लिखित चर क्षेत्रों के किसानों को आज नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। क्योंकि केवल 4/5 रुपए प्रति गन्ना बेचना पड़ता है। सड़क की दुर्दशा, और किराया वृद्धि के साथ-साथ कोई उचित बाजार मूल्य नहीं है। नतीजतन, उत्पादित गन्ने को व्यापारियों को पानी की दर पर बेचना पड़ता है। जिससे गन्ना किसानों को इस बार नुकसान उठाना पड़ रहा है। क्षेत्र में गरीब गन्ना किसान कर्ज लेकर, उधार लेकर और सिर का पसीना जमीन पर उतारकर किसानों को अलग-अलग जगहों पर उपलब्ध कराने के लिए गन्ना उत्पादन करने के बाद भी उचित मूल्य से वंचित रह गए हैं। किसानों ने सरकार से मांग की है कि चर क्षेत्रों में उत्पादित गन्ने के उचित मूल्य की व्यवस्था की जाए।

मारवाड़ी दुर्गा पूजा समिति, तेजपुर के रजत जयंती समारोह की तैयारियां जोरों पर

तेजपुर। मारवाड़ी दुर्गा पूजा समिति तेजपुर इस वर्ष पांच दिवसीय दुर्गोत्सव अपने रजत जयंती समारोह अति उत्साह एवं उमंग के साथ मनाने जा रही है जिसे लेकर शनिवार को समाज की विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओ के पदाधिकारियों के साथ एक सभा आयोजित की गई। उक्त सभा में मारवाड़ी दुर्गा पूजा समिति तेजपुर के कार्यकारी अध्यक्ष राजेश जालान ने सभी का स्वागत करते हुए बताया की प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष समिति पांच दिवसीय दुर्गोत्सव को समिति अपने रजत जयंती वर्ष के तौर पर मां भगवती की अराधना के साथ विशाल एवं भव्य

रूप में आयोजित करने जा रही है। जिसकी सफलता के लिए मारवाड़ी समाज के हर वर्ग से तन मन धन के साथ आगे बढ़ कर इस वर्ष रजत जयंती दुर्गोत्सव समारोह के पांच दिवसीय विभिन्न कार्यक्रमों में सहयोग की कामना करते हुए दुर्गोत्सव को सफल बनाने की बात कही। बैठ में उपस्थित समाज के विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने मारवाड़ी दुर्गा पूजा समिति के रजत जयंती समारोह एवं दुर्गोत्सव के भव्य एवं व्यवस्थित आयोजन के संबंध में अपने बिचार व्यक्त किए खास कर समाज की महिलाओं ने आगे बढ़ कर पांच दिवसीय दुर्गोत्सव के सफल आयोजन में अपनी सहभागिता की बात कही वही समाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं ने विशाल आयोजन में आने वाले भक्तों दर्शनार्थियों की सेवार्थ आपातकालीन चिकित्सा, पीने के पानी, के अलावा अन्य आवश्यक सेवाएं प्रदान करने की जानकारी दी समिति के सचिव प्रशांत बेंगानी ने बताया की मुख्य आयोजन समिति और विभिन्न उपस्थितियों के पदाधिकारी, कार्यकर्ता दिन रात समर्पित भाव से मारवाड़ी दुर्गा पूजा समिति के रजत जयंती दुर्गोत्सव समारोह को सफल एवं यादगार बनाने में जुटे है उन्होंने बताया कि तेजपुर के संपूर्ण मारवाड़ी समाज में समिति के रजत जयंती दुर्गोत्सव समारोह को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है।

सड़क के बीचों बीच महिला का शव बरामद

डिब्रूगढ़ (हिंस)। असम के डिब्रूगढ़ जिले के बकपारा में रविवार की सुबह एक महिला सड़क पर मृत पाई गई। वहीं दूसरी ओर, बाईपास रोड पर एक व्यक्ति घायल अवस्था में पड़ा मिला। पुलिस को संदेह है कि व्यक्ति एक घातक सड़क दुर्घटना का शिकार हुआ होगा। घायल व्यक्ति को गंभीर हालत में इलाज के लिए असम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एएमसीएच) भेजा गया है। महिला और पुरुष की पहचान अभी नहीं हो पाई है। कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है।

शिक्षक अब्दुस समाद का निधन

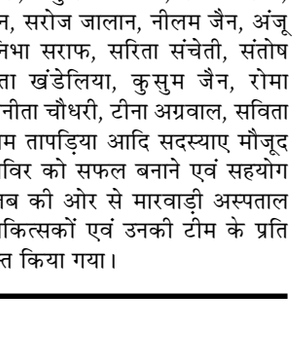

नगरबेड़ा (विभास)। बरपेटा जिले के चेंगा निर्वाचन क्षेत्र के कराईखैती में एक शिक्षक की मौत से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। कराईखैती गांव के निवासी और कमरपारा प्राथमिक विद्यालय संख्या 1586 में शिक्षक अब्दुस समाद (54) पिछले कुछ समय से कई गंभीर बीमारियों से पीड़ित थे। दो दिन पहले उन्हें इलाज के लिए पहले गुवाहाटी के नेमकेयर अस्पताल और फिर जीएमसीएच में भर्ती कराया गया था, लेकिन इलाज के दौरान आज सुबह करीब 7.55 बजे उनकी मौत हो गई। उनकी मृत्यु के समय उनके परिवार में पत्नी, एक बेटी और तीन बेटे हैं। आपूर्ति शिक्षक आब्दुस छामाद की मौत से क्षेत्र के लोगों के साथ-साथ जिस स्कूल में वह काम करता था, वहां के शिक्षक और छात्र दुखी हैं, उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना कर रहे हैं।

जेसीआई, नगांव रायल्स ने की स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

नगांव (विभास)। जेसीआई नगांव रॉयल्स के तत्वावधान में शनिवार को स्वास्थ जांच शिविर का आयोजन किया गया। उक्त स्वास्थ्य जांच शिविर में डेंटल चेकअप, आई चेकअप व डायबिटीज डिटेक्शन किया गया। साथ हीं मरिजों को नि:शुल्क दवाइयां वितरित की गई। जेसी डॉ. प्रांजल के गौतम द्वारा नेत्र जांच की गई। जबकि जेसी डॉ. पीयूष बंका द्वारा मधुमेह जांच और साधारण स्वास्थ्य की जांच की गई। यह दोनो जांच शिविर माजरहाटी स्थित गोपाल गौशाल में आयोजित किए गए। जेसी डॉ. रीता अग्रवाल द्वारा रत्नकांत बरकाकोती हाई स्कूल में विद्यार्थीयो के दातो की जांच की गई। इस जांच में आंठवी से दसवीं तक के विद्यार्थी

शामिल थे। साथ ही स्कूल के शिक्षको का भी डेंटल चेकअप किया गया। माउथवास आदि नि:शुल्क वितरित किया गया। उक्त कार्यक्रम में जेसीआई नगांव रॉयल्स की अध्यक्ष निशा अग्रवाल, सदस्य रीमा अग्रवाल, मनीष सेठीया , डॉ भास्वती शर्मा, सुनीत अग्रवाल और शिल्पा दस्सानी का सहयोग सराहनीय रहा। उल्लेखनीय है कि जेसीआई नगांव रॉयल्स की ओर से जैथरा नामक कार्यक्रम के अंतर्गत सप्ताह भर अलग अलग सामाजिक कार्य किए जाएंगे। उक्त आयोजन का शनिवार को पहला दिन था।

बर्मीज सुपारी जब्त, तस्कर फरार

हैलाकांदी (हिंस)। हैलाकांदी पुलिस की नाका चेकिंग के दौरान हर दिन पुलिस को सफलता मिल रही है। पुलिस ने आज बताया कि इसी क्रम में एक वाहन की जांच की गई। मिजोरम से हैलाकांदी की ओर आ रही बोलेरो वाहन (एमजेड-01एफ-7973) को बिलाईपुर पुलिस थाने के ओसी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने रुकने का इशारा किया। वाहन चालक ने जल्दबाजी और लापरवाही से गाड़ी चलाकर भागने की कोशिश की। पुलिस टीम ने पीछा किया और वाहन को रोक लिया। हालांकि, आरोपी व्यक्ति वाहन छोड़कर भागने में सफल रहा। दोषियों को पकड़ने के प्रयास जारी हैं। वाहन की तलाशी लेने पर 500 किलोग्राम बर्मीज सुपारी से भरे 9 बोरे बरामद किए गए। जिसे वाहन के साथ जब्त कर लिया गया।

मारवाड़ी हॉस्पिटल में लायंस उमंग का रक्तदान शिविर

51 यूनिट रक्तदान कर महिलाओं ने दिखाई जागरूकता

गुवाहाटी (विभास)। समाजसेवा एवं मानव सेवा के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाने वाली संस्था लायंस क्लब का गुवाहाटी उमंग की ओर से मारवाड़ी हॉस्पिटल में स्वाक्षिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 51 यूनिट रक्त संग्रह कर महिलाओं ने रक्तदान के प्रति अपनी जागरूकता एवं समाज के प्रति अपने कर्तव्य का शानदार परिचय दिया। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी प्रियंका गर्ग ने बताया कि अध्यक्ष कंचन पोद्दार के नेतृत्व में आयोजित शिविर में क्लब की सदस्याओं व उनके परिजनों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस मौके पर लायंस क्लब के पूर्व जिलापाल डीपी बजाज, वीडीजी (प्रथम) सीमा गोयनका, जीएसटी समन्वयक दिलीप सराफ मौजूद थे। अध्यक्ष श्रीमती कंचन पोद्दार ने बताया कि कार्यक्रम संयोजिका संगीत बड़जातियां की देखरेख में आयोजित इस शिविर को सफल बनाने में सचिव संगीता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष स्वाति चौधरी, सुनीता मित्तल, मधुलिका बांका, रेखा जालान, सरोज खेतान, सरोज जालान, नीलम जैन, अंजू अग्रवाल, निभा सराफ, सरिता संचेती, संतोष मिंडा, ममता खंडेलिया, कुसुम जैन, रोमा भजनका, अनीता चौधरी, टीना अग्रवाल, सविता गोयल, निगम तापड़िया आदि सदस्याए मौजूद थी। इस शिविर को सफल बनाने एवं सहयोग देने हेतु क्लब की ओर से मारवाड़ी अस्पताल के सभी चिकित्सकों एवं उनकी टीम के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

जी-20: सुरक्षा परिषद में वर्तमान वास्तविकता के अनुरूप बदलाव जरूरी : प्रधानमंत्री

अजय त्यागी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को जी-20 शिखर सम्मेलन के अंतिम और तीसरे सत्र में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सहित वैश्विक संस्थाओं में वर्तमान वास्तविकता के अनुरूप बदलाव का आह्वान किया। उन्होंने क्रिप्टो करेंसी और कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) से जुड़ी चुनौतियों के प्रति भी आगाह किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक भविष्य' विषय पर कहा कि हर वैश्विक संस्था को अपनी प्रासंगिकता बढ़ाने के लिए रिफॉर्म करना जरूरी है। इसी सोच के साथ हमने कल ही अफ्रीकन यूनियन को जी-20 का स्थायी सदस्य बनाने की ऐतिहासिक पहल की है। इसी तरह हमें बहुपक्षीय विकास बैंकों के मैंडेट का विस्तार भी करना होगा। इस दिशा में हमारे फैसले त्वरित और प्रभावी होने चाहिए। प्रधानमंत्री ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बदलाव की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आज की दुनिया हर लिहाज से बदल चुकी है। ऐसे में वास्तविकता नई वैश्विक व्यवस्था में झलकनी चाहिए। प्रकृति का नियम है कि बदलाव न करने पर व्यक्ति और संस्था अपनी प्रासंगिकता खो देती हैं। हमें इस बात पर विचार करना होगा कि बीते वर्षों में कई क्षेत्रीय फोरम अस्तित्व में आए हैं और प्रभावी सिद्ध हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने देशों के बीच हितों के जुड़ाव से आगे हृदयों के जुड़ाव पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इससे हम ग्लोबल विलेज को ग्लोबल फैमिली बनते देखेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान जिम्मेदार मानव केन्द्रित एआई व्यवस्था के लिए फ्रेमवर्क तैयार करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि न्यू जेनेरेशन टेक्नोलॉजी में अकल्पनीय स्केल और स्पीड के गवाह बन रहे हैं। ऐसे में हमें 2019 मे बने जी-20 के एआई से जुड़े मानकों से एक कदम आगे बढ़ना होगा। भारत चाहता है कि सामाजिक आर्थिक विकास, ग्लोबल कार्यबल और शोध एवं विकास जैसे क्षेत्रों में सभी देशों को एआई का लाभ मिले। प्रधानमंत्री ने कहा कि देशों की सुरक्षा और संवेदनशील मुद्दों का ध्यान रखने पर ही एक भविष्य का भाव सशक्त होगा। ऐसे में साइबर जगत से आतंकवाद को फंडिंग जैसे मुद्दों पर जल्द से जल्द ठोस कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। इसी संदर्भ में उन्होंने कहा कि साइबर सिक्योरिटी और क्रिप्टो करेंसी की चुनौतियों से हम परिचित हैं। उन्होंने कहा कि क्रिप्टो करेंसी का क्षेत्र, सामाजिक व्यवस्था, मौद्रिक और वित्तीय स्थिरता, सबके लिए एक नया विषय बनकर उभरा है। इसलिए हमें क्रिप्टो करेंसी को रेगुलेट करने के लिए ग्लोबल स्टैंडर्ड्स डेवलपमेंट करने होंगे। बैंक विनियमन पर हमारे सामने बेसल मानक एक मॉडल के रूप में है। इस दौरान प्रधानमंत्री ने जीडीपी सेंट्रिक अप्रोच के बजाय मानव केन्द्रित विजन पर ध्यान आकर्षित कराया।

इंडिया का नाम बदलकर भारत रखा जाएगा, जिन्हें यह पसंद नहीं उन्हें देश छोड़ने की आजादी : दिलीप घोष

कोलकाता, (हि.स.)। खड़गपुर शहर में "चाय पर चर्चा" कार्यक्रम में बोलते हुए भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलीप घोष ने रविवार को कहा कि इंडिया का नाम बदलकर भारत कर दिया जाएगा और जिन्हें यह पसंद नहीं है वे देश छोड़ने के लिए स्वतंत्र हैं। मेदिनीपुर के भाजपा सांसद ने कहा कि जब हमारी पार्टी पश्चिम बंगाल में सत्ता में आएगी, तो हम कोलकाता से विदेशियों की सभी मूर्तियां हटा देंगे। "इंडिया का नाम बदलकर भारत रखा जाएगा।" उन्होंने कहा कि जो इसे पसंद नहीं कर रहे हैं वे देश छोड़ने के लिए स्वतंत्र हैं। राज्य के एक अन्य वरिष्ठ भाजपा नेता राहुल सिन्हा ने कहा कि एक देश के दो नाम नहीं हो सकते और यह नाम बदलने का सही समय है क्योंकि विश्व नेता जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए नई दिल्ली में मौजूद हैं। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता शांतनु सेन ने आरोप लगाया कि भाजपा वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है क्योंकि वह विपक्षी आईएनडीआईए गठबंधन से डरती है।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से हिमाचल को विशेष आर्थिक पैकेज देने की मांग की

अजय कुमार

शिमला, (हि.स.)। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से हिमाचल प्रदेश में बारिश से हुई त्रासदी को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग की है। उन्होंने प्रदेश को पटरी पर लाने के लिए राज्य को विशेष आर्थिक पैकेज देने का भी आग्रह किया है। मुख्यमंत्री सुक्खू ने शनिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की ओर से जी-20 शिखर सम्मेलन के अतिथियों के सम्मान में नई दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में आयोजित रात्रि भोज में भाग लिया था। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भी मुलाकात की और उनसे प्रदेश हित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा भी की। सुक्खू ने प्रधानमंत्री को प्रदेश में भारी बारिश के कारण आई आपदा से हुए नुकसान के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी और उनसे प्रदेश में हुई त्रासदी को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि गत दो महीनों में भारी बारिश, भू-स्खलन और बाढ़ के कारण प्रदेश में चार सौ से अधिक लोगों ने अपनी जान गंवाई है और 13 हजार से अधिक घरों को नुकसान पहुंचा है, जिस कारण हजारों परिवार बेघर हो गए हैं।

उन्होंने बताया कि इस प्राकृतिक आपदा के कारण प्रदेश को 12 हजार करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से कहा कि इस आपदा से उबरने के लिए प्रदेश को केंद्र की ओर से आर्थिक पैकेज की आवश्यकता है। आपदा के कारण प्रदेश में हुए अभूतपूर्व नुकसान के दृष्टिगत मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि भुज और केदारनाथ में आई आपदा की तर्ज पर हिमाचल को भी विशेष राहत पैकेज दिया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के उठाए गए प्रदेश हित के मुद्दों को ध्यान से सुना और प्रदेश की मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया।

गुजरात की ई-सरकार: स्मार्ट गवर्नेंस की दिशा में बढ़ते कदम

गांधीनगर, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह दृढ़ विश्वास है कि सुशासन किसी भी राष्ट्र की प्रगति की कुंजी है। सिटीजन फर्स्ट हमारा मंत्र, सूत्र और मार्गदर्शक सिद्धांत है। प्रधानमंत्री के सिद्धांत के अनुरूप गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने भी राज्य के प्रशासन में क्रांति लाने के लिए ई-सरकार की व्यवस्था शुरू की है। यह व्यवस्था प्रशासन के सभी दैनिक कामकाज को स्वचालित करने के लिए शुरू की गई है, ताकि शुरूआत से लेकर अंत तक पेपरलेस प्रणाली सुनिश्चित की जा सके। इसके लिए मुख्यमंत्री सहित सचिवालय और एचओडी यानी विभाग प्रमुख के 60 हजार से अधिक यूजर्स के लिए 50 से अधिक ऑनलाइन और 300 से अधिक ऑफलाइन सत्र आयोजित हुए हैं।

ई-सरकार के उद्देश्य - ई-सरकार का प्राथमिक उद्देश्य कार्य प्रवाह को अनुकूल बनाकर राज्य सरकार के विभागों की कार्यकुशलता में वृद्धि करना है। यह कार्यालय में आने वाली फाइलों, मेल यानी डाक तथा नागरिकों की शिकायतों की ट्रैकिंग और निगरानी के लिए एक मैकेनिज्म के रूप में भी कार्य करता है। ई-सरकार की मदद से रिसोर्स मैनेजमेंट सक्षम बनता है, जिससे प्रशासन में और अधिक गुणवत्ता और पारदर्शिता बनी रहती है। यह सरकार की प्रतिक्रियाओं की कार्यक्षमता, एकरूपता और प्रभावशीलता में वृद्धि करता है। यह सिटीजन चार्टर में बताई गई प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के टर्नअराउंड टाइम (किसी प्रक्रिया या अनुरोध को पूरा करने में लगने वाला समय) को कम करने में भी सहायक होता है। अब तक 6700 से अधिक कार्यालयों में ई-सरकार कार्यरत है, जिसमें 1 लाख से अधिक सक्रिय यूजर्स हैं।

ई-सरकार की मुख्य विशेषताएं और लाभ - ई-सरकार की कुछ मुख्य विशेषताओं में वॉयस-टू-टैक्स्ट कार्यक्षमता, विंडोज, एंड्रॉयड और आईओएस सहित समग्र प्लेटफॉर्म पर क्यूआर-कोड के माध्यम से ट्रैकिंग और सत्यापन, उपयोगकताओं को मदद करने के लिए चैट बॉट सहायता तथा फाइलों और डाक की आसान ट्रैकिंग शामिल हैं। ई-सरकार की मदद से सभी फाइलों के स्टेटस का रीयल-टाइम ट्रैकिंग हो सकता है और हर कोई उस जानकारी को प्राप्त कर सकता है। इससे देखरेख आसान बनती है और उस पर लिए गए निर्णय की आसानी से निगरानी होने से जवाबदेही सुनिश्चित की जा सकती है। ये सभी बातें सरकार की कार्यकुशलता में वृद्धि करती हैं।

ई-सरकार का मॉड्यूल - ई-गवर्नेंस पहल के रूप में, ई-सरकार सरकारी प्रक्रिया री-इंजीनियरिंग (जीपीआर) में निर्णायक भूमिका अदा करती है, जिससे नागरिकों को मिलने वाली सेवाएं और भी बेहतर बनती हैं। ई-सरकार के तीन विशेष मॉड्यूल हैं जिसमें ई-मेल, ई-फाइल, ऑफिस नोट, एमपी-एमएलए (सांसद-विधायक) संदर्भ, जीओआई (भारत सरकार) संदर्भ, ई-बैठक और समिति प्रबंधन का समावेश होता है। विभागीय मॉड्यूल में एलएक्यू मैनेजमेंट, अवॉर्ड मैनेजमेंट, लीगल केस मैनेजमेंट, ऑडिट पैरा, रिकॉर्ड मैनेजमेंट, नॉलेज रिपॉजिटरी, एसेट मैनेजमेंट और सर्कुलर मैनेजमेंट शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि अब तक 29.75 लाख ई-मेल प्रोसेस किए जा चुके हैं और 8.39 लाख ई-फाइलों का संचालन किया गया है। इसके अलावा 3,30,876 ई-साइन पूरे हो चुके हैं।

उद्योगों पर इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी बढ़ाना सुक्खू सरकार का गलत कदम : भाजपा

शिमला, (हि.स.)। विपक्षी दल भाजपा ने प्रदेश में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सुक्खू सरकार पर उद्योगों पर इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी बढ़ाये जाने को अनुचित कदम करार दिया है। पार्टी का कहना है कि इससे प्रदेश में औद्योगिक विकास ठप हो जाएगा। प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष वीरेंद्र कंवर ने रविवार को शिमला में कहा कि पहले ही आपदा झेल रहे प्रदेश को आर्थिक तौर से मजबूत होने के लिए उद्योगों की आवश्यकता है किंतु सरकार के इस फैसले से उद्यमी सकते में हैं। वीरेंद्र कंवर ने सरकार पर झूठे आश्वासन देने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस ने सत्ता हथियाने के लिए सरकारी क्षेत्र में पांच लाख नौकरियां देने की गारंटी दी थी जबकि इस प्रकार उद्योगों पर अतिरिक्त कर लगा देने से उद्योग पलायन करेंगे व जो युवा इन उद्योगों में कार्यरत हैं वे भी बेरोजगार हो जाएंगे।

वीरेंद्र कंवर ने कहा कि भाजपा के कार्यकाल में हमेशा ही उद्योगों को बढ़ाने के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाई गईं जिससे हमारे युवाओं को रोजगार भी मिला है।

छत्रपति शिवाजी से जुड़ी एक दुर्लभ कलाकृति ब्रिटेन से वापस आएगी

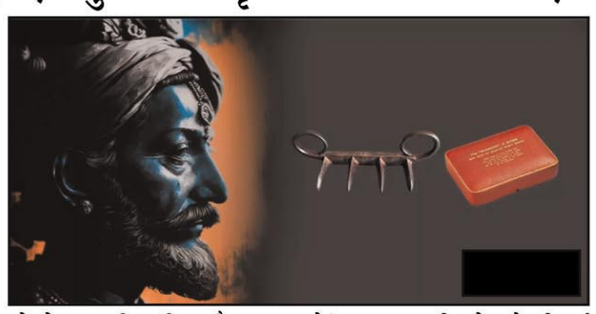

नई दिल्ली (ईएमएस)। अंग्रेजी शासनकाल के दौरान कई बेहतरीन और ऐतिहासिक धरोहर ब्रिटेन पहुंची थी, जिन्हें वापस लाने की बात चल रही है। इसमें भारत को एक बड़ी कामयाबी मिली है। दरअसल, केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय ने कहा है कि मराठा राजा छत्रपति शिवाजी से जुड़ी एक दुर्लभ कलाकृति को यूनाइटेड किंगडम से वापस लाया जाएगा। सोशल मीडिया एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में मंत्रालय ने कहा कि हमारी कीमती कलाकृतियों की वापसी भारत के कूटनीतिक प्रयासों की एक बड़ी जीत है। मंत्रालय ने अपने पोस्ट में कहा, हमारी गौरवशाली विरासत लौट आई। इतिहास को बनते हुए देखने के लिए तैयार हो जाइए, क्योंकि छत्रपति शिवाजी महाराज का प्रसिद्ध वाघ नख अपनी विजयी वापसी के लिए पूरी तरह तैयार है। मंत्रालय ने भारत ने अपने इतिहास को दोबारा हासिल किया टैगलाइन वाला एक पोस्टर भी शेयर किया। पोस्टर में बताया गया है कि वाघ नख का इस्तेमाल अफजल खान को हराने के लिए किया गया था। जानकारी के मुताबिक 1 अक्टूबर को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग और अन्य अधिकारी लंदन जाएंगे और वाघ नख को भारत वापस लाने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर करेंगे। फिलहाल, इसे ब्रिटेन के विक्टोरिया एंड अल्बर्ट म्यूजियम में रखा गया है। केंद्र सरकार की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, पिछले 9 सालों में विभिन्न देशों से लगभग 240 प्राचीन कलाकृतियां वापस भारत लाई गई हैं। इसके साथ ही, 72 ऐसी कलाकृतियां है, जिन्हें उनके देश को वापस सौंपा जाएगा। वापस लाई गई सैकड़ों कलाकृतियों में नटराज की करीब 1100 साल पुरानी मूर्ति और नालंदा के म्यूजियम से करीब छह दशक पहले गायब हुई बुद्ध की 12वीं सदी की कांस्य प्रतिमा शामिल हैं।

पेट्रोल में इथेनॉल को बढ़ावा देने मोदी ने ग्लोबल बायोफ्यूल्स अलायंस किया लॉन्च

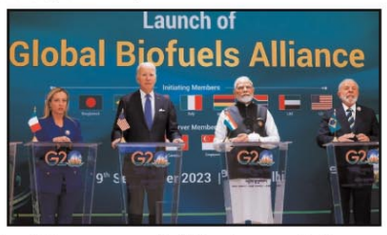

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत ने वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन अर्थात ग्लोबल बायोफ्यूल्स अलायंस की लांचिंग की। साथ ही वैश्विक स्तर पर पेट्रोल के साथ इथेनॉल के सम्मिश्रण को बढ़ा कर 20 प्रतिशत तक करने की अपील के साथ जी-20 देशों से इस पहल में शामिल होने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक पृथ्वी सत्र को संबोधित करते हुए पर्यावरण और जलवायु अवलोकन के लिए जी20 उपग्रह मिशन शुरू करने का प्रस्ताव भी किया। उन्होंने जी20 नेताओं से ग्रीन क्रेडिट पहल पर भी काम शुरू करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आज समय की मांग है कि ईंधन सम्मिश्रण के क्षेत्र में सभी देश मिलकर काम करें। हमारा प्रस्ताव पेट्रोल में इथेनॉल सम्मिश्रण को 20 प्रतिशत तक ले जाने के लिए वैश्विक स्तर पर पहल करने का है। इस सत्र में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, सऊदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक समेत विश्व के कई नेताओं ने भाग लिया। मोदी ने कहा कि वैकल्पिक रूप से, हम व्यापक वैश्विक कल्याण के लिए एक और सम्मिश्रण पहल पर काम कर सकते हैं, जो स्थिर ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ-साथ जलवायु सुरक्षा में भी सहायक होगी। पीएम मोदी ने शनिवार को घोषणा की कि सदस्य देशों के बीच सहमति के साथ जी20 ने नई दिल्ली लीडर्स समिट डिक्लेरेशन को अपनाया है। यूक्रेन संघर्ष पर बढ़ते तनाव और अलग-अलग विचारों के बीच भारत की जी20 अध्यक्षता में यह एक महत्वपूर्ण कामयाबी है। घोषणापत्र पर सर्वसम्मति और उसके बाद इसे अपनाने की घोषणा तब आई जब भारत द्वारा यूक्रेन संघर्ष का वर्णन करने के लिए जी20 देशों को एक नया पाठ बांट दिया गया था।

राजस्थान को फिर वैभव की तरफ ले जाएगी भाजपा : केंद्रीय मंत्री शेखावत

बीकानेर, (हि.स.)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने जहां एक ओर राजस्थान की गहलोत सरकार को हर मोर्चे पर विफल बताते हुए घेरा, वहीं केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार की योजनाओं को जनहितकारी बताया। शेखावत ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी कानून का राज स्थापित कर राजस्थान को एक बार फिर वैभव की तरफ ले जाने का काम करेगी। हम राजस्थान को फिर सौभाग्य के द्वार तक लेकर जाएंगे। केंद्रीय मंत्री जल शक्ति मंत्री शेखावत और केंद्रीय कानून राज्यमंत्री अर्जुनराम मेघवाल रविवार को लूणकरणसर में पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। शेखावत ने राजस्थान में कानून-व्यवस्था, पेपर लीक, युवाओं, किसानों व बिजली के मुद्दे के साथ रेप की घटनाओं को लेकर गहलोत सरकार पर जमकर हमला बोला। शेखावत ने कहा कि राजस्थान की आबादी 7.97 करोड़ है, यानी देश की 5.61 प्रतिशत आबादी यहां निवास करती है, लेकिन देश में कुल दर्ज होने वाली रेप की घटनाओं के 22 प्रतिशत केस राजस्थान में रजिस्टर हो रहे हैं। शेखावत ने कहा कि बीकानेर जिले में तो माइनिंग माफिया का तूफान चारों तरफ दिखाई देता है। देशभर में चचाएं हैं। बॉर्डर, वन विभाग, नहर विभाग तक सभी जमीनों पर अवैध रूप खनन का काम हो रहा है। बजरी माफिया, जिप्सम माफिया, शराब माफिया, भूमि माफिया, वन भूमि माफिया, मंदिर भूमि को हड़पने का माफिया, डीजल माफिया और कितनी तरह के माफिया राजस्थान में दिखाई देते हैं। इनके चलते जिस तरह से आपराधिक घटनाएं राजस्थान में बढ़ने लगी हैं। यह निश्चित रूप से राजस्थान की जनता के लिए चिंताजनक है। शेखावत ने कहा कि वर्ष 2013-18 के कालखंड में देश की सरकार द्वारा चलाई गई हर योजना को धरातल पर उतरने के परिपेक्ष में राजस्थान देश में पहले, दूसरे या तीसरे पायदान पर था, वह आज पिछड़ते-पिछड़ते इस हालत में आ गया है कि हर एक योजना के इंप्लीमेंटेशन में हम नीचे से पहले, दूसरे और तीसरे पायदान पर आ गए हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राजस्थान की जितनी क्षमताएं हैं और जैसा पोटेंशियल है, उसके अनुरूप राजस्थान का विकास हो सके और इस बदलते हुए परिदृश्य में जब भारत दुनिया की अर्थव्यवस्था का सबसे चमकते हुए सितारे के रूप में पहचान बना रहा है, हमारा राजस्थान भी कदमताल करते हुए उसके अनुरूप साथ चले और देश का ग्रोथ इंजन बन सके। भारतीय जनता पार्टी कानून का राज्य स्थापित कर राजस्थान को एक बार फिर वैभव की तरफ ले जाना का काम करेगी। अबकी बार कमल खिलेगा, प्रचंड बहुमत के साथ में खिलेगा और हम राजस्थान को एक बार फिर सौभाग्य के द्वार तक लेकर जाएंगे।

संसद के विशेष अधिवेशन में मराठा समाज को मिले न्याय: उद्धव ठाकरे

मुंबई, (हि.स.)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पार्टी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने रविवार को कहा कि संसद के विशेष अधिवेशन में केन्द्र सरकार को अध्यादेश पारित कर मराठा समाज सहित अन्य समाज के लोगों को न्याय देना चाहिए। उद्धव ठाकरे रविवार को जलगांव में सरदार वल्लभ भाई पटेल और छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमाओं का अनावरण करने के बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे। उद्धव ठाकरे ने कहा कि मराठा समाज के लोग शांतिपूर्वक जालना में आंदोलन कर रहे थे, लेकिन सरकार के इशारे पर पुलिस ने आंदोलनकारियों पर लाठी चार्ज किया। इतना ही नहीं कश्मीर में जिस तरह आतंकवादियों पर छर्रे वाली गोली चलाई जाती है, सरकार के इशारे पर वही गोली आंदोलनकारियों पर चलाई गई। ठाकरे ने कहा कि जिस तरह से जनरल डायर ने जलियां वाला बाग में नरसंहार किया था, उसी तरह सरकार ने जालना कांड किया है। ठाकरे ने कहा कि मुख्यमंत्री को सब जगह जाने की फुर्सत है, लेकिन वे अब तक जालना में जाकर मराठा समाज के शांतिपूर्वक आंदोलनकारियों से नहीं मिले। मराठा समाज के लोग आरक्षण के लिए आंदोलन कर रहे हैं। केंद्र सरकार को संसद में आरक्षण की सीमा बढ़ाकर मराठा सहित अन्य कई जाति और समाज के लोगों को न्याय देना चाहिए।

अमरिंदर सिंह की घर वापसी की अटकलें तेज, छोड़ सकते हैं बीजेपी

चंडीगढ़ (ईएमएस)। कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह बीजेपी छोड़कर वापस कांग्रेस में जा सकते हैं। हालांकि फिलहाल उनकी गिनती अब भारतीय जनता पार्टी के बड़े नेताओं में होती है। इन दिनों उनकी घर वापसी की अटकलें तेज होने लगी हैं। बताया जा रहा है कि उन्होंने हाल ही में सोनिया गांधी से मुलाकात की भी की थी। हालांकि, कैप्टन अमरिंदर सिंह ने खुद इन तमाम अटकलों पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने यह भी कहा है कि वह कांग्रेस में वापसी करने वाले नहीं हैं। पंजाब के दो बार पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने शनिवार को उन अफवाहों को खारिज कर दिया जिसमें यह कहा जा रहा है कि उन्होंने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी से मुलाकात की है। गौरतलब है कि कैप्टन ने कांग्रेस छोड़कर अपनी पार्टी बनायी थी। जिसका बाद में भाजपा में विलय हो गया। उन्होंने कहा कि ये महज अफवाहें हैं। पूर्व सीएम ने कहा कि वह भाजपा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा के प्रति प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने हमेशा के लिए अपना मन बना लिया है और वह हमेशा भाजपा के प्रति प्रतिबद्ध रहेंगे। उन्होंने कहा, ऐसे स्तर पर आप पीछे मुड़कर नहीं देखते। उन्होंने कहा कि यह उनके जीवन का सिद्धांत है कि एक बार लिया गया निर्णय कभी वापस नहीं लिया जाता। पंजाब की राजनीति में अटकलें लगायी जा रही थी कि पंजाब कांग्रेस नेतृत्व अपने कुछ पूर्व नेताओं के साथ बातचीत कर रहा है। उन्हें 2024 के लोकसभा चुनावों से पार्टी में वापसी के लिए मनाया जा रहा है।

मोदी सरकार के सिर चढ़कर बोल रहा अहंकार : प्रियंका

- लोकतंत्र में जनता ही भगवान होती है, केन्द्र की सरकार में धनवानों की हो रही जयजयकार
- गहलोत बोले भाजपा लोकतंत्र का झूठा मुखौदा पहनकर में सत्ता आ गई

जयपुर (ईएमएस)। कांग्रेस की महासचिव और पार्टी द्वारा चुनावी प्रचार कैम्पेन की नेत्री प्रियंका गांधी ने आज राजस्थान के टोंक निवाई के स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल में आयोजित सरकार द्वारा मोबाइल वितरण कैम्प में उमडी विशाल जनसभा को सम्बोधित करते हुए अपनी ही कांग्रेस की गहलोत सरकार द्वारा चलाई गई निशुल्क चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, मुफ्त ईलाज योजना, इंदिरा गांधी रसोई में आठ रुपए में खाना, अन्नपूर्णा फूड पैकेट वितरण योजना, को सफल बताते हुए केन्द्र की मोदी सरकार पर सीधा निशाना साधा उन्होने कहा कि मोदी सरकार के आठ-नौ साल के शासन में देश और प्रदेशो में विपक्षी दलों की सरकारों को विभिन्न तरीको से गिराकर केन्द्र सरकार केवल सत्ता में बने रहने की वजह से अहंकारी हो गई है अहंकार इतना है कि उन्हें देश में महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार दिखाई नहीं देता नतीजा यह है कि बल्कि इसके उलट अहंकार के वशीभूत अपने ही सत्ता में आने से पहले दिए जाने वाले रोजगार देगे, महंगाई कम करेंगे भ्रष्टाचार को खत्म करेंगे देश की एकता, अखण्डता को अक्षुण रखेंगे समाज के सभी तबको को अधिकार देंगे इसके लिए उन्होने सबका साथ सबका विकास का नारा दिया जो आज झूठा साबित हो रहा है। प्रियंका गांधी ने कहा कि भाजपा नेताओं के सत्ता का घमंड आ गया है महंगाई की मार झेल रही जनता केन्द की सरकार को जनता की फ्रि नहीं अशोक गहलोत सरकार ने सही मायने में जनता को गणेश मानते हुए और महंगाई से राहत देने के लिए पेट्रोल, गैस, सिलेंडर में 500 रुपए की छूट महंगाई राहत कैम्प लगाकर दी है तो इसमें भी केन्द्र सरकार की नियत में खोट नजर आ रहा है उन्होने कहा कि लोकतंत्र में जनता ही सरकार की असली मालिक है जबकि मोदी सरकार देश के चुनिंदा उद्योगपतियों के लिए सरकार और संविधान में निहित जनता के सभी हको पर सत्ता के घमंड में चकनाचूर हको पर डाका डाल रहे है पुरानी पेंशन योजना का जिक्र करते हुए कहा कि कर्मचारियों का हक मारने की कोशिश में अग्निवीर योजना लेकर आये जबकि हिमाचल, राजस्थान, कर्नाटक में जहां कांग्रेस की सरकार बनी वहां जनहित की घोषणा पत्र के द्वारा जारी की गई उन सभी योजनाओं किसान का कर्ज माफ, ग्रहिणयों को मुफ्त चावल योजना लागू की गई वहीं राजस्थान में भी अशोक गहलोत अपनी सरकार का हर फैसला जनहितार्थ ले रहा है। प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तीखी आलोचना करते हुए जनहितों को केन्द्र बिन्दु बनाया और कहा कि आज प्रधानमंत्री को केवल और केवल सत्ता में बने रहने के लिए संविधान की उपेक्षा और लोकंत्र का अपमान करने का मौका नहीं चूक रहे है लोकतंत्र में संघीय व्यवस्था सर्वोपरि है पर मोदीजी की शासन शैली से इस व्यवस्था हो रहा है। प्रियंका ने कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी की मोदी सरकार की विचारधारा को दो धुव्री बताते हुए कहा कि आज हिमाचल में प्राकृतिक आपदा में केन्द्र सरकार जितनी मदद की जरूर है उतनी नहीं दे रही है। भाजपा लोकतंत्र का झूठा मुखौदा पहनकर में सत्ता आ गई :- मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र की मोदी सरकार पर जमकर बोला कहा कि 9 साल पहले सत्ता में आने की गरज से लोकतंत्र की लाखों दुहाई दी और जनता को लाखों बार झूठ बोलकर सत्ता में आ गए और आज 9 साल बाद भी झूठ बोलने की आदत नहीं छोडी है। गहलोत ने कहा कि भय, भुख, भ्रष्टाचार सबका साथ सबका विकास का नाम लेकर केन्द्र पर राज करने वाली मोदी सरकार ने इसके ठीक उलट काम करना शुरू कर दिया है जिसके तहत विपक्ष को खत्म करने के लिए ईडी, इनकम टैक्स का सहारा ले रही है जबकि कांग्रेस की हमारी सरकार गुड गवर्नेंस देकर जनता को सरकार का मालिक होने का असली हकदार मानकर योजनाओं को अमलीजामा पहना रही है। मैने प्रदेश को चहुमुंखी विकास के लिए मिशन 2030 लक्ष्य लेकर राय मांगी थी जिसमें 50 लाख लोगों ने अब तक अपनी राय दे दी है मै जब तक चैन से नहीं बैठूंगा जब तक राज्य में मिशन 2030 के परिणाम दिखाई देने लगे।

एक सीट जीतकर गुब्बारे की तरह फूले अखिलेश की जनता निकालेगी हवा : डिप्टी सीएम

बहराइच, (हि. स.)। एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि एक सीट जीतने के बाद वह जिस तरह गुब्बारे की तरह फूले हुए हैं, अगले ही चुनाव में जनता उनकी हवा निकाल देगी। केशव प्रसाद मौर्य रविवार को बहराइच पहुंचे। वह पहले पार्टी कार्यालय पर गए। उसके बाद विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। उन्होंने कार्यकताओं में जोश भरते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी का कार्यकताओं हुं। मैं जिस जिले में जाता हूं, वहां पहले भाजपा कार्यालय पर जाता हूं। मैं उपमुख्यमंत्री बाद में हूं, पहले भाजपा का सिपाही हूं। इसलिए हमारे और कार्यकर्तओं में कोई अंतर नहीं है। यह मै उनको भरोसा दिलाने आता हूं। पत्रकारों से रूबरू केशव ने घोसी उपचुनाव में मिली हार को स्वीकारते हुए साफ तौर पर कहा कि घोसी का उपचुनाव हम अति आत्मविश्वास की वजह से हारे हैं। उसकी समीक्षा करेंगे। केशव मौर्य ने सपा पर पलटवार करते हुए यह भी कहा कि मऊ लोकसभा चुनाव हम जरूर जीतेंगे। तंज कसते हुए यह भी कहा कि अखिलेश यादव मुख्यमंत्री रहते हुए चुनाव हार गए। 2022 हार गए। अगला भी चुनाव बुरी तरह हारेंगे।

पं. गोविंद बल्लभ पंत की 136वीं जयंती पर मुख्यमंत्री योगी ने दी श्रद्धांजलि

– उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री रहे हैं भारत रत्न पं. गोविंद बल्लभ पंत

लखनऊ, (हि. स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री व देश के पूर्व गृहमंत्री भारत रत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत की 136वीं जयंती पर लोक भवन परिसर स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर उन्होंने कहा कि पंडित गोविंद बल्लभ एक महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। आजादी के बाद उत्तर प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री बने। प्रदेश की तरक्की और देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए उन्होंने सतत प्रयास किया था। योगी ने कहा कि पंडित गोविंद बल्लभ ने आजादी की लड़ाई में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया था। उनकी कर्मठता, उनकी राष्ट्र निष्ठा व संगठन क्षमता को ध्यान में रखकर उन्हें प्रदेश के मुख्यमंत्री पद का दायित्व दिया गया। वह स्वतंत्र भारत के उत्तर प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री बने। फिर उन्होंने गृहमंत्री के रूप में देश व प्रदेश की सेवा की। मुख्यमंत्री ने कह कि वर्तमान में उत्तराखंड जो कि तब उत्तर प्रदेश का ही भाग हुआ करता था, उसके कुमायूं मंडल में जन्मे पंडित गोविंद बल्लभ पंत को समाज और राष्ट्र के लिए किए गए उनके योगदान के लिए मैं प्रदेशवासियों की तरफ से स्मरण करते हुए विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। इस मौके पर पूर्व मंत्री महेन्द्र सिंह, विधायक नीरज बोरा, योगेश शुक्ल, अवनीश सिंह, मुकेश शर्मा, महापौर सुषमा खर्कवाल समेत अन्य लोग भी मौजूद रहे।

जाणता राजा कार्यक्रम के रथ को उपमुख्यमंत्री ने दिखायी हरी झंडी

लखनऊ, (हि.स.)। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को 1090 चौराहे पर जाणता राजा कार्यक्रम के रथ को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज को आदर्श बताते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने की बात कही। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि दिव्य प्रेम सेवा मिशन हरिद्वार एक बहुत बड़ा सेवा प्रकल्प है। इसके द्वारा हिन्दवी स्वराज के 350वें वर्ष पर छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित जाणता राजा महानाट्य कराने की तैयारी चल रही है। उन्होंने कहा कि विश्व का सबसे बड़ा ऐतिहासिक महानाट्य जाणता राजा के प्रचार रथ का शुभारम्भ करते हुए बेहद खुशी है। इस अवसर पर आए सभी महानुभावों को छत्रपति शिवाजी को अपना आदर्श मानकर उनके जीवन पर प्रदर्शित होने जा रहे महानाट्य को एक बार अवश्य ही देखना चाहिए।

उप्र के परिषदीय स्कूलों में सोमवार से आयोजित होगी निपुण आंकलन परीक्षा

लखनऊ, (हि.स.)। निपुण भारत मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए योगी सरकार सोमवार से निपुण आंकलन परीक्षा (एनएटी) का आयोजन करने जा रही है। 11 से 16 सितम्बर तक चलने वाली इस परीक्षा के माध्यम से कक्षा 1-5 तक के बच्चों का भाषा एवं गणित विषयों का तथा कक्षा 06 से 08 तक के बच्चों का गणित एवं विज्ञान विषयों का आंकलन किया जाएगा। खास बात यह है कि परीक्षा सरल एप के माध्यम से ली जाएगी और पहली बार बच्चे ओएमआर शीट पर सवालों के जवाब देंगे। निपुण एसेसमेंट टेस्ट (एनएटी) का पारदर्शी एवं शुचितापूर्ण आयोजन कराने के लिए सभी जनपदों के बीएसए व डायट प्राचार्यों को निर्देश जारी किए गए हैं। साथ ही शिक्षकों द्वारा सामुदायिक सहभागिता, होम विजिट के माध्यम से छात्रों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित कराने के लिए भी कहा गया है।

उपलब्ध कराया जाएगा रिपोर्ट कार्ड – एक ओएमआर शीट द्वारा एक छात्र का डाटा शिक्षक द्वारा आंकलन पूर्ण होने के बाद सरल एप के जरिए स्कैन किया जाएगा। ओएमआर शीट को केवल ब्लैक बॉल पेन से ही भरा जाएगा। इसके लिए कक्षा 04 से 08 के बच्चों को कम्पोजिट ग्राण्ट से अधिकतम 05 रुपये प्रति पेन क्रय करते हुए बच्चों को उपलब्ध कराया जाएगा। परीक्षा के बाद प्रश्नपत्रों के मूल्यांकन के बाद सभी बच्चों को उनके रिपोर्ट कार्ड उपलब्ध कराए जाएंगे।

फ्लाइंग स्क्वाड और कंट्रोल रूम करेंगे मॉनिटरिंग – नकलविहीन व पारदर्शी आकलन के लिए विकास खण्डवार फ्लाइंग स्क्वाड का गठन एवं क्रॉस इनविजिलेशन के लिए जनपद स्तरीय अधिकारियों (बेसिक शिक्षा एवं अन्य विभाग) को मॉनिटरिंग के लिए निर्देशित किया गया है। जिला परियोजना कार्यालयों में परीक्षा से सम्बंधित कन्ट्रोल रूम की स्थापना की गई है।

परीक्षा को लेकर जारी किए गए निर्देश – परीक्षा का समय अधिकतम 1 घंटा 30 मिनट का होगा। परीक्षा के बाद शिक्षकों द्वारा 01 घंटे के अंदर स्कैनिंग की प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी। बच्चों की संख्या के अनुसार यह समयावधि निर्धारित की जा सकती है।

- परीक्षा में कक्षा 1 से 3 तक एक ओएमआर शीट पर 08 बच्चों का आंकलन किया जा सकेगा। वहीं कक्षा 4 से 8 में प्रत्येक बच्चे के लिए एक-एक ओएमआर शीट प्रयोग में लाई जाएगी।

अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा से पहले मथुरा व काशी में बड़ी जनसभा करेगा विहिप

लखनऊ, (हि.स.)। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर बन रहे भव्य श्रीराम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) देशभर में जनसभाएं करेगा। उत्तर प्रदेश के मथुरा और काशी में विश्व हिन्दू परिषद बड़ी जनसभा कर विधर्मियों को हिन्दू शक्ति का अहसास कराएगा। विश्व हिन्दू परिषद पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्र संगठन मंत्री गजेन्द्र सिंह ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि उत्तर प्रदेश के सभी छह प्रान्तों में शौर्य जागरण यात्रा निकाली जाएगी। पूर्वी उत्तर प्रदेश के चार प्रान्तों की शौर्य जागरण यात्रा का समापन 10 अक्टूबर को काशी में होगा। पश्चिम उत्तर प्रदेश के तीन प्रान्तों की यात्रा का समापन मथुरा में होगा। उन्होंने बताया कि प्रान्त की शौर्य जागरण यात्रा एक दिन में दो बड़ी जनसभा करेगा। शौर्य जागरण यात्रा के माध्यम से हिन्दू समाज को सनातन धर्म के विरूद्ध रचे जा रहे षड़यंत्रों से आगाह किया जाएगा। युवाओं को अपने पूर्वजों के प्रति गौरव का भाव जाग्रत करेगा। अयोध्या में जैसे-जैसे राम मंदिर निर्माण पूर्णता की ओर बढ़ रहा है, रामभक्तों का उत्साह हिलोरें मार रहा है। इसके लिए विहिप देशभर के सभी प्रान्तों में शौर्य जागरण यात्रा निकालने का निश्चय किया है।

अयोध्या में चल रही विहिप की बड़ी बैठक – प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को ऐतिहासिक बनाने के लिए अयोध्या में संघ व विश्व हिन्दू परिषद के शीर्ष पदाधिकारियों की बैठक चल रही है। विहिप की केन्द्रीय टोली व प्राण प्रतिष्ठा प्रबंधन समिति की बैठक में देशभर के सभी क्षेत्र संगठन मंत्रियों को बुलाया गया है। इसी बैठक में प्राण प्रतिष्ठा समारोह से जुड़ी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाएगा। बैठक का समापन सोमवार को होगा। विश्व हिन्दू परिषद प्रतिष्ठा समारोह से पूरे देश को जोड़ने की तैयारी में है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद रामलला का दर्शन कराने के लिए राज्यों का नंबर लगेगा। जिस तरह निधि समर्पण अभियान के लिए अभियान चलाया गया, उसी तरह इन परिवारों को महोत्सव से जोड़ा जाएगा।

कानपुर के पेंटिकॉस्टेल चर्च में चल रहा था मतांतरण का खेल, पादरी सहित कई हिरासत में

कानपुर, (हि.स.)। स्वरूप नगर थाना क्षेत्र स्थित बेनाझाबर के इमानुअल पेंटिकॉस्टेल चर्च में रविवार को मतांतरण मामले को लेकर बजरंग दल ने हंगामा किया। सूचना पर कई थानों की पुलिस के साथ कई अधिकारी मौके पर पहुंचे। आरोप है कि पचास हजार रुपये और नौकरी का लालच देकर मतांतरण करने का दबाव बनाया जा रहा था। पुलिस ने पादरी समेत कई लोगों को हिरासत में लिया है। सहायक पुलिस आयुक्त स्वरूप नगर संजय सिंह ने बताया कि बेनाझाबर के इमानुअल पेंटिकॉस्टेल चर्च में रविवार की सुबह प्रार्थना सभा हो रही थी। इस दौरान बजरंग दल के जिला संयोजक कृष्णा तिवारी कई समर्थकों के साथ यहां पहुंचे और मतांतरण का आरोप लगाकर हंगामा करने लगे। इसके साथ ही स्वरूप नगर थाने की पुलिस को सूचना दी। आरोप लगाया कि चर्च में धर्मांतरण का खेल चल रहा है। लोगों को रुपये, नौकरी, शादी और उपचार समेत अन्य लालच देकर हिन्दुओं को ईसाई बनाया जा रहा है। पूछताछ के दौरान चर्च में मौजूद एक 17 साल के नाबालिग ने आरोप लगाया है कि चर्च के पदाधिकारी आनंद डेनियल ने 50 हजार रुपये में ईसाई बनने का उसे लालच दिया। उन्होंने यह भी कहा कि तुम्हारी जिंदगी बदल जाएगी। रुपये ही नहीं, तुम्हें नौकरी, घर, शादी और अगर परिवार में कोई बीमार है तो उसका इलाज भी कराया जाएगा। परिवार के सभी बच्चों को पढ़ाने की जिम्मेदारी भी चर्च की ओर से उठाई जाएगी। स्वरूप नगर थाना प्रभारी राजेश शर्मा ने चर्च में मौजूद लोगों से पूछताछ की। इस दौरान पुलिस ने चर्च के अमित डेविड, आनंद डेनियल और पादरी समेत अन्य लोगों को हिरासत में लिया है। मौके से ईसाई धर्म के साहित्य भी मिले हैं, जिसे कब्जे में लिया गया है।

कोडरमा के नए एसपी अनुदीप सिंह ने पदभार ग्रहण किया

कोडरमा, (हि. स.)। जिले के नए पुलिस अधीक्षक के रूप में झारखंड कैडर के आईपीएस अनुदीप सिंह ने रविवार को पदभार ग्रहण कर लिया। एसपी कुमार गौरव से कोडरमा के 24वें एसपी के रूप में अनुदीप सिंह ने पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण के बाद एसपी अनुदीप सिंह ने कहा कि पुलिस तत्परता और ईमानदारी से कार्य करेगी। व्यवसाय करने वाले लोग निर्भीक होकर अपना कार्य करें। किसी भी तरह की कोई समस्या हो तो सीधे हमसे संपर्क कर अपनी समस्या रख सकते हैं। आईपीएस अनुदीप सिंह सीनियर डीएसपी एस-आइरबी खूंटी में तैनात थे। एसपी के रूप में उनकी पहली पदस्थापना कोडरमा हुई है।

अपार्टमेंट की छत से कूदकर महिला ने की आत्महत्या

रांची, (हि.स.)। बरियातू थाना क्षेत्र के हरिहर सिंह रोड स्थित स्काई डेल अपार्टमेंट के 10वें तल्ले से रविवार को एक महिला कूदकर आत्महत्या कर ली। महिला की पहचान चंद्रेश्वर प्रसाद की पत्नी मधुबाला (49) के रूप में हुई है। मधुबाला इसी अपार्टमेंट के चौथे तल्ले पर अपने पति चंद्रेश्वर प्रसाद और बच्चे के साथ रहती थी। लोगों ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच में जुटी हुई है। मधुबाला ने आत्महत्या की है या किसी ने उन्हें धक्का दिया है। इसका पता अभी नहीं चल पाया है। जांच के बाद ही सही कारणों का पता चल पायेगा। इस संबंध में चंद्रेश्वर प्रसाद ने बताया कि शनिवार राततक सब ठीक था। उनकी पत्नी बेटे के साथ सोती थी और वो अकेले सोते थे। रविवार सुबह वो कब घर से बाहर निकली, उन्हें पता ही नहीं चला। अपार्टमेंट के लोगों ने उन्हें जानकारी दी। सूचना पाकर वो भागे-भागे वहां पहुंचे तो देखा कि उनकी पत्नी मधुबाला खून से लथपथ मृत अवस्था में पड़ी है। पुलिस ने महिला के पति के बयान पर यूडी केस दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक मधुबाला चंद्रेश्वर प्रसाद की दूसरी पत्नी थी। पहली पत्नी की मौत के बाद चंद्रेश्वर प्रसाद की मधुबाला से शादी हुई थी। दोनों का एक दस साल बच्चा भी है। चंद्रेश्वर प्रसाद शिक्षा विभाग में कार्यरत है और बिहार के सासाराम के रहने वाले हैं।

नक्सलवाद और अपराध पर अंकुश लगाना पहली प्राथमिकता : एसपी

रांची, (हि. स.)। रांची के नए ग्रामीण एसपी मनीष टोप्पो ने कहा कि नक्सलियों और आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। एसपी रविवार को पदभार ग्रहण करने के बाद बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि पुलिस और पब्लिक के बीच में बेहतर संबंध स्थापित करना भी प्राथमिकता में शामिल है। क्योंकि पुलिस और पब्लिक के बीच में जितना बेहतर संबंध होगा। उतना ही बेहतर काम हो सकेगा। इसके अलावा विधि व्यवस्था चुस्त और दुरुस्त रखने, जुआ, अवैध नशा कारोबारी, और महिलाओं की सुरक्षा पर विशेष नजर होगी।

बोकारो सेक्टर 12 में भरभरा कर ढही आवासीय ब्लॉक की सीढ़ी, 21 लोगों का रेस्क्यू

बोकारो, (हि.स.)। जिले के सेक्टर 12ई स्थित आवासीय ब्लॉक की सीढ़ी रविवार भोर साढ़े चार बजे भरभरा कर गिर गई। सूचना पर पहुंची बोकारो स्टील की फायर ब्रिगेड और सीआईएसएफ की टीम ने 21 लोगों को रेस्क्यू कर बाहर निकाला। दरअसल, बोकारो स्टील सिटी के सेक्टर 12 स्थित सभी आवासों की स्थिति जर्जर है लेकिन बोकारो स्टील प्रबंधन इस पर कोई ठोस पहल नहीं कर रहा है। दहशत के बीच घर में रहने वाली महिला चैताली आचार्य ने बताया कि लगभग साढ़े ग्यारह बजे ब्लॉक के छज्जे के गिरने का आवाज सुनाई दी। इसके बाद पहले सुबह जोर की आवाज हुई और सीढ़ी और पानी टंकी पूरी तरह से भरभरा कर गिर गई। महिला ने बताया कि उन्हें लगा कि उनके आवास का छत भी अब गिर जाएगा। किसी तरह दहशत के बीच सुबह होने का इंतजार करते रहे। साथ ही कहा कि आवास की स्थिति ठीक नहीं है और पूरी तरह से खतरों के बीच हम लोग रहने को मजबूर हैं। रेस्क्यू करने आए सीआईएसएफ के डिप्टी कमांडेंट ने बताया कि ब्लॉक में फंसे 21 लोगों को रेस्क्यू कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि टंकी से पानी के रिसाव के कारण ब्लॉक पूरी तरह से क्षतिग्रस्त था। ब्लॉक काफी क्षतिग्रस्त है। ऐसे में फिर से कोई घटना हो सकती है। इसे पूरी तरह से खाली करना होगा।

पलामू में जमीन विवाद को लेकर जेपीसी नक्सली संगठन के नाम से पोस्टर जारी

पलामू , (हि.स.)। पाटन थाना क्षेत्र में जमीन विवाद को लेकर जेपीसी नक्सली संगठन के नाम पर पोस्टर चिपकाया गया है। पोस्टर में मुखिया को धमकी देते हुए लिखा गया है कि प्लॉट बाय प्लॉट और वंशावली के हिसाब से जमीन बांटें, नहीं तो कार्रवाई की जायेगी। सूचना पाकर रविवार सुबह पाटन थाना प्रभारी गुलशन कुमार मौके पर पहुंचे और पोस्टर को जब्त कर लिया। गुलशन कुमार का कहना है कि किसी ने आपसी जमीन विवाद को लेकर दहशत फैलाने के लिए नक्सली के नाम का पोस्टर जारी किया है। नक्सली संगठन द्वारा यह पोस्टर जारी नहीं किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जल्द मामले का खुलासा होगा।

मोदी ने विश्व को दिया "एक धरती, एक परिवार, एक भविष्य" का संकल्प : गिरिराज सिंह

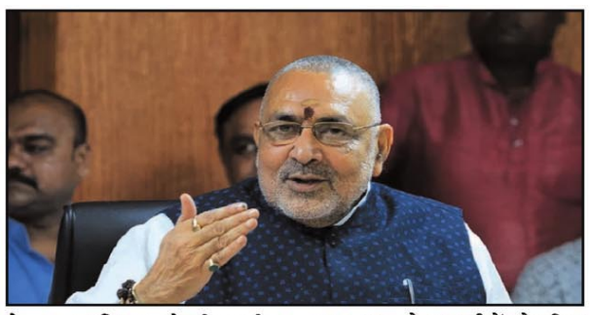

बेगूसराय, (हि.स.)। केन्द्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि जी-20 के इतिहास में अब तक का सबसे सफल सम्मेलन अब भारत में हुआ है। इस सम्मेलन के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व को "एक धरती, एक परिवार, एक भविष्य" का संकल्प दिया है। गिरिराज सिंह ने रविवार को कहा है कि विश्व के नेताओं ने जिस तरह से इस पूरे सम्मेलन की प्लानिंग, एग्जिक्यूशन, सफलता और भारत के नेतृत्व की तारीफ की है। इससे आज हर भारतीय अपने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लीडरशिप पर गर्व कर रहा है। नरेन्द्र मोदी बधाई के पात्र हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में जी-20 शानदार और सफलता रहा। उन्होंने कहा कि इस सफल आयोजन से एक अरब 40 करोड़ भारतीयों को दुनिया भर से प्रशंसा मिली है। भारत ने अधिक न्यायसंगत और टिकाऊ दुनिया के लिए रोडमैप तैयार करते हुए खुद को एक वैश्विक नेता के रूप में मजबूती से स्थापित किया है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व ने कई देशों को आवाज दी है। आर्थिक विकास और भू-राजनीति, कनेक्टिविटी आदि जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को सामने लाया है।

गिरिराज सिंह ने कहा है कि उपरोक्त मुद्दों का समर्थन करते हुए भारत अंतरराष्ट्रीय नीतियों को आकार देने और देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने में केंद्रीय भूमिका निभा रहा है। एकता और नवीनता के साथ हम ना केवल प्रगति का जश्न मना रहे हैं। बल्कि वैश्विक मंच पर एक उज्जवल भविष्य का मार्ग भी प्रशस्त कर रहे हैं।

प्रतिबंधित कोडिन सिरप विक्रेता दिलशाद गिरफ्तार, भेजा गया जेल

किशनगंज, (हि.स.)। जिला के ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत सुखानी थाना क्षेत्र में बीते 9 सितंबरतातपौआ पंचायत के सरपंच मजहर आलम सहित ग्रामीणों ने कोडिन सिरप विक्रेता दिलशाद को प्रतिबंधित कोडिन कफ सिरप के 41 बोतल, 100 एमएल का पकड़ कर सुखानी पुलिस के हवाले किया गया। इस संबंध में पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि मो० रसमुद्दीन फैज ने रविवार को बताया कि नशा मुक्ति अभियान के तहत पंचायत को नशा मुक्त करने के तहत यह कार्य किया गया। उक्त गिरफ्तार युवक पिछले तकरीबन 4 वर्षों से प्रतिबंधित कोडिन सिरप बेचने का काम करता आ रहा है और बच्चों से होम डिलीवरी करवाता रहा। आखिर वह शनिवार को पकड़ा गया और आज सुखानी पुलिस के हवाले उसे किया गया। मामले में सुखानी पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 8 सितंबर को गुप्त सूचना के आधार पर जब छापेमारी की गई तो निक्करबाड़ी मो० अंजार पिता इस्माइल के घर के आंगन में बने झोपड़ी से कोडिन सिरप 41 बोतल पाया गया। उक्त संबंध में जब पुलिस ने वहां उपस्थित लोगों से पूछताछ की तो लोगों ने बताया कि उक्त प्रतिबंधित कोडिन सिरप दिलशाद पिता स्व० शेर मोहम्मद अंडाबारी थाना सुखानी जिला किशनगंज के द्वारा लाया गया है। लेकिन दिलशाद घर से फरार पाया गया। 9 सितंबर को सुबह सरपंच मजहर आलम सहित ग्रामीणों ने दिलशाद को पुलिस के हवाले किया। उक्त मामले में नया मोड़ यह देखने को मिला कि जब पुलिस थाना में दिलशाद को लाया गया तब थाना में बैठा दिलशाद के सिर पर चोट लगी हुई है और सिर फटा हुआ है खून बह रहा है। जिसपर पुलिस द्वारा उपचार भी कराया गया। उक्त मामले में आरोप है कि सरपंच द्वारा दिलशाद से मारपीट किया गया। जिस पर पुलिस ने दो मामला दर्ज किया। दिलशाद को रविवार 10 सितंबर को न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया। इस संबंध में सरपंच मजहर आलम का कहना है कि नशा मुक्ति अभियान के तहत कोडिन सिरप विक्रेता दिलशाद को प्रतिबंधित सिरप के साथ ग्रामीणों सहित मैंने पुलिस के हवाले किया और वह बिल्कुल सही सलामत था। भीड़ में क्या हुआ मुझे कुछ नहीं पता और मुझे फंसाने के उद्देश्य से मुझ पर मामला दर्ज किया गया है अगर ऐसा ही रहा तो नेक काम के लिए कोई भी जनप्रतिनिधि प्रशासन की मदद कैसे करेगा?

महावीरी झंडा शोभायात्रा जुलूस की महंत एवं बड़ी मस्जिद के इमाम ने की आगवानी, धार्मिक ग्रंथों का हुआ आदान प्रदान

अररिया, (हि.स.)। फारबिसगंज में 1904 से रामायण परिषद की स्थापना और वार्षिकत्सव को लेकर सांवलिया कुंज ठाकुरबाड़ी से रविवार को निकला महावीरी झंडा शोभायात्रा जुलूस ऐतिहासिक रहा।सांवलिया कुंज ठाकुरबाड़ी के महंत पंडित कौशल किशोर दुबे के नेतृत्व में निकले इस बार महावीरी झंडा शोभायात्रा जुलूस में सांसद प्रदीप कुमार सिंह सहित जिले के जनप्रतिनिधियों ने बिना राग द्वेष के भाग लिया और पूरा इलाका जय श्री राम और हर हर महादेव,बोलबम के नारों से गूंज उठा। जुलूस में शामिल भक्त महावीरी ध्वज को थामे हुए था तो सांसद प्रदीप कुमार सिंह हनुमानजी के अस्त्र गदा को थाम भीड़ का हौसला आफजायी कर रहे थे। सियासत की दीवार को तोड़ते हुए शोभायात्रा में सभी दलों और मजहब के लोगों की शिरकत थी।भाजपा के आदित्य नारायण झा, रजत कुमार सिंह, मुख्य पार्षद वीणा देवी, अविनाश कन्नोजिया, दिलीप निराला, मनोज झा, राजद के मनीष यादव समेत समाजसेवी रामकुमार भगत, अजातशत्रु अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल आदि जुलूस में शामिल हुए। जुलूस को शान्तिपूर्ण सम्पन्न कराने और विधि व्यवस्था को बनाये रखने के लिए भारी संख्या में पुलिस अधिकारियों और मजिस्ट्रेट की प्रतिनियुक्ति की गई थी। स्वयं डीएम इनायत खान और एसपी अशोक कुमार सिंह जुलूस का मॉनिटरिंग करते रहे। शोभायात्रा को लेकर डीएसपी रैंक के अधिकारी समेत30 इंस्पेक्टर, 97 पुलिस अधिकारी और 600 महिला और पुरुष बल के साथ एसएसबी जवानों की तैनाती की गई थी। मौके पर बोलते हुए सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने कहा कि 119 वर्षों से अनवरत चला आ रहा महावीरी झंडा जुलूस भारत की पौराणिक सभ्यता और संस्कृति को बताता है। यह शोभायात्रा बताता है कि मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान राम और उसके भक्त हनुमान के उस सम्बन्ध का जिसमें भगवान हनुमान का अपने भगवान राम के प्रति किस तरह सेवाभाव को लेकर संकल्पित रहे। शोभायात्रा जुलूस जब दरभंगिया बस्ती स्थित बड़ी मस्जिद के पास पहुंची तो मुहर्रम कमिटी के मो.दिलशाद और वाहिद अंसारी के नेतृत्व में जुलूस का स्वागत किया गया।

महंत और बड़ी मस्जिद के इमाम ने एक दूसरे को धार्मिक ग्रंथ प्रदान कर शुभकामनाएं दी।शोभायात्रा में विभिन्न अखाड़ों की ओर से मनमोहक झांकियां भी निकाली गई, जिसमे भारत माता, शिवलिंग के साथ शिव पार्वती की जोड़ी, राम दरबार, भगवान हनुमान सहित कई निकाली गई झांकियों को लोगों ने काफी सराहा। विभिन्न स्थानों पर शोभायात्रा में शामिल भक्तों पर पुष्पवर्षा किया गया। वहीं कई संस्थानों और संगठन एवं प्रतिष्ठान की ओर से स्टाल लगाकर फल-मिठाई, चॉकलेट, पेयजल, शर्बत पिलाया गया। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में अश्वारोही दल के साथ लाठी-डंडा, तलवार-फरसा के साथ भक्त शामिल थे।

संपादकीय

सनातन के विरोध पर प्रधानमंत्री की प्रतिक्रिया

डीएमके के नेता एवं तमिलनाडु सरकार में मंत्री उदयनिधि स्टालिन के सनातन धर्म को समाप्त करने संबंधी बयान पर देशभर से निंदात्मक प्रतिक्रियाएं आ रही हैं लेकिन हैरानी की बात है कि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने अब तक एक शब्द नहीं बोला है। अपितु कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे प्रियंक खड़गे और पी. चिदम्बरम के बेटे कार्ति चिदम्बरम की ओर से उदयनिधि को समर्थन देनेवाले बयान ही आए हैं। इस पूरे घटनाक्रम से एक बार फिर जनता के सामने यह स्पष्ट हो रहा है कि कौन हिन्दू धर्म का हितैषी है और कौन सिर्फ कुर्सी के लिए हिन्दू हितैषी होने का स्वांग रचता है। कांग्रेस की ओर से अक्सर यह प्रश्न उछाला जाता है कि क्या भाजपा हिन्दू धर्म की ठेकेदार है, इस घटनाक्रम ने बता दिया है कि हिन्दुओं के स्वाभिमान का मुद्दा आनेपर भाजपा ही बेहिचक सबसे आगे खड़ी दिखायी देती है। यह कहने में कोई संकोच नहीं कि हाँ, भाजपा हिन्दू धर्म की ठेकेदार के तौर पर इकलौती पार्टी के नाते दिखायी देती है। सनातन को समाप्त करने संबंधी मामले में भी भाजपा की ओर से ही कड़ा विरोध दर्ज कराया जा रहा है। यहाँ तक कि अब तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी पार्टी की बैठक में जिम्मेदार नेताओं को स्पष्ट निर्देश दिया है कि सनातन धर्म के विरोधियों को अच्छे से जवाब दिया जाना चाहिए। यहाँ उन्होंने यह भी कहा है कि विरोध कानून के दायरे में हो, हमें अपनी मर्यादा नहीं छोड़नी है। प्रधानमंत्री मोदी का यह संदेश समाज में कानून व्यवस्था बनाए रखने में भी सहयोगी होगा। उल्लेखनीय है कि उदयनिधि स्टालिन के बयान से लोगों को भयंकर आक्रोश है। यह आक्रोश हिंसक रूप न ले, इसलिए भी देश के किसी बड़े नेता की ओर से इस तरह का संदेश अपेक्षित था। यह सनातन धर्म के अनुयायियों की सहनशीलता ही है कि उदयनिधि स्टालिन के आपत्तिजनक बयान के बाद भी उसका विरोध केवल तर्कों के आधार पर किया जा रहा है। यह बात अवश्य ही उदयनिधि जैसों को समझनी चाहिए। इस प्रकरण में एक और बात महत्व की है, जो समाज की सज्जनशक्ति को अनुभव करनी चाहिए। यदि समाज संगठित हो, तब उस पर आघात करने की हिम्मत कम ही लोगों की होगी। बीते दिन तक अपने बयान पर अड़े रहनेवाले उदयनिधि स्टालिन के तेवर अब ढीले पड़ते दिख रहे हैं। अब उन्होंने यह कहना प्रारंभ कर दिया है कि वे किसी धर्म के विरोधी नहीं है और उनके बयान को तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत किया जा रहा है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन, जो उदयनिधि के पिता भी हैं, अब तक इस मामले में चुप्पी साधकर बैठे थे, प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिक्रिया के बाद उनको भी मजबूर होकर बचाव में उतरना पड़ा है। यदि समाज इसी प्रकार की संगठित रहे तो किसी भी स्टालिन की हिम्मत ही नहीं होगी कि वह सनातन की तुलना मच्छर, मलेरिया, डेंगू, कोरोना से करे और उसे समाप्त करने की अभिलाषा व्यक्त करे। इस मामले में कांग्रेस ने चुप्पी अवश्य साध रखी है लेकिन उसे भी ध्यान आ रहा है कि आगामी विधानसभा चुनावों में अपने सहयोगी दल के नेता के यह विचार उसको भारी पड़ सकते हैं। इसके लिए कांग्रेस स्वयं भी जिम्मेदार होगी क्योंकि उससे अपेक्षा की जा रही थी कि वह अपने गठबंधन से डीएमके को बाहर का रास्ता दिखाए। डीएमके को बाहर का रास्ता दिखाना तो दूर, कांग्रेस ने उदयनिधि के बयान पर कड़ा प्रतिरोध तक दर्ज नहीं कराया है।

कांग्रेस की ओर से अक्सर यह प्रश्न उछाला जाता है कि क्या भाजपा हिन्दू धर्म की ठेकेदार है, इस घटनाक्रम ने बता दिया है कि हिन्दुओं के स्वाभिमान का मुद्दा आनेपर भाजपा ही बेहिचक सबसे आगे खड़ी दिखायी देती है। यह कहने में कोई संकोच नहीं कि हाँ, भाजपा हिन्दू धर्म की ठेकेदार के तौर पर इकलौती पार्टी के नाते दिखायी देती है। सनातन को समाप्त करने संबंधी मामले में भी भाजपा की ओर से ही कड़ा विरोध दर्ज कराया जा रहा है। यहाँ तक कि अब तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी पार्टी की बैठक में जिम्मेदार नेताओं को स्पष्ट निर्देश दिया है कि सनातन धर्म के विरोधियों को अच्छे से जवाब दिया जाना चाहिए। यहाँ उन्होंने यह भी कहा है कि विरोध कानून के दायरे में हो, हमें अपनी मर्यादा नहीं छोड़नी है। प्रधानमंत्री मोदी का यह संदेश समाज में कानून व्यवस्था बनाए रखने में भी सहयोगी होगा। उल्लेखनीय है कि उदयनिधि स्टालिन के बयान से लोगों को भयंकर आक्रोश है। यह आक्रोश हिंसक रूप न ले, इसलिए भी देश के किसी बड़े नेता की ओर से इस तरह का संदेश अपेक्षित था। यह सनातन धर्म के अनुयायियों की सहनशीलता ही है कि उदयनिधि स्टालिन के आपत्तिजनक बयान के बाद भी उसका विरोध केवल तर्कों के आधार पर किया जा रहा है। यह बात अवश्य ही उदयनिधि जैसों को समझनी चाहिए। इस प्रकरण में एक और बात महत्व की है, जो समाज की सज्जनशक्ति को अनुभव करनी चाहिए। यदि समाज संगठित हो, तब उस पर आघात करने की हिम्मत कम ही लोगों की होगी। बीते दिन तक अपने बयान पर अड़े रहनेवाले उदयनिधि स्टालिन के तेवर अब ढीले पड़ते दिख रहे हैं।

कुछ अलग

पर्यावरण की परवाह

जलवायु परिवर्तन का असर साफ दिखने लगा है और धरती का तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है। यूरोपीय संघ के कॉपरनिकस जलवायु परिवर्तन पैनल ने कहा है कि पिछला महीना अगस्त वैश्विक स्तर पर सबसे गरम रहा, जो अब तक के सबसे गरम जून और जुलाई के बाद ऐसा रिकॉर्ड बनाने वाला लगातार तीसरा महीना बन गया है। कॉपरनिकस की उप-प्रमुख सामंथा बर्गेस ने फिर गुहार लगाई है कि ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन दुनिया में तत्काल बंद किया जाए। दुनिया के अनेक इलाकों में बाढ़ की स्थिति है, तो अनेक जगह आग लगी हुई है। यूरोप की अगर बात करें, तो पिछले महीने अगस्त में मध्य यूरोप और स्कैंडिनेविया के बड़े हिस्से में बाढ़ देखी गई, जबकि फ्रांस, ग्रीस, इटली और पुर्तगाल में ऐसा सूखा पड़ा कि जंगलों में आग लग गई। अगस्त में ऑस्ट्रेलिया, अनेक दक्षिण अमेरिकी देशों और अंटार्कटिका के आसपास भी औसत से काफी ऊपर तापमान दर्ज किया गया। इस साल में अब तीन ही महीने बचे हैं और ऐसा लग रहा है कि साल 2023 सबसे गरम वर्ष के रूप में दर्ज हो जाएगा। अब दुनिया के दिग्गज देशों को जरूर सोचना चाहिए कि क्या बढ़ते तापमान को कम करने के लिए पर्याप्त उपाय किए गए हैं? वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने का लक्ष्य 2015 में 196 देशों ने पेरिस अंतरराष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन समझौते के तहत तय किया था। इस दिशा में कितनी कामयाबी मिली है? यह वाकई परखने का समय है, वरना यह दुनिया इंसान के लिए दिनोंदिन मुश्किल होती चली जाएगी। भारत में भी अगस्त में औसत रूप से रिकॉर्ड गरमी दर्ज की गई है। वर्ष 1901 के बाद यह सबसे गरम अगस्त बताया जा रहा है। भारत में भी कहीं सूखे की स्थिति है, तो कहीं जरूरत से ज्यादा बारिश से तबाही का मंजर है। शायद अभी भी लोग जलवायु परिवर्तन को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का प्रभाव भारत में भी महसूस किया जा रहा है। वैश्विक तापमान में वृद्धि के प्रभाव में भारत में भी औसत तापमान में वृद्धि हुई है। हिंद महासागर के स्तर में भी वृद्धि हुई है, जो भारतीय भूभाग को हर वर्ष 3.3 मिमी की मात्रा में निगल रहा है। भारतीय संसद में पेश किए गए आंकड़ों के अनुसार, 1993 और 2017 के बीच, भारत के आसपास समुद्र के स्तर में कुल 7.92 सेंटीमीटर की वृद्धि हो चुकी है। वैसे अनेक अन्य देशों की तुलना में भारत पर्यावरण की दृष्टि से ज्यादा सजग और संवेदनशील है। सरकार हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए लगातार पहल कर रही है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत की बढ़ती ऊर्जा मांगों को पूरा करने और 2030 तक 50 प्रतिशत अक्षय ऊर्जा के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली के विकास के लिए 3,760 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। यह बहुत सुखद सूचना है कि सरकार का लक्ष्य 2030 तक 4,000 मेगावाट की बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजनाएं विकसित करना है।

जी 20 के देश दो कदम और आगे बढ़ चुके हैं, जो पूरी दुनिया के लिए राहत और खुशी की बात है

मानवता का कल्याण और सुख, सदैव सुनिश्चित किये जाने को लेकर दो कदम और आगे बढ़े जी 20 के देश

कमलेश पांडे

नई दिल्ली जी20 लीडर्स घोषणा पत्र पर सभी देशों की सहमति बन गई है। कुल 37 पेज के नई दिल्ली घोषणा पत्र से 125 देशों ने सहमति जताई है, जिससे बहुत सारी बातें स्पष्ट हो चुकी हैं। इसका आशय स्पष्ट है कि मानवता का कल्याण और सुख, सदैव सुनिश्चित किये जाने सम्बन्धी पीएम मोदी के आह्वान पर जी 20 के देश दो कदम और आगे बढ़ चुके हैं, जो पूरी दुनिया के लिए राहत और खुशी की बात है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद बताया कि ₹हमारे टीम के हार्ड वर्क से और आप सभी के सहयोग से नई दिल्ली जी20 लीडर्स घोषणा पत्र पर आम सहमति बन गई है।₹ इससे साफ है कि कूटनीति के मोर्चे पर भारत को बड़ी कामयाबी मिली है। सच कहा जाए तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व गुरु के अलावा विश्व मित्र की भारत की नई छवि स्थापित करने में अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की है। जी-20 शिखर सम्मेलन के पहले सत्र में बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'वन अर्थ वन फैमिली' पर प्रमुखता से बात की और मानव केंद्रित विकास की बात करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति ने हमेशा से इसे बढ़ावा दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम शुरू करने से पहले मोरक्को में आए विनाशकारी भूकंप में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना प्रकट की और कहा, "कार्यक्रम शुरू करने से पहले मैं कुछ देर पहले मोरक्को में आए भूकंप के प्रभावित लोगों के लिए संवेदना प्रकट करना चाहता हूं। मैं ये कहना चाहता हूं कि पूरा विश्व उनके साथ है और हम उन्हें हरसंभव मदद देने को तैयार हैं।" अपने उद्घाटन भाषण के दौरान मोदी ने कहा, "जहां हम एकत्र हुए हैं, वहां से कुछ दूर ढाई हज़ार साल पुराना स्तंभ है जिस पर प्राकृत भाषा में लिखा है- मानवता का कल्याण और सुख, सदैव सुनिश्चित किया जाएगा।" उन्होंने आगे कहा, ₹दुनिया इस समय कई संकटों का सामना कर रही है। यूक्रेन युद्ध और जलवायु परिवर्तन विश्व के सामने खड़ी बड़ी चुनौतियां हैं। इसलिए वैश्विक स्तर पर भरोसा बहाल करने का समय आ गया है।₹ उन्होंने आगे कहा, "भारत पूरी दुनिया से अपील कर रहा है कि हम मिलकर ग्लोबल ट्रस्ट डेफिसिट को विश्वास, भरोसे में बदलें। ये सभी के साथ मिलकर चलने का वक्त है। हम सभी के लिए सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास हमारे लिए पथप्रदर्शक बन सकता है।" मोदी ने अपनी बात पर बल देते हुए कहा कि, "हमें आने वाली पीढ़ी के लिए वैश्विक अर्थव्यवस्था में उथल-पुथल, नॉर्थ और साउथ के बीच का फर्क,

जी-20 शिखर सम्मेलन के पहले सत्र में बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'वन अर्थ वन फैमिली' पर प्रमुखता से बात की और मानव केंद्रित विकास की बात करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति ने हमेशा से इसे बढ़ावा दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम शुरू करने से पहले मोरक्को में आए विनाशकारी भूकंप में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना प्रकट की और कहा, "कार्यक्रम शुरू करने से पहले मैं कुछ देर पहले मोरक्को में आए भूकंप के प्रभावित लोगों के लिए संवेदना प्रकट करना चाहता हूं।

ईस्ट और वेस्ट के बीच का फर्क, अनाज संकट, खाद संकट जैसी चुनौतियों को नहीं दे सकते। यदि आज हमलोग नहीं सम्भले तो निकट भविष्य में इसका सामना करना ही पड़ेगा।"

वहीं, दिल्ली में हो रहे जी-20 शिखर सम्मेलन में अफ्रीकन यूनियन यानी अफ्रीकी संघ को स्थायी सदस्य के तौर पर जी-20 में शामिल कर लिया गया है, इस बात की जानकारी देते हुए मोदी ने कहा कि, "सबका साथ की भावना से ही भारत ने अफ्रीकन यूनियन को जी-20 का स्थायी सदस्य बनाने की बात की थी। आप सबकी सहमति से मैं अफ्रीकन यूनियन के अध्यक्ष को जी-20 के स्थायी सदस्य के रूप में अपना स्थान ग्रहण करने के लिए आमंत्रित करता हूं।"

वहीं, बैठक के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि जी 20 बैठक में एक धरती, एक परिवार, एक भविष्य पर जोर दिया गया है। पहली बार अफ्रीकन यूनियन को स्थायी सदस्यता दी गई है। भारत की हरित विकास पहल को मंजूरी दी गई है। संतुलित, समावेशी, मजबूत और स्थायी विकास पर जोर दिया गया है। बहुपक्षीय व्यवस्था को पुनर्जीवित करने पर बल दिया गया है। सभी देश डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पर फोकस करेंगे। साथ ही सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने पर जोर देंगे। इसके अलावा भी उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण बातें कही है।

वहीं, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उनके बाद मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि जी 20 बैठक में भारत की अध्यक्षता में कई समाधान मिले हैं। वैश्विक समस्याओं के निराकरण पर जोर देते हुए उनके समुचित समाधान पर फोकस किया गया है। मजबूत टिकाऊ और समावेशी विकास पर मुहर लगी है। 21वीं सदी की वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा हुई। विकासशील देशों पर ध्यान देने की प्रतिबद्धता जताई गई, ताकि कोई भी देश पीछे ना छूटे। ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं पर बात हुई। बायो फ्यूल एलायंस बनाया जाएगा। क्रिप्टो पर पालिसी को लेकर भी चर्चा हुई। हमें चुनौती पूर्ण समय में अध्यक्षता मिली। निजी डेटा की सुरक्षा पर भी बात हुई। इसके अलावा भी उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण बातें कही है।

वहीं, जी 20 के शेरपा अमिताभ कांत ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि बैठक में यह तय हुआ कि किसी देश की अखंडता के खिलाफ बल प्रयोग नहीं किया जाएगा। परमाणु हथियारों का इस्तेमाल या धमकी स्वीकार्य नहीं होगा। सभी देशों को यूएन चार्टर के मुताबिक काम करना चाहिए। किसी भी देश की अखंडता के खिलाफ धमकी, बल प्रयोग नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सबने माना कि आज का युग युद्ध का नहीं है। आतंकवाद के सभी रूपों की निंदा की गई है। किसी भी रूप में आतंकवाद स्वीकार्य नहीं है। आतंकी समूहों के खिलाफ सहयोग देने पर सहमति बनी। इसके अलावा भी उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण बातें कही है। इस घोषणा पत्र में वैश्विक आतंकवाद का 9 बार और यूक्रेन का 4 बार जिक्र आया है, लेकिन यूक्रेन के सम्बंध में रूस का जिक्र नहीं किया गया है। यह बुलन्द भारत की दबंग तस्वीर को अभिव्यक्त करता है। आखिर जी 20 के देशों ने माना है कि परस्पर अब और अधिक अविश्वास नहीं किया जा सकता है, क्योंकि भारत के शांति और विकास के मंत्र से सबकी आस जगी है।

जी20 शिखर सम्मेलन की शुरुआत हुई तो सुबह साढ़े दस से दोपहर डेढ़ बजे तक पहला सत्र 'वन अर्थ' पर आयोजित किया गया। वहीं, 'वन फैमिली' पर दूसरा सत्र दोपहर 3 बजे से 4.45 बजे तक चला। वहीं शाम 7 बजे डिनर पर सभी राष्ट्राध्यक्ष ने पारस्परिक मुलाक़ात किया और रात 8 बजे से 9.15 बजे तक बातचीत हुई। इस सत्र के बाद जी20 शिखर सम्मेलन समाप्त हो जाएगा। जी20 ग्रुप में 19 देश शामिल हैं- अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राज़ील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, रिपब्लिक ऑफ़ कोरिया, मेक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, यूनाइटेड किंगडम और अमेरिका। ग्रुप का 20वां सदस्य यूरोपीय संघ है। अफ्रीकी यूनियन के इस संगठन में स्थायी सदस्य के रूप में शामिल होने के बाद अब 19 देश और दो संघ इसके सदस्य हो गए हैं।

मानवतावादी दृष्टिकोण बदलने की अनूठी पहल

किसी भी राष्ट्र का उत्थान वहां पर निवासरत लोगों के सामाजिक और आर्थिक विकास से सम्भव है। एक राष्ट्र के बहुआयामी विकास में शिक्षा महती निभाती है। यही वजह है कि जिन देशों की शिक्षा व्यवस्था समृद्ध है, वो देश वैश्विक फ़लक पर अधिक समृद्ध और संपन्न हैं। विगत कुछ वर्षों में भारत ने भी तरक़्क़ी के नित नए आयाम स्थापित किए हैं, जिसकी परिणीति यह हुई है कि भारत की पहचान वैश्विक परिदृश्य पर एक मज़बूत और शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में उभरी है। आज़ादी के अमृतकाल के दौरान भारत को जी-20 का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलना अपने आप में एक सुखद आश्चर्य की अनुभूति करने वाला विषय रहा। जी-20, दुनिया के 20 बड़े देशों का एक अंतर-सरकारी मंच है, जो दुनिया के बड़े भूभाग का प्रतिनिधित्व करता है। दुनिया की लगभग 85 प्रतिशत जीडीपी और 75 फीसदी ग्लोबल ट्रेड जी-20 देशों के पास है। विश्व की दो तिहाई आबादी भी जी-20 देशों में निवासरत है। भारत के पास नवम्बर 2023 तक इस समूह की अध्यक्षता रहने वाली है और इस दौरान भारत लगातार दुनिया को विभिन्न वैश्विक चुनौतियों से बाहर निकलने का मार्ग प्रशस्त कर रहा है।

भारत, लोकतंत्र की जननी है और 'वसुधैव कुटुम्बकम' की जिस अवधारणा को हम सदियों से आत्मसात करके आगे बढ़ रहे हैं। उसी को केंद्र में रखते हुए जी-20 की थीम 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' रखा गया है। वर्तमान समय में दुनिया तमाम तरह के संकटों के दौर से गुजर रही है। जलवायु परिवर्तन, विभिन्न देशों में गृह युद्ध की स्थितियों का निर्मित होना और कमज़ोर होती वैश्विक अर्थव्यवस्था इसी का हिस्सा है। शिक्षा का क्षेत्र भी एक तरह के संक्रमण काल से जूझ रहा है। जिसकी वजह से सतत विकास के लक्ष्यों को अर्जित करने में हम पिछड़ रहे हैं। आज दुनिया के सामने भुखमरी एक बड़ी समस्या हो सकती है तो दूसरी तरफ शिक्षा से वंचित बच्चों के आंकड़े हमें शिक्षण नीतियों में बड़े फेरबदल की दिशा में इशारा कर रहे हैं।

एक अनुमान के अनुसार दुनिया के 260 मिलियन बच्चें स्कूल का मुँह नहीं देख पाते हैं। ऐसे में जरा सोचिए कैसे सतत विकास लक्ष्यों की पूर्ति हो पाएगी? शिक्षा ही है, जो किसी देश के मानव संसाधन को कुशल और उपगोगी बनाती है। ऐसे में जी-20 देशों के साथ मिलकर वैश्विक स्तर पर कैसे बेहतर, न्यायसंगत, प्रासंगिक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अवसर सृजित हो सके। इस दिशा में पहल की जा रही है। भारत के नेतृत्व में जी-20 समूह के देश एक एजुकेशन वर्किंग ग्रुप के तहत काम कर रहें हैं, जिसका उद्देश्य बुनियादी साक्षरता और प्रौद्योगिकी के जरिए पठन-पाठन का माकूल वातावरण तैयार करना है। गौरतलब हो कि इसके लिए जी-20 शिक्षा कार्य समूह (एजुकेशन वर्किंग ग्रुप) की स्थापना साल 2018 में अर्जेंटीना की अध्यक्षता में की गई थी।

एक मेजबान राष्ट्र के रूप में भारत, पिछली अध्यक्षताओं के तहत शिक्षा के क्षेत्र की समस्याओं के समाधान एवं शिक्षा से संबंधित ऐसे विचार-विमर्शों को आगे बढ़ाने का प्रस्ताव लगातार कर रहा है जोकि शिक्षा की पूर्ण परिवर्तनकारी क्षमता को साकार होने से रोक रही हैं। इस भावना के अनुरूप कई ऐसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान की गई है। जिससे शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सके। जी-20 के माध्यम से भारत ने दुनिया के सामने शिक्षा का एक नया खाका प्रस्तुत किया है। जो कहीं न कहीं विश्व की सभी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए लाभकारी है। भारत ने अपनी मेजबानी में शिक्षा कार्य समूह के सामने चार चरणों की एक रूप-रेखा पेश की है। जिसका पहला चरण बुनियादी साक्षरता और संख्याज्ञान से सम्बंधित है। इसके दूसरे चरण में तकनीक की मदद से शिक्षा की पहुंच को बढ़ावा देना, तीसरे चरण में भविष्य की जरूरत और कौशल विकास को ध्यान में रखना और चौथे और आखिरी चरण में शोध को बढ़ावा देना और साझेदारी सम्मिलित है। साधारण सी बात है कि अगर दुनिया की 85 प्रतिशत आबादी का प्रतिनिधित्व रखने वाले इन देशों की शिक्षा व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन आगामी भविष्य में दृष्टिगोचर हो जाते हैं, तो वैश्विक परिदृश्य व्यापक स्तर पर बदल जाएगा। पर्यावरण के प्रति लोगों की सोच में बदलाव आ जाएगा।

विश्व बंधुत्व और 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना

विश्व बंधुत्व और 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना प्रगाढ़ होती परिलक्षित होगी और सबसे महत्वपूर्ण बात जो निकलकर आएगी वो ये होगी कि दुनिया के सामने एक ऐसा वैश्विक मॉडल उभरकर सामने आएगा, जहां दूसरी या तीसरी दुनिया जैसे शब्दों के लिए कोई स्थान शेष नहीं होगा। इतना ही नहीं, दुनिया इस तथ्य से भलीभांति अवगत है कि भारतीय ज्ञान परंपरा की समृद्ध विरासत रही है और निः संदेह भारत की यही विरासत पुनः दुनिया के सामने भारतीयता का गौरव-गान कर रही है और हमारा देश 'वसुधैव कुटुम्बकम' के प्रस्तोता के रूप में उभरकर सामने आ रहा है।

भारत की अध्यक्षता में शिक्षा कार्य समूह (एजुकेशन वर्किंग ग्रुप) के अधिदेश में शिक्षार्थियों के सामने आने वाली बाधाओं को पहचानना और समझना शामिल है। इसके अलावा पिछले कुछ वर्षों में हासिल की गई ताकतों को आगे बढ़ाने में मदद करना, विशेषकर शिक्षा में प्रौद्योगिकी के उपयोग और शिक्षण के तरीकों, पाठ्यक्रम, सामग्री, मूल्यांकन और शिक्षाशास्त्र पर महत्वपूर्ण प्रतिबिंब को सक्षम बनाने के लिए बेहतर प्रयास कर सीखने के परिणामों को सुनिश्चित करना और 21 वीं सदी में आवश्यक कौशल, दक्षताओं, मूल्यों और दृष्टिकोण के लिए शिक्षा को अधिक प्रासंगिक बनाना है। साथ ही शिक्षा कैसे मानव कल्याण के काम आ सके। इसके लिए प्रयास किए जाने हैं।

आज़ादी के अमृतकाल के दौरान भारत को जी-20 का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलना अपने आप में एक सुखद आश्चर्य की अनुभूति करने वाला विषय रहा। जी-20, दुनिया के 20 बड़े देशों का एक अंतर-सरकारी मंच है, जो दुनिया के बड़े भूभाग का प्रतिनिधित्व करता है। दुनिया की लगभग 85 प्रतिशत जीडीपी और 75 फीसदी ग्लोबल ट्रेड जी-20 देशों के पास है। विश्व की दो तिहाई आबादी भी जी-20 देशों में निवासरत है। भारत के पास नवम्बर 2023 तक इस समूह की अध्यक्षता रहने वाली है और इस दौरान भारत लगातार दुनिया को विभिन्न वैश्विक चुनौतियों से बाहर निकलने का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। भारत, लोकतंत्र की जननी है और 'वसुधैव कुटुम्बकम' की जिस अवधारणा को हम सदियों से आत्मसात करके आगे बढ़ रहे हैं। उसी को केंद्र में रखते हुए जी-20 की थीम 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' रखा गया है। वर्तमान समय में दुनिया तमाम तरह के संकटों के दौर से गुजर रही है।

देश दुनीया से

हर बच्चा एक सा नहीं होता, समझना होगा मां-बाप को

राजस्थान के कोटा शहर में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में लगे छात्रों में बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति ने पूरे देश को हिला कर रख दिया है। वहां की कोचिंग संस्थानों में दाखिला कराए अभिभावकों की बेचैनी खत्म करने को स्थानीय प्रशासन ने जो फौरी कदम उठाया है, वह यह है कि अगले दो महीने तक आंतरिक टेस्ट पर रोक लगा दी गई है। परीक्षा में शामिल होने से पहले कोचिंग संस्थान आंतरिक टेस्ट के जरिए आंकलन करते हैं कि छात्र सम्बंधित परीक्षा के लिए कितना तैयार हुआ है? उसके रिजल्ट सार्वजनिक किए जाते हैं। यहीं से छात्रों पर मानसिक दबाव का दौर शुरू होता है। यह दबाव दो तरह का होता है। एक तो समकक्ष छात्रों के बीच आगे-पीछे होने का दबाव। दूसरा परिवार की आर्थिक स्थिति का ख्याल आना। यह पाया गया है कि जो छात्र आत्महत्या कर रहे हैं, उनमें से ज्यादातर मध्यम-निम्न मध्यम परिवार के ही होते हैं। अपने ख्वाबों को हकीकत में तब्दील करने के लिए उनके माता-पिता अपनी तमाम जरूरतों पर पहरा बिठाते हुए, यहां तक कि कर्ज लेकर अपने बच्चों को यहां की कोचिंग में दाखिल कराते हैं। कहा जा रहा है कि दो महीने आंतरिक टेस्ट पर रोक छात्रों को भी तनाव के दौर से बाहर निकालने में मददगार होगी। लेकिन क्या इसे स्थायी समाधान कहा जा सकता है? इसका जवाब है- कतई नहीं। कोचिंग संस्थानों के लिए एक नियमित अंतराल पर अपने छात्रों को परखना जरूरी होता है। वे अभिभावकों से मोटी रकम वसूलते हैं, इस वजह से उन पर भी रिजल्ट देने का दबाव भी होता है। उनकी सारी दुकानदारी ही, इस आभामंडल पर टिकी हुई है कि 'वे कामयाबी की गारंटी हैं। उनके यहां अपने बच्चे को दाखिल कराने का मतलब बहुत हद तक कामयाबी के लिए सुनिश्चित हो जाना है।' सरकारी तंत्र भी इस पसोपेश में है कि कोचिंग संस्थानों को लेकर ऐसा क्या रास्ता निकाले क्योंकि अभिभावक खुद अपने बच्चों को लेकर उन तक पहुंचते हैं। ऐसा संभव भी नहीं कि सिरे से कोचिंग संस्थानों को बंद करने का आदेश जारी कर दिया जाए। दरअसल इस समस्या का समाधान खुद अभिभावकों के बीच से ही खोजा जा सकता है। हाल के वर्षों में एक नया ट्रेंड देखने को मिला है। एक वक्त हुआ करता था, जब ऊंचे पद साधन सम्पन्न परिवारों के लिए ही आरक्षित मान लिए जाते थे। लेकिन अब बहुत ही साधारण परिवारों के बच्चे बड़ी प्रतियोगी परीक्षाओं में कामयाबी हासिल कर रहे हैं। इस वजह से अब साधारण परिवारों में भी अपने बच्चों के बड़े पदों पर पहुंचने के ख्वाब देखे जाने लगे हैं और यहीं से माता-पिता का अपने बच्चों पर दबाव बढ़ने लगा है। छोटी कक्षाओं से ही माता-पिता अपने बच्चों की तुलना करने शुरू कर देते हैं। जिस दिन कॉपियां दिखाने का दिन होता है, ज्यादातर माता-पिता अपने बच्चे की कॉपियां देखने से ज्यादा दूसरे बच्चों का रिजल्ट जानने में दिलचस्पी रखते हैं। जैसे ही उन्हें पता चलता है कि उनका बच्चे ने दूसरे के मुकाबले कम अच्छा प्रदर्शन किया है, उनकी डांट-फटकार का सिलसिला शुरू हो जाता है। घर आए मेहमानों के बीच या दूसरे किसी अवसरों पर माता-पिता अपने बच्चों की पढ़ाई की तुलना दूसरे बच्चों से करते हुए दिखते हैं। यहीं से बच्चों में हीन भावना के साथ-साथ तनाव की प्रवृत्ति पैदा होती है। कोटा या किसी दूसरे शहर भेजने से पहले माता-पिता को यह जरूर समझना होगा कि हर बच्चा एक सा नहीं होता। हर बच्चे की क्षमता अलग-अलग होती है।

छात्रों में बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति ने पूरे देश को हिला कर रख दिया है। वहां की कोचिंग संस्थानों में दाखिला कराए अभिभावकों की बेचैनी खत्म करने को स्थानीय प्रशासन ने जो फौरी कदम उठाया है, वह यह है कि अगले दो महीने तक आंतरिक टेस्ट पर रोक लगा दी गई है। परीक्षा में शामिल होने से पहले कोचिंग संस्थान आंतरिक टेस्ट के जरिए आंकलन करते हैं कि छात्र सम्बंधित परीक्षा के लिए कितना तैयार हुआ है? उसके रिजल्ट सार्वजनिक किए जाते हैं। यहीं से छात्रों पर मानसिक दबाव का दौर शुरू होता है। यह दबाव दो तरह का होता है। एक तो समकक्ष छात्रों के बीच आगे-पीछे होने का दबाव। दूसरा परिवार की आर्थिक स्थिति का ख्याल आना। यह पाया गया है कि जो छात्र आत्महत्या कर रहे हैं, उनमें से ज्यादातर मध्यम-निम्न मध्यम परिवार के ही होते हैं। अपने ख्वाबों को हकीकत में तब्दील करने के लिए उनके माता-पिता अपनी तमाम जरूरतों पर पहरा बिठाते हुए, यहां तक कि कर्ज लेकर अपने बच्चों को यहां की कोचिंग में दाखिल कराते हैं।

दृष्टिकोण

विशेष सत्र की चिंता

देश में जब राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है, तब जनसभाओं, बैठकों और विशेष विमर्शों के विषय व मौके भी स्वाभाविक ही बढ़ गए हैं। जब केंद्र सरकार ने संसद के आगामी विशेष सत्र का एजेंडा स्पष्ट नहीं किया है, तब विपक्षी दलों की बेचैनी व सक्रियता को सहज ही समझा जा सकता है। यह सियासी बेचैनी या संशय का ही परिणाम है कि कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विशेष संसद सत्र के दौरान नौ मुद्दों पर चर्चा के लिए पत्र लिखा है। विशेष सत्र के दौरान किन मुद्दों को उठाने की सलाह सरकार को देनी है, इस पर चर्चा मंगलवार को विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेताओं के बीच भी हुई थी। चर्चा के कुछ मुद्दे मंगलवार को ही उजागर हो गए थे और अब आधिकारिक रूप से प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर विपक्ष ने अपनी ओर से दबाव बढ़ा दिया है। चुनाव जब करीब हों, तब ऐसी राजनीति स्वाभाविक है। इसमें भी कोई दोराय नहीं है कि लोगों का ध्यान खींचने के लिए भी ऐसी राजनीति होती है और लोग हर क्रिया के बाद प्रतिक्रिया का इंतजार करते हैं। जाहिर है, विपक्ष ने विशेष सत्र में चर्चा के विषय सुझाकर गेंद अब सत्ता पक्ष के पाले में डाल दिया है। अब कांग्रेस या विपक्ष ने जिन मुद्दों पर जोर दिया है, उन्हें देखना और समझना जरूरी है। विपक्ष ने महंगाई, बेरोजगारी, मौजूदा आर्थिक स्थिति, अडाणी समूह पर हालिया खुलासे पर भी चर्चा की मांग की है। देश के संघीय ढांचे पर कथित हमले, कई राज्यों में हाल ही में आई बाढ़, प्राकृतिक आपदाओं, भारत-चीन सीमा पर स्थिति, देश के विभिन्न हिस्सों में सांप्रदायिक तनाव की घटनाओं के साथ ही मणिपुर की मौजूदा स्थिति पर भी चर्चा की मांग हुई है। जाहिर है, अपने पत्र में सोनिया गांधी ने सत्र के लिए सरकार के एजेंडे में पारदर्शिता की कमी की ओर इशारा किया है। विशेष सत्र की घोषणा 31 अगस्त केंद्र सरकार ने की थी, पर अभी तक इस सत्र का एजेंडा स्पष्ट नहीं किया गया है। विपक्ष इस बात से भी नाखुश है कि विशेष सत्र बिना उससे परामर्श के बुलाया गया है। विपक्ष का यह भी आरोप है कि देश में संसद का विशेष सत्र बुलाते हुए पहली बार एजेंडा स्पष्ट नहीं किया गया है। 18 से 22 सितंबर के बीच यह सत्र होगा, जिसमें सरकार की ओर से यही संकेत है कि सामान्य कामकाज होगा। खैर, यह बात कोई भी समझ सकता है कि विशेष सत्र किसी विशेष मकसद से ही होने वाला है। खैर, सत्ता पक्ष अपना एजेंडा बाद में स्पष्ट करेगा, लेकिन विपक्ष ने अपना एजेंडा साफ बता दिया। कुछ संभावनाएं बिल्कुल स्पष्ट हैं कि अगर विपक्ष के मनमुताबिक विषय न हुए या विपक्ष के हिसाब से विषय नहीं उठाए गए, तो संसद के विशेष सत्र में हंगामा या बहिष्कार तय है। विपक्ष को बिना विश्वास में लिए सत्ता पक्ष सदन में अपने लिए परेशानी ही बढ़ाएगा।

मर्द प्रधान देश में अब महिला बन सकती है राष्ट्रपति 52 प्रतिशत प्रतिशत आबादी के बाद भी होता है भेदभाव

मैक्सिको ।

विश्व में महिलाएं हर मोर्चों में आगे बढ़ रही हैं। पूरी दुनिया की तरह मैक्सिको में भी महिलाओं का दबदबा बढ़ता जा रहा है फिर चाहे वह राजनीति हो या कोई अन्य क्षेत्र।21वीं शताब्दी की शुरुआत में मैक्सिकन महिलाओं ने राजनीति में प्रवेश किया। मैक्सिको में 2024 में राष्ट्रपति पद का चुनाव होने वाला है, जिसके लिए मैक्सिकन सत्तारूढ़ दल ने हाल ही में क्लाउडिया शीनबाम को राष्ट्रपति उम्मीदवार के रूप में नामित किया है तो वहीं जोचिटल गैल्वेज मुख्य विपक्षी दावेदार के रूप में नामित हुई हैं।

महिलाओं ने उम्मीदवार की घोषणा पर की टिप्पणी

मैक्सिको की पहली महिला राष्ट्रपति उम्मीदवार जोसेफिना वाजक्वेज मोटा ने शनिवार को कहा कि दोनों महिला उम्मीदवारों ने राजनीति में तब प्रवेश किया जब देश में पांच में से चार सीनेटर पुरुष थे। मुझे यकीन है कि यह एक ऐतिहासिक मोड़ साबित हो सकता है। सचिव मारिया डेल कारमेन का कहना है कि एक बार जरा कल्पना कीजिए कि मैक्सिको जैसे मर्दवादी देश में एक महिला राष्ट्रपति हो और यहां पुरुषों के बराबर महिलाओं का वेतन हो। वहीं, एंजेलिका रोड्रिग्ज का कहना है कि हमने इन नए बदलावों को महसूस करना शुरू कर दिया है। सिर्फ गर्भवती होने के कारण मैंने 20 साल पहले अपनी सरकारी खो दी थी। क्योंकि, यहां पुरुष सिर्फ पुरुषों को ही नौकरी देना चाहते थे।

महिलाओं के प्रति बढ़ी हिंसाएं

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में मैक्सिकन सुप्रीम कोर्ट ने गर्भपात को अपराध मानने वाले कानून को रद्द करने का ऐतिहासिक फैसला सुनाया था, जिसके कुछ ही दिन बाद सत्तारूढ़ दल ने राष्ट्रपति पद के लिए महिला उम्मीदवार की घोषणा की। मैक्सिको में 52 प्रतिशत जनसंख्या महिलाओं की है बावजूद इसके देश पुरुष प्रधान है। बता दें, वर्तमान में केवल होंडुरास और पेरू में ही महिला राष्ट्रपति हैं। अगर अगले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में शीनबाम या गैल्वेज की जीत होती है तो वे मैक्सिको सहित अमेरिका-कनाडा में आम चुनाव जीतने वाली पहली महिला होंगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, महिलाओं के प्रति भेदभाव और हत्याएं मैक्सिको में 2015 के बाद से दोगुनी से भी अधिक हो गई हैं। 2020 की जनगणना के अनुसार, 100 में चार नाबालिग लड़कियों का या तो विवाह हो चुका है या फिर वह वैवाहिक संबंधों में बंध चुकी हैं।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में बस दुर्घटना; छह की मौत, 50 घायल

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में रविवार को तेज रफ्तार बस पलट गई। हादसे में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और 50 अन्य घायल हो गए। बस एक धार्मिक सभा के लिए ईसाई तीर्थयात्रियों को ले जा रही थी। हादसा लाहौर से करीब 50 किलोमीटर दूर शेखूपुरा में हुआ। अधिकारियों के मुताबिक, बस ईसाई तीर्थयात्रियों को मरियमाबाद में राष्ट्रीय मैरियन श्राइन में धार्मिक सभा के लिए ले जा रही थी। खानका डोगरान, शेखुपुरा में एक मोड़ पर बस पलट गई। पुलिस और बचाव अधिकारी मौके पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। उन्होंने बताया कि छह यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है। बस में क्षमता से ज्यादा 60 यात्री सवार थे। मोड़ लेते समय चालक ने तेज रफ्तार वाहन पर से नियंत्रण खो दिया। पंजाब के कार्यवाहक मुख्यमंत्री मोहसिन नकवी ने दुर्घटना में लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया और स्वास्थ्य अधिकारियों को घायलों को सर्वोत्तम उपचार प्रदान करने का निर्देश दिया। मरियमाबाद में राष्ट्रीय मैरियन श्राइन 1949 से मैरी के जन्मोत्सव के लिए वार्षिक तीर्थयात्रा का स्थल रहा है। मरियमाबाद को मैरी शहर के नाम से भी जाना जाता है। पाकिस्तान में सड़क दुर्घटनाएं आम हैं। अगस्त में पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में ईंधन टैंक ले जा रही एक पिक-अप वैन से टकराने के बाद एक यात्री बस में आग लगने से 18 लोगों की मौत हो गई थी और 16 अन्य घायल हो गए थे।

सुबह-सुबह रूस का कीव पर हवाई हमला, 2 घंटे तक गूंजती रही विस्फोटक आवाज

कीव। रूस ने सुबह-सुबह यूक्रेन की राजधानी कीव पर हवाई हमले किए। अधिकारियों ने कहा कि कीव और उसके क्षेत्र में लगभग दो घंटे तक विस्फोट हुए और शहर के कई केंद्रीय जिलों पर ड्रोन का मलबा गिरा। हमले के पैमाने का तत्काल पता नहीं चल पाया है। कीव में कम से कम पांच विस्फोट सुनाई दिए गए और यूक्रेनी मीडिया फुटेज में कई कारें क्षतिग्रस्त दिखाई दीं। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने कहा कि ऐतिहासिक पोडिल पड़ोस में एक व्यक्ति घायल हुआ है और शहर के एक पार्क के पास आग लग गई है। क्लिट्स्को और शहर के सैन्य प्रशासन ने कहा कि ड्रोन का मलबा डार्नित्स्की, सोलोमियांस्की, शेवचेनकिव्स्की, स्वियातोशिन्स्की और पोडिल जिलों पर गिरा है। शेवचेनकिव्स्की जिले में, ड्रोन के मलबे से एक अपार्टमेंट में आग लग गई, जिस पर तुरंत काबू पा लिया गया। कीव के सैन्य प्रशासन के प्रमुख सेरही पोपको ने टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप पर कहा, किसी के घायल होने की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं है। हमलों के बारे में रूस की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई है। मॉस्को, यूक्रेन के क्षेत्र पर लगभग रात-रात हमले कर रहा है। बुधवार को पूर्वी शहर कोस्टियानटिनिव्का में रूसी हमले में 17 लोगों की मौत हो गई थी।

इजराइली सेना ने वेस्ट बैंक में फलस्तीनी किशोर को गोली मारी

यरूशलम । इजराइल के सुरक्षाबलों ने दक्षिणी वेस्ट बैंक में एक फलस्तीनी किशोर को गोली मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। फलस्तीन के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि यह वेस्ट बैंक में करीब दो दशक में इजराइल-फलस्तीन संघर्ष में हिंसा की ताजा घटना है। फलस्तीन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने मृतक की पहचान 16 वर्षीय मिलाद अल-राई के रूप में की है और कहा कि उसकी पीठ में गोलियां मारी गईं। मिलाद अल-राई की मौत से इस साल वेस्ट बैंक में अब तक इजराइल की गोलीबारी में मारे गए फलस्तीनियों की संख्या बढ़कर 185 हो गई है। मृतकों में 18 वर्ष तक की आयु के 30 किशोर शामिल हैं। इजराइली सेना ने कहा कि उसने दक्षिणी वेस्ट बैंक में अल-आरुब शरणार्थी शिविर के बाहर फलस्तीनियों के एक समूह पर आंसू गैस के गोले दागे और गोलियां चलाईं। उसने बताया कि फलस्तीनियों ने सैनिकों पर विस्फोटकों से हमला किया था। इजराइली सेना के मुताबिक, उसे एक फलस्तीनी को गोली मारे जाने की जानकारी है। उसने कहा कि इजराइली सैनिक भी हताहत हुए हैं। वेस्ट बैंक में इजराइली सेना की छापेमारी तेज होने के बाद से इजराइलियों के खिलाफ फलस्तीनियों के हमले बढ़ गए हैं।

राहुल गांधी जाएंगे नॉर्वे

राजधानी ओस्लो में प्रवासी कार्यक्रम को संबोधित करेंगे

ओस्लो।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी एक हफ्ते के यूरोप दौरे पर हैं। वे नॉर्वे की राजधानी ओस्लो जाएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वहां वे एक प्रवासी कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। राहुल जी20 समिट खत्म होने के 2 दिन बाद यानी 13 सितंबर को भारत लौट आएंगे। वे 5 सितंबर को यूरोप के लिए निकले थे।

पेरिस में स्टूडेंट्स के सवालों के जवाब दिए

राहुल पेरिस में साइंसेज पो यूनिवर्सिटी पहुंचे। जहां उन्होंने 90 मिनट्स विद राहुल गांधी इवेंट में हिस्सा लिया। इस सेशन के दौरान राहुल गांधी ने भारत की मौजूदा स्थिति और वर्ल्ड पॉलिटिक्स में भारत की भूमिका पर विचार रखे। स्टूडेंट्स ने उनसे सवाल-जवाब भी किए।

बेल्जियम में राहुल बोले- रूस-यूक्रेन जंग पर सरकार के साथ

ब्रसेल्स के प्रेस क्लब में राहुल गांधी ने कहा- हम रूस-यूक्रेन जंग पर देश के रुख का समर्थन करते हैं। रूस से हमारे अच्छे रिश्ते हैं। विपक्ष भी इस मुद्दे पर वही स्टैंड लेता जो सरकार ने लिया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान रूस और अमेरिका दोनों देशों के साथ संबंधों से जुड़े एक सवाल पर राहुल ने कहा- भारत एक बड़ा देश है। हमारे कई देशों के साथ संबंध और पार्टनरशिप है। भारत का हक है कि वो जिससे चाहे उससे रिश्ते रख सकता है।

राहुल बोले- भारत में गांधी-गोडसे विजन की लड़ाई

राहुल गांधी ने कहा- भारत में इस वक्त महात्मा गांधी और नाथूराम गोडसे के विजन के बीच लड़ाई है। लोकतंत्र और संस्थान पर हमला हुआ है। हिंसा-भेदभाव बढ़ा है। अल्पसंख्यक, दलित, आदिवासी और निचली जातियां पर हमला किया जा रहा है। अलायंस को लेकर सरकार घबराई हुई है। हम भारत की आवाज हैं। इसे लेकर प्रधानमंत्री डरे हुए हैं इसीलिए वो देश का नाम बदलना चाहते हैं। यह पूरा मुद्दा अडाणी पर मेरी प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद हुआ,

जिससे देश का ध्यान भटकाया जा सके। राहुल ने ब्रसेल्स में यूरोपीय यूनियन के सांसदों से मुलाकात की। राहुल की इन सांसदों से मुलाकात को एल्विना एल्मेत्सा ने होस्ट किया। उनके साथ पियरे लारोतुरो भी थे।

राहुल का साल का तीसरा विदेश दौरा

ये राहुल का इस साल का तीसरा विदेश दौरा है। इससे पहले वे मार्च में ब्रिटेन और जून में अमेरिका दौरे पर गए थे। बीते 9 साल में राहुल की 22 विदेश यात्राएं विवादित और सोशल मीडिया पर चर्चा में रही हैं। इनमें एक जर्मनी का वह दौरा भी जिसमें उन्होंने संसद में पीएम मोदी को गले लगाने का राज खोला था।

जून में 10 दिन के यूएस दौरे पर थे राहुल

राहुल गांधी इससे पहले 31 मई को अमेरिका के दौरे पर गए थे। 10 दिन की विजिट में उन्होंने वॉशिंगटन, न्यूयॉर्क, सैन फ्रांसिस्को में प्रवासी भारतीयों को भारत में लोकतंत्र, सुरक्षा और राजनीति के मुद्दे पर संबोधित किया था।

राहुल ने अमेरिका में क्या कहा था

1 जून, वॉशिंगटन, प्रेस क्लब- कांग्रेस नेता ने वॉशिंगटन डीसी के नेशनल प्रेस क्लब में मीडिया के सवालों के जवाब दिए थे। सांसदी जाने के सवाल पर राहुल ने कहा था- मुझे 1947 के बाद मानहानि के मामले में सबसे बड़ी सजा मिली है। मैंने संसद में अडाणी को लेकर स्पीच दी थी, जिसका मुझे तोहफा मिला। इसी वजह से मुझे डिस्क्वालिफाई कर दिया गया।

भारत में प्रेस आजाद नहीं, लोग बेरोजगारी-महंगाई से परेशान

राहुल ने कहा था- भारत में प्रेस की स्वतंत्रता कमजोर होती जा रही है और यह बात सभी जानते हैं। मुझे लगता है कि लोकतंत्र के लिए प्रेस की स्वतंत्रता और आलोचना को सुनना जरूरी है। मैं जो भी सुनता हूं उस पर विश्वास नहीं करता। मैं पूरे भारत में घूमा हूं। कन्याकुमारी से कश्मीर तक घूमा हूं। लाखों भारतीयों से सीधे बात की है। मुझे वो लोग खुश नहीं लगे और वो बेरोजगारी, महंगाई से बहुत परेशान हैं।

डोनाल्ड ट्रंप को वोट डालने और चुनाव लड़ने से रोकने दायर किया मुकदमा

वॉशिंगटन ।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को चुनाव लड़ने व वोट डालने से रोकने के लिए मुकदमा दायर किया है। इस तरह से ट्रंप की मुश्किलें अब बढ़ती ही जा रही हैं। मिली जानकारी के अनुसार डोनाल्ड ट्रंप को 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में प्रत्याशी बनने और मतदान करने से रोकने के लिए अमेरिका के कोलोराडो में सिटीजंस फॉर रिस्पॉन्सिबिलिटी एंड एथिक्स द्वारा मुकदमा दायर किया गया है।

डोनाल्ड ट्रंप पर आरोप लगाया गया कि उन्होंने संवैधानिक पद पर रहकर अपनी शपथ का उल्लंघन किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिका के संविधान में 14वें संशोधन की धारा 3, किसी को भी सार्वजनिक पद संभालने से रोकती है जो संविधान का बचाव करने की प्रतिज्ञा करने के बाद किसी विद्रोह में शामिल होते हैं। मुकदमे में कहा गया है कि डोनाल्ड ट्रंप ने जॉर्जिया 2020 के चुनाव में धांधली करने की कोशिश की। ट्रंप के प्रयास ने 6 जनवरी, 2021 को यूएस कैपिटल में हिंसा तक करवा दी। डेमोक्रेट जो बाइडन द्वारा जीते गए नवंबर 2020 के चुनाव के परिणामों को पलटने की साजिश रचने के आरोप में 77 वर्षीय ट्रंप पर मार्च में वॉशिंगटन में मुकदमा चलाया गया। ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर एक हालिया पोस्ट में, उन्हें राष्ट्रपति पद के चुनाव से हटाने के प्रयासों पर पलटवार करते हुए कहा कि उनके पास 'कोई कानूनी आधार नहीं है।' उन्होंने कहा, 'कट्टरपंथी वामपंथी कम्युनिस्टों, मार्क्सवादियों और फासीवादियों द्वारा फिर से चुनाव पर कब्जा करने के लिए इस्तेमाल की जा रही एक और 'चाल' है।' 25 अगस्त को डोनाल्ड ट्रंप ने जॉर्जिया चुनाव धोखाधड़ी मामले में सरेंडर किया था। यह मामला फुल्टन काउंटी जेल में चला।

शादी के तीन साल बाद पता चला भाई से हो गई शादी, सदमे में पत्नी

वॉशिंगटन ।

एक जोड़े को शादी के तीन साल बाद पता चला कि वो दोनों भाई-बहिन हैं। हालांकि उनकी जिंदगी आराम से गुजर रही थी, लेकिन इस राज के खुलते ही पत्नी सदमें आ गई है। अब लेकिन वह अपने पति को छोड़ने को तैयार नहीं है। जानकारी के मुताबिक यह कहानी उताह के रहने वाले टाइली और निक वॉटर्स की है, जो अपनी ज़िंदगी से जुड़े हुए वीडियो अक्सर सोशल मीडिया पर पोस्ट करते रहते हैं।

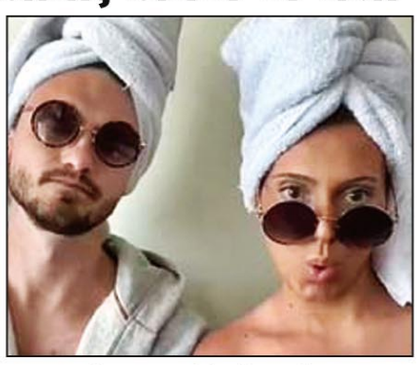

उन्होंने इस बार अपने फैंस को जो बताया, उसे सुनकर हर कोई हैरान हो गया। कपल का कहना है कि उन्हें अपनी शादी के 3 साल बाद पता चला कि वो दरअसल आपस में भाई-बहन हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक टाइली और निक वॉटर्स 3 साल से शादीशुदा हैं और उनकी लाइफ काफी अच्छी चल रही है। हालांकि उन्हें इसी बीच पता चला है कि वो दोनों आपस में कज़ंस हैं। अपने भाई-बहन होने की बात पर कपल का कहना है कि वे चाहते थे कि ये बात सच नहीं हो और ये एक मज़ाक हो लेकिन ऐसा नहीं है। पत्नी ने ये भी बताया कि सच जानकर भी वो अपने पति को सिर्फ इसलिए नहीं छोड़ेगी कि वो उसका भाई है। सोशल मीडिया पर इस वीडियो को 5.7 मिलियन यानि 57 लाख लोग देख चुके हैं और उन्होंने हज़ारों कमेंट्स भी किए हैं।

हालांकि डीएनए टेस्ट के बाद लोगों के सालों के रिश्ते का डरावना सच सामने आते सुना और पढ़ा है, लेकिन टाइली और निक ने ये नहीं बताया है कि उन्हें ये सच कैसे पता चला। लेकिन लोगों ने इस पर अपनी भरपूर प्रतिक्रिया दी है। कुछ लोगों ने कहा है कि ये सिर्फ पब्लिसिटी स्टंट है तो कई लोगों ने अपनी कहानियां भी बताईं और कहा कि वे भी ऐसी सच्चाई से दो-चार हो चुके हैं।

एशिया के लोग देर से सोते हैं: वो यूरोपीय देशों के मुकाबले कम गुणवत्ता की नींद ले पा रहे, 5 देशों के लोगों पर स्टडी

यूरोप।

अलग-अलग देशों में लोगों की नींद कैसे भिन्न होती है, इसकी जानकारी सीमित है। पिछले कुछ अध्ययन से ये तो पता चला है कि पूर्वी एशिया के लोग अमेरिका या यूरोप के लोगों की तुलना में कम सोते हैं। लेकिन, उनकी नींद की गुणवत्ता बेहतर है या बदतर इस पर कोई जानकारी नहीं है। लोगों में नींद की गुणवत्ता जानने के लिए नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर और ओरा हेल्थ, एक फिनिश स्लीप-टेक स्टार्टअप के रिसर्चर्स ने स्टडी की। स्टडी के दौरान दुनिया के 35 देशों के लोगों की नींद की आदतों को एनालाइज किया गया।

स्लीप पैटर्न की स्टडी की गई

इसके लिए साल 2021 और 2022 के बीच में स्लीपिंग एप से 2.2 लाख से ज्यादा लोगों के स्लीप पैटर्न की जानकारी इकट्ठा की गई। इस जानकारी से पता चला कि सभी देशों में नींद का पैटर्न काफी अलग-अलग होता है।

सबसे कम गुणवत्ता की नींद वाले लोग मुख्य रूप से एशियाई देशों में हैं। यहां के लोग सामान्य तौर पर रात में साढ़े छह घंटे से भी कम समय के लिए सोते हैं। ये दुनिया के बाकी हिस्सों की तुलना में लगभग 30 मिनट कम है। एशियाई लोगों को बिस्तर में जाने के बाद सोने में भी औसतन 35 मिनट ज्यादा लगते हैं। वे करवट बदलने में भी ज्यादा समय बिताते हैं।

इसके अलावा एशिया में लोग न सिर्फ देर से सोते हैं बल्कि दुनिया के अन्य हिस्सों के लोगों की तुलना में कम सोते हैं। उनकी नींद भी लगातार कम होती है। एक ओर बाकी देशों के लोग हफ्ते भर की नींद पूरी करने

के लिए वीकेंड पर 5 से 25 मिनट ज्यादा सोते हैं। वहीं, एशियाई लोग वीकेंड पर भी कम नींद लेते हैं।

स्लीपिंग पैटर्न पर लोगों के काम का बड़ा असर

शोधकर्ताओं का मानना है कि दुनिया भर में लोगों का काम भी नींद के पैटर्न को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इसके अलावा नींद के लिए बच्चों की देखभाल और सांस्कृतिक प्रथाएं भी कहीं ज्यादा मायने रखती है।

सरकारी गोपनीयता कानून-सेना अधिनियम में बदलाव के खिलाफ इमरान ने किया सुप्रीम कोर्ट का रुख

इस्लामाबाद ।

जेल में बंद इमरान खान ने सरकारी गोपनीयता कानून और पाकिस्तानी सेना कानून में किए गए बदलावों को चुनौती देते हुए उच्चतम न्यायालय का रुख किया। पूर्व प्रधानमंत्री खान और पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी पर वाशिंगटन में पाकिस्तान के दूतावास से एक गोपनीय राजनयिक केबल लीक होने के संबंध में सरकारी गोपनीयता कानून के उल्लंघन का आरोप है।

पीटीआई प्रमुख खान ने अपने वकील शोएब शाहीन के जरिए याचिका दायर की है जिसमें कहा गया है कि सरकारी गोपनीयता अधिनियम और पाकिस्तान सेना अधिनियम में किए गए संशोधन मानवाधिकारों के संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन हैं। याचिका में कहा गया है कि यह बदलाव शीर्ष अदालत का ध्यान सरकारी गोपनीयता अधिनियम में पेश किए गए संशोधनों की ओर आकर्षित करता है, जो गुप्त एजेंसियों को किसी भी अदालत से तलाशी वारंट प्राप्त किए बिना किसी भी नागरिक पर छापा मारने और हिरासत में लेने या

किसी भी स्थान पर किसी भी व्यक्ति के प्रवेश और तलाशी लेने का अधिकार देता है, उन्हें अनैतिक और संविधान का उल्लंघन करार देता है।

इसमें में तर्क दिया गया है कि संशोधन संविधान के विभिन्न अनुच्छेदों का उल्लंघन है, जो नागरिक स्वतंत्रता की गारंटी देते हैं, जिसमें स्वतंत्रता, गरिमा, स्वतंत्र भाषण, निष्पक्ष सुनवाई और कानून के तहत उचित प्रक्रिया शामिल है। याचिका में यह भी कहा गया है कि राष्ट्रपति ने सेना संशोधन अधिनियम और सरकारी गोपनीयता अधिनियम पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं, जो संविधान के कई अनुच्छेदों का उल्लंघन है।

याचिका पर सुनवाई के लिए अभी तारीख तय नहीं की गई है। पाकिस्तान सेना अधिनियम 1952 और सरकारी गोपनीयता अधिनियम 1923 को पिछले महीने निचले और ऊपरी सदनों और कथित तौर पर राष्ट्रपति कार्यालय से पारित होने के बाद संशोधित किया गया था। अन्य खंडों के अलावा आधिकारिक गोपनीयता (संशोधन) अधिनियम 2023 किसी व्यक्ति को अपराध का दोषी ठहराता है यदि वे जानबूझकर सार्वजनिक व्यवस्था की समस्या पैदा करते हैं या राज्य के खिलाफ कार्य करते हैं।

97 साल की फिटनेस आइकॉन: बिस्तर पर एक्सरसाइज, बाथरूम में पुशअप से दिन शुरू करती हैं इलेन; 4 साल में 2 किताबें पब्लिश

वॉशिंगटन। अमेरिका की इलेन लालेन 97 साल की उम्र में भी फिटनेस इंडस्ट्री की आदर्श बनी हुई हैं। उनका सुबह का व्यायाम अक्सर बिस्तर से उठने से पहले ही शुरू हो जाता है। बिस्तर के ऊपर लेटकर, वह दो दर्जन जैकनाइफ (पेट का एक तरह का व्यायाम) करती हैं। बाथरूम में पुश-अप करने के बाद वो घर में बने जिम में कुछ देर ट्रेडमिल पर दौड़ती हैं। इलेन का कहना है कि प्रतिदिन 20 मिनट का व्यायाम उनके लिए काफी है। लेकिन, उनकी सबसे बड़ी ताकत ये है कि, वो हर सुबह खुद को याद दिलाती हैं- आपको विश्वास करना होगा कि आप कर सकते हैं। इस विश्वास ने न सिर्फ उन्हें चोटों और मानसिक चुनौतियों के दौरान शारीरिक तौर पर एक्टिव रखा बल्कि, इससे उन्हें खुद से दशकों छोटी उम्र के व्यक्ति जैसे जीवन जीने में भी मदद मिली। बीफिट एंटरप्राइजेज चलाती हैं इलेन लगभग छह दशकों तक वह टेलीविजन फिटनेस पर्सनेलिटी जैक लालेन की पत्नी और बिजनेस पार्टनर दोनों थीं। जैक को व्यापक रूप से अमेरिका के आधुनिक फिटनेस आंदोलन का जनक माना जाता है। जैक स्वाभाविक तौर पर शोमैन थे। इलेन पर्दे के पीछे काम करना पसंद करती थीं। इलेन न सिर्फ टीवी शो बल्कि दर्जनों फिटनेस गैजेट, खाद्य उत्पाद और देश भर में 100 से ज्यादा जगहों पर खोले गए जिम का प्रबंधन देखती थीं। 2011 में जैक की मृत्यु के बाद अभी भी इलेन अपने परिवार का व्यवसाय बीफिट एंटरप्राइजेज चलाती हैं। पिछले चार सालों में इलेन ने बढ़ती उम्र के साथ फिटनेस पर दो किताबें प्रकाशित की हैं। वो एक डॉक्यूमेंट्री और फिल्म भी बना रही हैं।

परिवर्तन जरूर होगा लेकिन इस बार राज का नहीं, रिवाज का बनेगा इतिहास : संयम लोढ़ा

सिरोही/जयपुर (हिंस)। सिरोही विधायक एवं मुख्यमंत्री सलाहकार संयम लोढ़ा ने भारतीय जनता पार्टी की परिवर्तन यात्रा व रैली पर तंज कसते हुए कहा कि इस बार प्रदेश में परिवर्तन जरूर होगा लेकिन वह राज का नहीं रिवाज का होगा। कई दशक बाद प्रदेश में कोई सरकार रिपीट होगी और वह वर्तमान कांग्रेस की सरकार फिर से सत्ता में आएगी। जन आक्रोश यात्रा या परिवर्तन यात्रा से आम जनता को गुमराह कर सत्ता में आने के ख्वाब देख रही भाजपा को कुछ हाथ नहीं लगेगा उनका ख्वाब ख्वाब ही रह जायेगा। भाजपा रोज नए-नए तरीके एवं हथकंडे अपना कर आम जनता को गुमराह करने का हर संभव प्रयास कर रही है पहले भाजपा ने प्रदेश में जन आक्रोश यात्रा निकाली जो पूरी तरह से फ्लॉप शो साबित हुई और अब बिना किसी नेतृत्व के परिवर्तन यात्रा लेकर आई है। इस यात्रा में भी ना तो कार्यकर्ता शामिल है और ना ही आम जनता। कार्यकर्ता और आम

जनता ने भाजपा की दोनों ही यात्राओं को पूरी तरह से नकार दिया है। यात्राओं की लगातार विफलता, पार्टी में गुटबाजी से भाजपा नेता परेशान हो चुके हैं। भाजपा की यह परिवर्तन यात्रा अब केवल संभावित दावेदारों की बायोडाटा यात्रा बनकर रह गई है। मुख्यमंत्री सलाहकार एवं विधायक संयम लोढ़ा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के पास पूरे प्रदेश में कोई चेहरा नहीं है कोई विजन नहीं है। इस कारण वह बिना किसी चेहरे के मोदी के मुखौटे को आगे कर चुनाव लड़ रही है। भाजपा के प्रदेश में एक दर्जन सीएम घूम रहे हैं, जनता में अपनी लड़ाई को छिपाने के लिए मोदी के नाम का सहारा लिया जा रहा है लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी आमजन त्रस्त हो चुकी है। महंगाई चरम सीमा पर है जिस पर भाजपा के नेताओं के पास कोई जवाब नहीं है और मोदी के खिलाफ बोलने की किसी में हिम्मत नहीं हैं। लोढ़ा ने कहा कि राज्य में चुनाव आते ही भाजपा अपने आपको किसानों की हमदर्द और हितैषी बताने लगी है। देश एवं प्रदेश का किसान भाजपा की असलियत जान चुका है और अब वह इनके झांसे में नहीं आने वाला है। भाजपा महिलाओं के सम्मान की बात करती है जबकि भाजपा के प्रधानमंत्री अपनी धर्मपत्नी को ही सम्मान नहीं दे रहे हैं तो ऐसी पार्टी देश में या प्रदेश में क्या महिलाओं का सम्मान करेगी। उन्होंने जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत से सवाल किया कि वे बताए जवाई पुनर्भरण प्रोजेक्ट सात साल से दिल्ली में लटका हुआ क्यों है। माही व्यास समझौते की क्रियान्विति क्यों नही कर रही है, जालोर, सिरोही व बाड़मेर के किसानो को केंद्र सरकार के खिलाफ हाईकोर्ट में जाकर क्यों लड़ना पड़ रहा है। मुख्यमंत्री सलाहकार एवं विधायक संयम लोढ़ा ने कहा कि प्रदेश में भाजपा का कार्यकर्ता चुनाव से पहले ही हथियार डाल चुका है, जिसका उदाहरण जन आक्रोश यात्रा एवं परिवर्तन यात्रा की विफलता है। प्रदेश में वर्तमान कांग्रेस सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं एवं कर्मचारियों के हित की नीतियों के बलबूते पर भारी बहुमत से वर्तमान कांग्रेस सरकार रिपीट होगी और परिवर्तन राज का नहीं रिवाज का होगा।

व्यापारियों के हितों को लेकर सरकार बेहद संजीदा : सुनीता दुग्गल

सिरसा (हिंस)। रविवार को व्यापारी सम्मेलन हरियाणा व्यापारी कल्याण द्वारा नई अनाज मंडी सिरसा में व्यापारी सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसमें सिरसा की सभी ट्रेड यूनियनों ने भाग लिया। सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि सिरसा लोकसभा सांसद सुनीता दुग्गल ने शिरकत की, जबकि समारोह की अध्यक्षता हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड के चेयरमैन बालकिशन अग्रवाल ने की। मंच संचालन चेयरमैन गंगाराम गुप्ता ने बखूबी किया। इस मौके पर सांसद सुनीता दुग्गल ने कहा कि सरकार व्यापारियों के हितों को लेकर संजीदा है और लगातार व्यापारियों के हितों में नीतियां बनाकर उनके व्यापार को विस्तार देने का काम किया जा रहा है। सांसद ने सम्मेलन में उपस्थित व्यापारियों को सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी। आढ़ती एसोसिएशन

के प्रधान मनोहर लाल मेहता ने मंडी में आ रही परेशानियों बारे विस्तार से बताया। इसके साथ साथ उन्होंने चेयरमैन गंगाराम गुप्ता का एक दुकान-एक लाइसैंस की समस्या का हल करवाने के लिए आभार व्यक्त किया। शहर में व्यापारियों को आ रही परेशानियों,जिसमें विशेष तौर पर सीएलयू व एनडीसी मिलने में आ रही दिक्कतों से अवगत करवाया। सम्मेलन में उपस्थित विभाग के अधिकारियों को हिदायत दी गई कि वे व्यापारियों की समस्याओं का तुरंत प्रभाव से समाधान करें। दस समारोह में लगभग व्यापार से संबंधित सभी अधिकारी उपस्थित थे। समारोह में हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड ये वाईस चेयरमैन श्रीनिवास गोयल, गोबिंद कांडा, पदमजैन, किशन मेहता, चन्द्र जैन, सुरेश गोयल कालांवाली, रमेश अनेजा, संजय गोयल, अभय शाह, बजरंग सिंगला, सीताराम बटनवाला व अन्य व्यापारी उपस्थित थे।

2024 का चुनाव जीतने के लिए फील्ड में उतरेंगे हजारों विस्तारक : ओम प्रकाश धनखड़

सिरसा (हिंस)। रविवार को सिरसा लोकसभा स्तर के प्रशिक्षण शिविर में प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ ने अल्पकालीन विस्तारकों को संगठनात्मक व आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। व्यक्तित्व विकास के महत्वपूर्ण टिप्स भी दिए। उन्होंने प्रशिक्षण को सीखने और सिखाने की सबसे बड़ी विशेषता बताई। उन्होंने कहा कि सभी अल्पकालीन विस्तारक फील्ड में जाकर पार्टी की नीतियों, केंद्र सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं, राज्य सरकार के कार्यों और उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का काम करें। प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ ने कहा कि भाजपा के अल्पकालीन विस्तारक मिशन 2024 के लिए पार्टी की मजबूत आधारशिला रखेंगे। एक नई ऊर्जा, नई उमंग, नए उत्साह के साथ यहां से फील्ड में जाएंगे। उन्होंने बताया कि पूरे प्रदेश में पार्टी के 4400 अल्पकालीन विस्तारक दो दिन के प्रशिक्षण के बाद पांच दिनों तक शक्ति केंद्रों पर रहेंगे और वहां पर बूथों को और अधिक मजबूत करने का काम करेंगे। प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ ने कहा कि पार्टी ने योजना तैयार की है कि हजारों की संख्या में हमारे अल्पकालिक विस्तारक सात दिन का समय दान करेंगे। शक्ति केंद्रों पर जाकर संगठन गढे चलो के मंत्र को आत्मसात करते हुए उसे अधिक मजबूत करने की दिशा में काम करेंगे। वे सभी शक्ति केंद्र के बूथों पर जाकर भाजपा के बूथ स्तरीय पदाधिकारियों से मिलेंगे। उन्होंने बताया कि इसके अलावा वहां के राजनीतिक और सामाजिक परिस्थितियों का अध्ययन करते हुए वहां के लोगों मिलेंगे तथा केंद्र व राज्य सरकार की अब तक की उपलब्धियों व योजनाओं को बताएंगे। सांसद सुनीता दुग्गल ने कार्यशाला में अपने विचार रखते हुए संगठन विस्तारक योजना के उद्देश्यों के बारे में चर्चा की तथा केंद्र सरकार की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया।

गांधी परिवार पर भाजपा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष रामबिलास शर्मा की विवादित टिप्पणी

भिवानी (हिंस)। हरियाणा भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष रहे रामबिलास शर्मा अपने चुटीले ब्यानों के कारण हमेशा जाने जाते रहे है। अब उन्होंने भिवानी में दो दिवसीय विस्तारक प्रशिक्षण शिविर के दौरान गांधी परिवार को लेकर टिप्पणी की है। रामबिलास शर्मा से जब पत्रकारों ने मुख्यमंत्री द्वारा जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान एक महिला द्वारा फैक्ट्री लगाकर रोजगार दिए जाने की बात मुख्यमंत्री द्वारा विवादित रूप से चंद्रयान-4 का जिक्र किए जाने के सवाल का जवाब देने की बजाए रामबिलास शर्मा ने इशारों ही इशारों में कहा कि समझदार मां अपने सुंदर बच्चे को काला टीका लगाती है। ऐसे ही कुछ हमने कुछ इटालियन पाल रखे है। उनका इशारा गांधी परिवार की तरफ था। उनके इस ब्यान का अर्थ था कि प्रधानमंत्री मोदी के अच्छे कामों पर काले टीके लगाने का कार्य गांधी परिवार करता है। रामबिलास शर्मा ने यह भी कहा कि भिवानी में आयोजित विस्तारक प्रशिक्षण शिविर

के माध्यम से भाजपा ने वर्ष 2024 के चुनावों की तैयारियां शुरू कर दी है। हरियाणा प्रदेश के 90 विधानसभाओं में भाजपा ने 311 मंडल केंद्रों की स्थापना की है तथा 4400 शक्ति केंद्रों की स्थापना की है। इसके साथ ही प्रदेश के सभी 19 हजार 800 बूथों पर समितियों का गठन कर दिया है तथा हरियाणा प्रदेश में 3 लाख 46 हजार पन्ना प्रमुखों की टीम तैयार की है। इस प्रशिक्षण शिविर के बाद यह कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर केंद्र सरकार के साढ़े 9 वर्ष व व राज्य सरकार के 9 वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाएंगे तथा जनता के फीड बैक को भी पार्टी तक पहुंचाएंगे, ताकि भविष्य में राज्य की प्रगति के लिए प्रयोग होने वाले उपायों को अपनाया जा सकें। प्रशिक्षण शिविर में पहुंचे भिवानी-महेंद्रगढ़ से सांसद धर्मबीर सिंह ने कहा कि जी-20 सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से भारत, मध्य पूर्व व यूरोप के बीच एक मेगा इक्रोमिक कॉरिडोर बनने पर सहमति हुई है। इससे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यापार बढ़ेगा। जिसमें इस कोरिडोर में 8 देशों का पैसा लगेगा, जिससे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयात-निर्यात व क्रूड ऑयल के आवागमन में आसानी होगी। इस गलियारे के बनने से यूरोप व अमेरिका भारत से सीधे रूप से जुड़े पाएंगे।

उदयनिधि स्टालिन का जलाएंगे पुतला, संत समाज करेगा प्रदर्शन

बीकानेर (हिंस)। सनातन धर्म के खिलाफ अभद्र टिप्पणियां सुनने के बाद बीकानेर के संत समाज ने एक आवश्यक मीटिंग सुजानदेसर स्थित रामझरोखा कैलाशधाम में रखी। संत समाज की ओर से मंगलवार को कोटगेट पर सनातन धर्म के खिलाफ बोलने वालों का पुतला जलाया जाएगा। बीकानेर संत समाज के अध्यक्ष सरजूदासजी महाराज ने बताया कि बीते दिनों तमिलनाडू के मुख्यमंत्री के बेटे उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म को लेकर की गई टिप्पणी से संत समाज आक्रोशित है। उन्होंने कहा कि इस तरह के बयान केवल राजनीतिक फायदे के लिए-दिए जाते हैं, लेकिन संत समाज यह चेतावनी देता है कि सनातन के खिलाफ बोलने वालों को बख्शा नहीं जाएगा उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई होगी। श्रीनवलेश्वर मठ के संत योगी विलासनाथ महाराज ने कहा कि गुजरात के स्वामीनारायण मंदिर से संबंधित

ऐसे कई वीडियो आए हैं जहां स्वामीनारायण संप्रदाय के स्वामियों ने अपने प्रवचन (उपदेश) के दौरान नाथ सम्प्रदाय के खिलाफ व हिंदू देवताओं के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि मंगलवार को सुबह 11 बजे कोटगेट पर सनातन धर्म के खिलाफ बोलने वालों का पुतला जलाया जाएगा और जरुरत पड़ी तो ऐसे सनातन धर्मविरोधी टिप्पणी करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी। संत समाज की इस बैठक में योगी महंत सूरजनाथ, योगी महंत रामनाथ, योगी ओमनाथ, योगी महंत सुभाषगिरी, प्रहलाददासजी, रामदासजी, शंकरगिरीजी, गिरधारीनाथ, अशोकनाथजी, योगी दीपकनाथजी एवं अमरीन पुरी जी महाराज उपस्थित रहे। गौरतलब है कि तमिलनाडु सीएम एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन ने हाल ही में एक बयान में सनातन धर्म की तुलना डेंगू से करते हुए कहा था कि सनातन का बस विरोध नहीं किया जाना चाहिए, इसे समाप्त ही कर देना चाहिए। ये धर्म सामाजिक न्याय और समानता के खिलाफ है। उन्होंने यह भी कहा कि हम डेंगू, मलेरिया या कोरोना का विरोध नहीं कर सकते, हमें इसे मिटाना है।

सड़क हादसे में दंपति सहित 3 की मौत 4 घायल

पलवल (हिंस)। पलवल में राष्ट्रीय राजमार्ग -19 पर रविवार को ट्रक के पीछे चल रही एक कार अचानक ब्रेक लगाने से ट्रक के नीचे जा घुसी। हादसे में शनिदेव के दर्शन कर लौट रहे कार सवार दंपती सहित तीन की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। सभी फरीदाबाद के रहने वाले हैं। कोकिलावन (उत्तर प्रदेश) से शनिदेव के दर्शन कर लौट रहे थे। पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर शवों का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया। कैंप थाना प्रभारी सत्यनारायण ने बताया कि फरीदाबाद निवासी धीरज भाटिया ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि उसका 43 वर्षीय भाई मनीष भाटिया फरीदाबाद में ही फोटो कॉपी की दुकान चलाता था। शनिवार शाम को भाई मनीष भाटिया अपने 50 वर्षीय दोस्त राजकुमार जायसवाल की कार में कोकिलावन (यूपी) शनिदेव के दर्शन करने मंदिर पर गए थे। कार में उनके अलावा मनीष की 38 वर्षीय पत्नी दर्शना, 17 वर्षीय बेटी वाणी, आठ वर्षीय बेटा माधव व राजकुमार की 42 वर्षीय पत्नी गीतांजलि और दस वर्षीय बेटी आहना भी थी। कार राजकुमार चला रहा था। कोकिलावन से शनिदेव के दर्शन करने के बाद रात में अपने घर लौटते समय करीब दो बजे पलवल में ओमेक्स सिटी के निकट नेशनल हाईवे-19 पर कार के आगे चल रहे ट्रक ने अचानक ब्रेक लगा दी। ट्रक के अचानक ब्रेक लगाने से उनकी कार ट्रक में जा घुसी। हादसे में कार सवार सातों सवारियां घायल हो गईं। राहगीरों की मदद से सभी घायलों को कार से निकाल कर जिला नागरिक अस्पताल पहुंचा दिया गया। जिला नागरिक अस्पताल में चिकित्सकों ने मनीष भाटिया, भाभी दर्शना व राजकुमार को मृत घोषित कर दिया। जबकि अन्य घायलों की गंभीर हालत देखते हुए उन्हें दूसरे अस्पतालों में रेफर कर दिया गया। घायलों को फरीदाबाद ले गए परिजन सूचना मिलने पर पहुंचे परिजन घायलों को उपचार के लिए फरीदाबाद अस्पताल ले गए। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी चालक ट्रक को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया।

भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा को मिल रहा है प्रभावी जनसमर्थन : चतुर्वेदी

जयपुर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि परिवर्तन संकल्प यात्रा को पूरे प्रदेश भर में जनता का प्रभावी समर्थन मिल रहा है। भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ ही आमजन में यात्रा को लेकर भारी जोश और उत्साह है। डॉ. चतुर्वेदी रविवार को संकल्प यात्रा की शुरुआत से पहले बांदीकुई में पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। इस अवसार पर केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर और सांसद जसकोर मीणा ने संबोधित किया। यात्रा संयोजक अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था बिल्कुल अस्त-व्यस्त हो चुकी है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों पर नजर डालें तो प्रदेश अपराध में एक नंबर पर आ गया है। प्रदेश में बहन-बेटियां और महिलाएं डर के माहौल में जी रही हैं। आए दिन दुष्कर्म एवं उत्पीड़न की घटनाएं हो रही हैं। देश में सबसे महंगी बिजली राजस्थान में मिल रही है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में बिजली मुफ्त नहीं, बिजली मुक्त प्रदेश बना दिया है। केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि जी-20 की मेजबानी करने और इस दौरान तैयार घोषणा पत्र के समर्थन में सभी सदस्य देशों ने निर्विरोध रूप से मोहर लगाई है। यह हमारे देश के लिए बड़ी उपलब्धि है।

प्रधानमंत्री मोदी खुद को भूमिपुत्र कहते थे, आज करोड़ों के काफिले में चल रहे हैं : प्रियंका गांधी

टोंक (हिंस)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सियासी हमला बोला। उन्होंने कहा कि जो प्रधानमंत्री अपने आप को भूमि पुत्र कहते थे वो करोड़ों के काफिले में चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोग सत्ता में आते ही भूल जाते हैं, उन्हें सत्ता में कौन लाया है। गहलोत सरकार की तारीफ करते हुए कांग्रेस महासचिव ने कहा कि महंगाई से आमजन को राहत दिलाने के लिए राजस्थान सरकार कैंप लगा रही है। प्रियंका ने राजस्थानी में भाषण की शुरुआत करते हुए डिग्गी कल्याणजी और धन्ना भगत के जयकारे लगवाए। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी रविवार को टोंक जिले के निवाई में सभा को संबोधित कर रही थीं। इस अवसर पर उन्होंने इंदिरा रसोई ग्रामीण लांच की और लाभार्थियों से संवाद किया। उल्लेखनीय है कि अब तक शहरों में आठ रुपए में खाने की योजना चल रही थी। इसी तर्ज पर अब कस्बों और गांवों में भी एक हजार इंदिरा रसोई के माध्यम से आठ रुपए में भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। प्रियंका ने कहा कि यह चुनाव राजनीतिक दलों के बीच का चुनाव नहीं है, यह चुनाव आपके भविष्य का चुनाव है। जैसे ही भाजपा की सरकार राजस्थान में वापस आएगी, आपकी सारी स्कीम बंद कर देगी। सारे जनहित के काम बंद हो जांएगे। फिर भी अगर आप वोट नहीं देंगे तो खुद का ही नुकसान करेंगे। केन्द्र सरकार पर हमला बोलते हुए प्रियंका ने कहा कि आज महंगाई चरम पर है। गैस सिलेंडर 1000 रुपए का है, इसे गरीब आदमी कैसे खरीदेगा। केंद्र से पूछना चाहिए

इतनी महंगाई क्यों है? राजस्थान सरकार जो जनता को दे रही है, वह उनका हक है। आज मैं एक लड़की से मिली, जिसके हाथ में मोबाइल था। उसने कहा कि मुझे गहलोत सरकार ने दिया है। प्रियंका ने प्रधानमंत्री मोदी पर आरोप लगाते हुए कहा कि वे विदेश में जाकर अपने उद्योगपति मित्रों के लिए डील करते हैं। भाजपा की नीतियां केवल अमीरों को आगे बढ़ाने में है, उनके पास गरीब और मिडिल क्लास के लिए कुछ नहीं है। जबकि गहलोत सरकार का ध्यान केवल आपके विकास और आपको आगे बढ़ाने पर गया है। प्रियंका ने कहा कि दो तरह के नेता होते हैं। एक नेता होता है, जो सेवा को ही परम धर्म समझता है और दूसरा अहंकार और घमंड रखता है। आप ऐसे नेता चुनिए, जिनमें जनता के प्रति श्रद्धा हो। ऐसे नेता चुनिए जो आपकी मुश्किलें नहीं बढ़ाए, जो आपकी मुश्किलें कम करें। आप कांग्रेस की सरकार को फिर चुनिए।

सनातन धर्म पर कुठाराघात ठीक नहीं : नायब सैनी

यमुनानगर (हिंस)। यमुनानगर के शादीपुर स्तिथ श्रीमद् दयानंद महाविद्यालय एवम वैदिक साधन गुरुकुल आश्रम में रविवार को दयानंद सरस्वती की 200वीं जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में श्रावणी पर्व एवम योगिराज कृष्ण जन्मोत्सव समारोह मनाया गया। इस मौके पर कुरुक्षेत्र के बीजेपी सांसद नायबसिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। उनके साथ गुजरात राज्यपाल के ओएसडी राजेन्द्र विद्यालंकार, आर्य प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष राधा कृष्ण, कुरूक्षेत्र गुरुकुल के जयपाल आर्य, पूर्व मंत्री कर्णदेव कांबोज भी शामिल रहें। कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में कुरुक्षेत्र के सांसद नायब सिंह सैनी ने कहा कि स्वामी दयानंद सरस्वती आधुनिक भारत के चिंतक और आर्य समाज के संस्थापक रहे। जिन्होंने देश-विदेश में संस्कारिक शिक्षा देने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि बच्चों को संस्कारिक देना हमारी प्राचीन परंपरा रही है। गुरुकुल में शिक्षा लेने के बाद बच्चों के जीवन में एक अनुशासनात्मक परिवर्तन आता है। ऋषि, मुनियों की प्राचीन पद्धति से बच्चे आज गुरुकुल में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। उन्होंने सनातन धर्म पर उठाए गए सवालों को लेकर कहा कि कुछ लोग कुठाराघात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म हमारा प्राचीन धर्म है। इससे पहले मुगलों और अंग्रेजों ने भी कई कुठाराघात किए लेकिन हमारी पद्धति को नहीं छीन सकें। उन्होंने कहा कि योग शिक्षा से पूरी दुनिया आज हमारा अनुसरण कर रही है। उन्होंने कहा कि आज हमारे देश के लिए गर्व की बात है। कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरी दुनिया भर के महा शक्तिशाली राष्ट्र अध्यक्ष आज हमारे देश में पहुंचे हैं और भारत इसकी अध्यक्षता कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सबका साथ सबका विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी स्वामी दयानंद सरस्वती की संस्कारिक पद्धति को अपनाए और फिर विकास की ओर जाए। इस मौके पर बड़ी संख्या में गुरुकुल अध्यापक, अभिभावक व बच्चे शामिल रहें।

बड़ा खुलासा: 30 किमी नदी तैरकर पहुंचे पाकिस्तान

दो दिन बाद 50 किलो हेरोइन संग लौटे पंजाब के दो तस्कर

जालंधर (पंजाब)। पांच लाख रुपए के लालच में पंजाब के दो तस्कर 30 किलोमीटर तक रावी नदी में तैरकर पाकिस्तान पहुंचे। सरहद पार दो दिन रुकने के बाद वहां से 50 किलो हेरोइन लेकर रावी के रास्ते भारत फिर लौटे। सरहद पर कड़ी निगरानी के तमाम दावों के वाबजूद किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी। हेरोइन की खेप के साथ गिरफ्तार तस्कर जोगा सिंह के इस खुलासे ने सीमा सुरक्षा पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। जालंधर में 17 अगस्त को 8 किलो हेरोइन के साथ गिरफ्तार लुधियाना के जोगा सिंह ने पूछताछ में बताया कि फिरोजपुर के टेंडीवाला निवासी उसका जीजा शिंदर नशा बेचता है। उसने जोगा सिंह की मुलाकात काला सिंह और रंगी से कराई थी। काला सिंह ने जोगा सिंह को लालच दिया कि वह रंगी के साथ पाकिस्तान से हेराइन लेकर आए तो उसे पांच लाख रुपए दिए जाएंगे। 30 जुलाई 2023 को जोगा सिंह व रंगी ने पाकिस्तान जाने की तैयारी की। दोनों सुलतान गांव के पास रात करीब 10 बजे रावी में उतर गए। दोनों ने अपने साथ पांच-पांच लीटर की खाली कैन बांध ली थी, ताकि वह रावी में डूब न जाएं। सारी रात जोगा सिंह व रंगी नदी में तैरते रहे और अगली सुबह चार बजे तक करीब 30 किलोमीटर का सफर तय कर पाकिस्तान पहुंचे। पानी में रहने के कारण शरीर काफी सुन्न हो गया था। 31 जुलाई की सुबह चार बजे तीन लोगों ने टॉर्च की लाइट का इशारा कर नदी से निकाला। जोगा सिंह ने बताया कि तीनों उन्हें एक कच्चे घर में लगे गए। वहां कपड़े बदलवाए गए और रंगी की बात भारत में काला सिंह से करवाई गई। सात बजे नाश्ता दिया गया और बाद में कहा कि यहां पर कोई आ सकता है इसलिए मक्की के खेत में ले गए। शाम को रोटी-पानी देकर पाकिस्तानी तस्कर चले गए। एक अगस्त की सुबह आठ बजे नाश्ता देने तस्कर फिर आए थे। सूत्रों के अनुसार जोगा सिंह ने पूछताछ में बताया कि उन्हें एक अगस्त को रात 10 बजे खाना दिया गया और धान के खेतों में दो किलोमीटर पैदल लेकर नदी किनारे ले जाया गया। इस दौरान रास्ते में कोई पाक रेंजर्स नजर नहीं आया। नदी के पास एक तस्कर और मिला, जिसके पास दो बोरे थे। एक बोरे में 22 पैकेट हेराइन भरी थी। इसे तिरपाल में कसकर लपेटा और जोगा सिंह की बाजू से बांध दिया। इसी तरह 25 पैकेट वाली बोरी रंगी ने बांध ली। वहां से पानी का बहाव भारत की ओर काफी तेज था। रात को 12 बजे उन्हें यह कहकर नदी में उतार दिया गया कि पानी का बहाव आपको गांव टेंडीवाल ही लेकर जाएगा। महज चार घंटे में ही हम गांव टेंडीवाल पहुंच गए, जहां पर काला सिंह हमें रिसीव करने के लिए खड़ा था। हेरोइन ठिकाने लगाने के बाद आठ बजे के करीब जोगा सिंह व रंगी वापस अपने गांव टेंडीवाल पहुंच गए थे। जोगा सिंह लुधियाना के लाडोवाल का रहने वाला है। 2005 में सातवीं कक्षा तक पढ़ने के बाद खेतीबाड़ी करने लगा और साथ-साथ सतलुज किनारे शराब निकालने लगा। 2021 में पुलिस ने उसे लाहन के साथ पकड़ लिया था। जुलाई 2023 में परिवार के साथ झगड़ा कर बहन कोड़ा बाई पत्नी शिंदर सिंह निवासी टेंडीवाल (फिरोजपुर) के पास चला गया। एसएसपी जालंधर देहात ने बताया कि जोगा सिंह नशे की खेप देने गोराया आया था। इसकी भनक पुलिस को लग गई। पुलिस ने गोराया के गांव धुलेता में नाकाबंदी कर रखी थी। जोगा सिंह मोटरसाइकिल पर जैसे ही नशे की खेप देने पहुंचा तो उसे पुलिस ने काबू कर लिया। जोगा सिंह मोटरसाइकिल पर आठ किलोग्राम हेरोइन एक बैग में डालकर ले जा रहा था। जांच के दौरान यह बात सामने आई है कि आरोपी रंगी और मस्तंगी के पास करीब 6.5 किलोग्राम हेरोइन है और दोनों ड्रग तस्करों को पकड़ने के लिए पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं। तस्कर जोगा सिंह व रंगी रावी नदी के बहाव के साथ पाकिस्तान गए थे और वहां दो दिन रुकने के बाद हेरोइन की खेप के साथ भारत लौटे थे। यह बात जांच में साफ हो चुकी है।

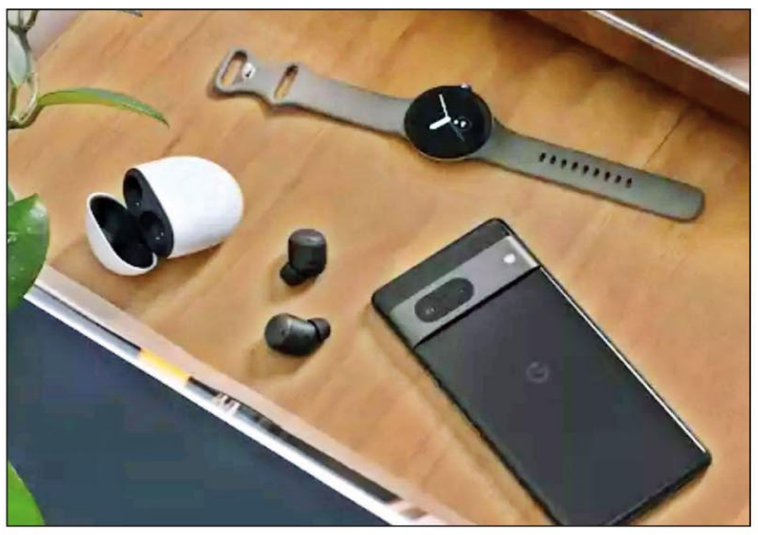

4 अक्टूबर को होगा मेड बाय गूगल ग्लोबल इवेंट : दो स्मार्टफोन और पिक्सल वॉच-2 होंगे लॉन्च, भारत में एक दिन बाद कर सकेंगे प्री ऑर्डर

नई दिल्ली।

टेक कंपनी गूगल का ग्लोबल इवेंट मेड बाय गूगल 4 अक्टूबर को होगा। इसमें गूगल पिक्सल 8 और पिक्सल 8 प्रो और गूगल पिक्सल वॉच 2 लॉन्च किए जाएंगे। कंपनी ने कंफर्म किया है कि तीनों डिवाइस ग्लोबल मार्केट के साथ भारत में भी लॉन्च किए जाएंगे। खास बात ये है कि अभी तक गूगल ने भारत में अपनी कोई भी स्मार्टवॉच लॉन्च नहीं की थी। यह देश में गूगल की पहली स्मार्टवॉच होगी। कंपनी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर वीडियो शेयर कर लॉन्च डेट की जानकारी दी है। कंपनी ने पोस्ट के जरिए खुलासा किया है कि तीनों डिवाइस खास तौर पर ई-कॉमर्स वेबसाइट फ्लिपकार्ट पर अवेलेबल होगें। भारत में तीनों डिवाइस 5 अक्टूबर से अवेलेबल होंगे।

गूगल पिक्सल वॉच 2: एक्सपेक्टेड स्पेसिफिकेशन -डिस्प्ले : मीडिया रिपोर्ट की माने तो गूगल पिक्सल वॉच 2 में कंपनी 1.2 इंच की ओएलईडी डिस्प्ले दे सकती है, जिसमें 384 × 384 पिक्सल की रेजोल्युशन मिलेगी। हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर : परफॉर्मेंस के लिए वॉच में स्नैपड्रैगन जेन 1 प्रोसेसर दिया जा सकता है। स्मार्टवॉच 4 पर काम करेगी। बैटरी : पावर बैकअप के लिए पिक्सल वॉच 2 में 306 की बैटरी दी जा सकती है। मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि ऑलवेज-ऑन डिस्प्ले एनेबल होने पर भी बैटरी में 24 घंटे से ज्यादा का पावर बैकअप मिल सकता है।

पिक्सल 8 और पिक्सल 8 प्रो: एक्सपेक्टेड स्पेसिफिकेशन - डिस्प्ले : कंपनी दोनों स्मार्टफोन में 120॥5 रिफ्रेश रेट के साथ 6.17 इंच का डिस्प्ले दे सकती है। डिस्प्ले की रेजोल्युशन 1440 एक्स 3120 पिक्सल होने की उम्मीद है। हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर : परफॉर्मेंस के लिए दोनों फोन में टेंसर जी3 प्रोसेसर दिया जा सकता है। दोनों स्मार्टफोन लेटेस्ट एंड्रॉयड 14 ऑपरेटिंग सिस्टम पर वर्क करेंगे। बैटरी : मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पावर बैकअप के लिए कंपनी पिक्सल 8 में 4,484 और पिक्सल 8 प्रो में 4,950 की बैटरी दे सकती है। दोनों फोन में फास्ट वायरलेस चार्जिंग का सपोर्ट मिलेगा। कैमरा : फोटोग्राफी के लिए दोनों फोन में ट्रिपल कैमरा सेटअप मिल सकता है। पिक्सल 8 में 50एमपी का प्रायमरी + 12एमपी का अल्ट्रा-वाइड सेंसर और टाइम-ऑफ-फ्लाइट सेंसर मिल सकता है। वहीं, पिक्सल 8 प्रो में 64एमपी का प्रायमरी कैमरा + 64एमपी का अल्ट्रा-वाइड और 49एमपी टेलीफोटो कैमरा शामिल है।

न्यूज ब्रीफ

अडाणी एंटरप्राइजेज में प्रमोटरों ने 2.06 प्रतिशत एडिशनल हिस्सेदारी खरीदी: टोटल हिस्सेदारी अब 71.93 प्रतिशत हुई, ग्रुप का मार्केट-कैप 11 लाख करोड़ के पार

मुंबई। अडाणी एंटरप्राइजेज के प्रमोटरों ने 21 अगस्त से 7 सितंबर के बीच कंपनी में 2.06 प्रतिशत एडिशनल हिस्सेदारी हासिल की है। ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी ने एक रेगुलेटरी फाइलिंग में यह जानकारी दी। इसके साथ अडाणी एंटरप्राइजेज में प्रमोटर की टोटल हिस्सेदारी बढ़कर अब 71.93 प्रतिशत हो गई है। भारतीय बाजार के नियमों के मुताबिक, प्रमोटर्स किसी कंपनी में 75 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सेदारी हासिल नहीं कर सकते। केम्पास ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट लिमिटेड द्वारा 21 अगस्त से 22 अगस्त के बीच 0.61 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी गई। वहीं बची हुई 1.46 प्रतिशत हिस्सेदारी इनफिनिट ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट लिमिटेड द्वारा 30 अगस्त से 7 सितंबर के बीच खरीदी गई है। दोनों कंपनियां अडाणी ग्रुप की प्रमोटर्स हैं। यह खबर कंपनी द्वारा अपनी फ्लैगशिप कंपनी में प्रमोटर की हिस्सेदारी 69.87 प्रतिशत घोषित करने के तीन सप्ताह बाद आई है। 7 अगस्त से 18 अगस्त के बीच केम्पास ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट ने कंपनी में 2.22 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी थी। अडाणी ग्रुप का टोटल मार्केट कैप 11 ट्रिलियन रुपए यानी 11 लाख करोड़ रुपए को पार कर गया। ग्रुप ने 8 सितंबर को अपने मार्केट कैप में 7,039 करोड़ रुपए जोड़े, जिससे उसकी 10 लिस्टेड कंपनियों की टोटल मार्केट वैल्यू 11.02 ट्रिलियन रुपए हो गई, जो गुरुवार को 10.96 ट्रिलियन रुपए थी। मार्च 2023 की शुरुआत से अडाणी ग्रुप के शेयरों ने हिंडनबर्ग रिपोर्ट के बाद काफी हद तक रिकवर किया है, जिससे उसके मार्केट कैप में करीब 5 ट्रिलियन रुपए का इजाफा हुआ है।

स्ट्राइडर ने भारत की पहली मैग्नीशियम साइकिल लॉन्च की: कॉन्टिनो गैलेक्टिक 27.5टी में डुअल डिस्क ब्रेक, कीमत 28 हजार रुपए

नई दिल्ली। टाटा इंटरनेशनल की सब्सिडियरी कंपनी स्ट्राइडर साइकिल्स ने भारत में साइकिलों की कॉन्टिनो रेंज लॉन्च की है। इसमें कॉन्टिनो गैलेक्टिक 27.5टी को पेश किया गया है। कंपनी का दावा है कि ये भारत की पहली मैग्नीशियम फ्रेम वाली साइकिल है। कंपनी ने इसकी कीमत 27,896 रुपए रखी है। कॉन्टिनो गैलेक्टिक 27.5टी देश भर में स्ट्राइडर साइकिल रीटेल स्टोर्स पर अवेलेबल है और इसे कंपनी की वेबसाइट के साथ ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अमेजान से भी खरीदा जा सकता है। साइकिल मिलिट्री ग्रीन और ग्रे कलर में अवेलबल है। मैग्नीशियम फ्रेम ट्रेडिशनल एल्यूमीनियम फ्रेम की तुलना में हल्के और मजबूत होते हैं, जो ऑफ-रोडिंग के लिए आईडियल माने जाते हैं। ये वाइब्रेशन को ज्यादा अब्जॉर्ब करता है। इससे राइडिंग आरामदायक बनाने में मदद कर सकता है। कॉन्टिनो गैलेक्टिक 27.5टी कई फीचर्स से लैस है। इसमें डुअल डिस्क ब्रेक, स्मूथ गियर शिफ्टिंग के लिए फ्रंट और रियर डिरेलियर, लॉक-इन/लॉक-आउट टेक्नीक के साथ फ्रंट सस्पेंशन फोर्क शामिल हैं। साइकिल की टॉप स्पीड 21 है।

भारत का विदेशी डेट सर्विस रेश्यो 5.3 फीसदी है- निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली। देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2022-23 के डेट लोन के आंकड़ों की जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि मार्च 2023 के अंत में डेट 624.7 बिलियन अमेरिकी था। यह 5.3 फीसदी का अनुपात है। यह क्रॉस-कंट्री के मुताबिक मामूली है। सितंबर 2023 में भारत का विदेशी डेट 2022-23 रिपोर्ट जारी किया गया। इस रिपोर्ट की प्रस्तावना में सीतारमण ने कहा कि 2022-23 के मार्च के अंत में सकल घरेलू उत्पाद में विदेशी डेट का अनुपात एक साल पहले के 20 फीसदी से घटकर 18.9 फीसदी हो गया। इसके आगे उन्होंने कहा कि लॉन्ग-टर्म डेट 79.4 प्रतिशत है, वहीं शॉर्ट टर्म डेट 20.6 प्रतिशत है। यह आयात के फाइनेंस के लिए खर्च किया जाता है। यह विदेशी डेट की स्थिरता को बढ़ाता है। निर्मला सीतारमण ने कहा कि देश की डेट स्थिती निम्न और मध्यम-आय वाले देशों की तुलना में बेहतर है। यह कई मापदंड़ों की मदद से मापा जाता है।

इंटरनेट से डेटा पूरी तरह डिलीट करना बहुत मुश्किल

सोशल मीडिया पर ध्यान रखें कुछ बातें, हमेशा रहेंगे सुरक्षित

नई दिल्ली।

आज की दुनिया में सोशल मीडिया के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। यह वो जरिया है, जिसकी मदद से आज हम अपने दोस्तों-रिश्तेदारों की खोज-खबर भी रखते हैं। नौकरी भी पाते हैं, शॉपिंग भी करते हैं और अपना मनोरंजन भी करते हैं। सोशल मीडिया का ये तो एक अच्छा पहलू है, लेकिन इसके बहुत सारे साइड इफेक्ट्स भी हैं। सोशल मीडिया पर आप फ्री में इतने मजे और इतने फायदे इसीलिए उठा पाते हैं, क्योंकि आप वहां पर प्रोडक्ट हैं। सोशल मीडिया कंपनियां आपकी पसंद और नापसंद को हर पल आंकती रहती हैं और आपका पूरा यूजर एक्सपीरियंस इसी आधार पर बनता है।

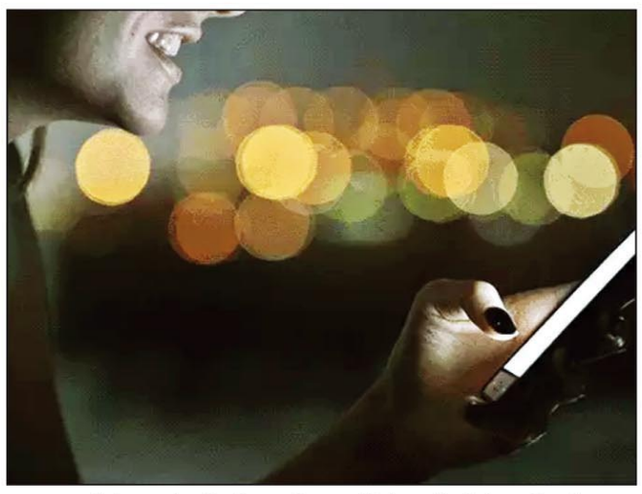

इसलिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते समय अगर कुछ बातों का ध्यान रखेंगे तो न केवल आपका पर्सनल डेटा सुरक्षित रहेगा, बल्कि आपका एक्सपीरियंस भी शानदार रहेगा। आइए टेक एक्सपर्ट अभिषेक तैलंग से जानते हैं ऐसे ही कुछ आसान, लेकिन महत्वपूर्ण तरीकों के बारे में:

1. इंटरनेट पर डेटा डिलीट नहीं होता!

इंटरनेट की डायरेक्ट्री में कोई भी डेटा एक बार दर्ज हो गया तो उसे पूरी तरह से डिलीट बहुत मुश्किल होता है। इसीलिए सोशल मीडिया पर अपनी बेहद निजी जानकारियां कभी भी ना डालें। जैसे घर का पता, फोन नंबर या फाइनेंशियल डेटा। फोटो-वीडियो शेयर करते वक्त भी ये सब पहले सोचें।

ऑनलाइन कुछ भी ऐसा पोस्ट ना करें, जिसे आप एक फीसदी भी निजी मानते हों और जिसके लीक होने से आपको कोई नुकसान हो सकता है।

2. टू फैक्टर अथेंटिकेशन इनेबल करें

सोशल मीडिया पर टू फैक्टर अथेंटिकेशन किसी सुरक्षा कवच की तरह होता है, जिसे भेदना आसान नहीं होता। अगर ये इनेबल है तो भले ही आपका पासवर्ड हैक हो जाए, लेकिन आपके अकाउंट तक बगैर दूसरे अथेंटिकेशन के कोई घुस ही नहीं सकता, फिर चाहे वो आपके आइरिस स्कैन हो या फिंगरप्रिंट्स या फिर इसलिए इस सेटिंग को जरूर इनेबल करके रखें।

3. प्राइवेसी सेटिंग्स का ध्यान रखें

सोशल मीडिया पर आपके पर्सनल डेटा की सेफ्टी के लिए जो पहला पहरेदार खड़ा होता है, वो है आपके फोन और उस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दी गई प्राइवेसी सेटिंग्स। वक्त-वक्त पर और हर अपडेट के बाद इन प्राइवेसी सेटिंग्स पर नजर डालते रहें। जैसे कि यह देखें कि आपकी पोस्ट्स उस प्लेटफॉर्म पर किस-किस को दिखती है आपके कॉन्टैक्ट्स, फ्रेंड्स की एक्सेस किसे-किसे हैं आपके फोटो कौन-कौन देख सकता है और सबसे महत्वपूर्ण, आपकी लोकेशन का एक्सेस कहीं ऑप्शन पर तो सिलेक्ट नहीं है

4. दोस्त पर भी विश्वास ना करें

चूंकि आजकल हम इतने सजग तो हो गए हैं कि किसी अनजान द्वारा भेजे गए चैट या लिंक को एंटरटेन नहीं करते हैं। तो अब हैकर्स ने दूसरा रास्ता अपना लिया है। वे किसी दोस्त का सोशल मीडिया अकाउंट हैक करते हैं और फिर आपका। ये सब किसी चैट या हाइपरलिंक्स की मदद से होता है। चैट पर आपको कोई चीज डाउनलोड करने को या किसी लिंक पर क्लिक करने को बोला जाएगा, जो आपके दोस्त द्वारा भेजा गया होगा। आपको लगेगा कि यह आपके दोस्त ने तो भेजा है तो आप उस पर क्लिक कर देंगे या उसे डाउनलोड कर लेंगे। बस, आप भी फंस जाएंगे। इसलिए अगर थोड़ा-सा भी संदेह हो या लगे कि आपका दोस्त सोशल मीडिया या चैट पर अजीब व्यवहार कर रहा है तो सतर्क हो जाएं।

5. इनेक्टिव अकाउंट्स पर नजर रखें

समय के साथ सोशल मीडिया पर आपकी फ्रेंड लिस्ट बढ़ती जाती है, जिनमें से कुछ को तो आप जानते हैं, पर फ्रेंड लिस्ट में काफी लोग ऐसे होते हैं, जिनसे आप ना तो कभी मिले होते हैं और ना ही आप रोजाना उनसे इंटरैक्ट करते हैं और कई तो इनेक्टिव होते हैं। तो अपनी फ्रेंड लिस्ट में से हर दो महीने में एक बार ऐसे फ्रेंड्स को बाहर का रास्ता दिखाते रहें। ऐसे इनेक्टिव अकाउंट्स पर ही हैकर्स सबसे पहले कब्जा जमाते हैं और फिर उनके जरिए आपके अकाउंट में सेंधमारी की कोशिश करते हैं।

तेल तिलहन बाजार में मिलाजुला रहा कारोबार, मांग कमजोर रहने से तेल तिलहन कीमतों में गिरावट आई

नई दिल्ली।

देश के थोक तेल-तिलहन बाजार में कारोबार का मिलाजुला रुख देखा गया। एक ओर मांग कमजोर रहने और सस्ते आयातित तेलों की बहुतायत के दवाब में मूंगफली तेल तिलहन कीमतों में गिरावट आई, वहीं पहले भाव कम रहने की वजह से सोयाबीन तिलहन और मामूली मांग निकलने से बिनौला तेल कीमतों में मामूली सुधार है। सरसों तेल तिलहन, सोयाबीन तेल, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल की कीमतें पूर्वस्तर पर बंद हुईं। सूत्रों ने कहा कि मूंगफली की अगली फसल अगले महीने राजस्थान में आना शुरु हो जायेगी।

इसके अलावा सस्ते आयातित तेलों की बहुतायत के दवाब और इसके मुकाबले मूंगफली तेल तिलहन का दाम लगभग दोगुना बैठने की वजह से मांग कमजोर होने के कारण मूंगफली तेल तिलहन कीमतों में गिरावट है। सोयाबीन के भाव पहले काफी कम थे और उसमें मामूली सुधार है। फसल की कमी के बीच हल्की मांग होने के कारण बिनौलातेल कीमत में भी सुधार आया। उन्होंने कहा कि खुले बाजार में सरसों अपने न्यूनतम समर्थन मूल्य एमएसपी: से 10 से 12 प्रतिशत नीचे बिक रहा है जबकि देशी सूरजमुखी एमएसपी से 20 से 30 प्रतिशत नीचे है। तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे: सरसों तिलहन 5,450-5,500 (42 प्रतिशत कंडीशन का भाव) रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली 7,340-7,390 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) 17,800 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली रिफाइंड तेल 2,605-2,890 रुपए प्रति टिन, सरसों तेल दादरी 10,000 रुपए प्रति क्विंटल, सरसों पक्की घानी 1,705 -1,800 रुपए प्रति टिन, सरसों कच्ची घानी 1,705 -1,815 रुपए प्रति टिन, तिल तेल मिल डिलिवरी 18,900-21,000 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली 9,750 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर 9,700 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल डीगम, कांडला-8,025 रुपए प्रति क्विंटल, सीपीओ एक्स-कांडला 7,900 रुपए प्रति क्विंटल, बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा) 8,450 रुपए प्रति क्विंटल, पामोलिन आरबीडी, दिल्ली 9,150 रुपए प्रति क्विंटल, पामोलिन एक्स कांडला- 8,250 रुपए (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल, सोयाबीन दाना 5,065-5,160 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन लूज 4,830-4,925 रुपए प्रति क्विंटल और मक्का खल (सरिस्का) 4,015 रुपए प्रति क्विंटल।

सीबीडीसी का बढ़ेगा दायरा, अक्टूबर तक कॉल मनी मार्केट में लॉन्च हो सकता है डिजिटल रुपी का पायलट प्रोजेक्ट

नई दिल्ली।

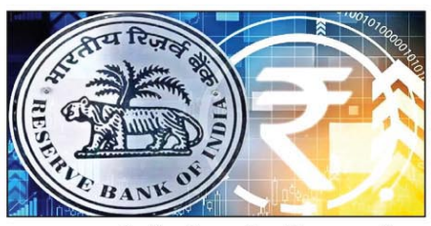

भारतीय रिजर्व बैंक सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी यानी सीबीडीसी का इंटरबैंक उधार और कॉल मनी मार्केट में पायलट प्रोजेक्ट अक्टूबर में शुरू कर सकता है। आरबीआई के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अजय कुमार चौधरी की ओर से ये जानकारी दी गई है। होलसेल सीबीडीसी, जिसे डिजिटल रुपी-होलसेल के नाम से भी जाना जाता है। इसे एक नंवबर, 2022 को लॉन्च किया गया था। फिलहाल इसका इस्तेमाल गवर्मेंट सिक्योरिटीज में लेनदेन के लिए सेकेंडरी मार्केट में किया जा रहा है।

अगले महीने तक हो सकता है लॉन्च

जी20 शिखर सम्मेलन में आए चौधरी की ओर से कहा गया कि आरबीआई होलसेल सीबीडीसी को कॉल मार्केट में इस महीने या अगले महीने लॉन्च किया जा सकता है। वित्त मंत्री निर्मल सीतारमण की ओर से सीबीडीसी को शुरू करने का एलान वित्त वर्ष 2022-23 के बजट में किया गया था।

आरबीआई ने इन 9 बैंकों को सीबीडीसी के लिए चुना

आरबीआई की ओर से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, यस बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एचएसबीसी को होलसेल पायलट प्रोजेक्ट के लिए चुना है।

रिटेल डिजिटल रुपी का पायलट प्रजोक्ट कब शुरु हुआ

सेंट्रल बैंक की ओर से सीबीडीसी के रिटेल अवतार का पायलट प्रोजेक्ट एक दिसंबर, 2022 को शुरू किया गया था। सीबीडीसी भारत की पेपर करेंसी का ही डिजिटल अवतार है। इसे आरबीआई से पेपर करेंसी की तरह से मान्यता प्राप्त होती है। जी20 शिखर सम्मेलन में आरबीआई की ओर से भारत की डिजिटल क्रांति को प्रदर्शित किया गया है।

खरीद सकते हैं सस्ता सोना, भारतीय रिजर्व बैंक ने इश्यू प्राइस 5,923 रुपए प्रति ग्राम रखा है

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक लोगों को सस्ता सोना खरीदने का मौका दे रहा है। इस सोने को आप बाजार भाव से कम कीमत में खरीद सकते हैं। सस्ता सोना सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम के तहत खरीदा जा सकता है। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की दूसरी सीरीज जारी कर दी है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम के तहत सस्ता सोना खरीदने के लिए पांच दिन का समय दिया जा रहा है। 11 सितंबर से 15 सितंबर तक सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम सदस्यता के लिए खुला रहेगा। सोना ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड दोनों तरीके से खरीदा जा सकता है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेशक 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने में निवेश करते हैं यानी 99.9 फीसदी प्योर गोल्ड में निवेश किया जा सकता है। 8 सितंबर को जारी नोटिफिकेशन के अनुसार सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम की दूसरी सीरीज के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने इश्यू प्राइस 5,923 रुपए प्रति ग्राम रखा है। 99.9 फीसदी प्योर गोल्ड गोल्ड को आप फिजिकल या ऑनलाइन तरीके से खरीद सकते हैं। अगर ऑनलाइन तरीके से खरीदते हैं तो 50 रुपए प्रति ग्राम डिस्काउंट दिया जाएगा। इससे कीमत घटकर 5,873 रुपए प्रति ग्राम हो जाएगा। अगर निवेशक इस स्कीम के तहत सोना में निवेश करते हैं तो लोगों को निर्धारित मूल्य पर 2.50 फीसदी का छमाही आधार पर ब्याज दिया जाएगा। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड का मैच्योरिटी पीरियड 8 साल का है। वहीं पांच साल के बाद कस्टमर्स के पास इससे बाहर निकलने का विकल्प होगा। इस स्कीम के सेकेंड सीरीज के तहत सस्ता सोना स्टॉक होल्डिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, पोस्ट ऑफिस और मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों, एनएसई और बीएसई के जरिए खरीदारी की जा सकती है। डीमैट अकाउंट के तहत इसमें निवेश कर सकते हैं। इस बॉन्ड के तहत भारतीय निवासी, अविभाजित हिंदू परिवार, न्यासों, विश्वविद्यालयों और धर्मार्थ संस्थाएं निवेश कर सकते हैं। एक व्यक्ति को एक साल में अधिकतम 4 किलो सोना खरीदने की अनुमति है। वहीं ट्रस्ट और संस्थाएं एक साल में 20 किलो सोना खरीद सकते हैं।

अशनिर ग्रोवर के सवाल पर इनकम टैक्स डिपार्टमेंट का जवाब

स्टार्ट-अप इन्वेस्टर से पर्सनल-आईटीआर की डिटेल मांग सकता है डिपार्टमेंट

नई दिल्ली।

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने कहा है कि विभाग किसी भी इन्वेस्टर से उसकी पर्सनल आईटीआर डिटेल मांग सकता है। इस डिटेल से विभाग यह पता लगाता है कि इन्वेस्टमेंट की राशि इन्वेस्टर के पर्सनल आईटीआर में दिखाई गई इनकम के हिसाब से सही है या नहीं। इस बात की जानकारी इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने भारत-पे के एक्स-को-फाउंडर अशनीर ग्रोवर के (ट्विटर) के जरिए पूछे गए एक सवाल के जवाब में दी है।

अशनीर ग्रोवर ने क्या कहा था - अशनीर ग्रोवर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट किया। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा- पिछले एक महीने में कई स्टार्ट-अप को टैक्स नोटिस मिले हैं, जिसमें उनके शेयर होल्डर्स की जानकारी देने को कहा गया है। इस पर अशनीर ग्रोवर ने कहा- किसी कंपनी के पास उसके इन्वेस्टर्स की आईटीआर डिटेल कैसे और क्यूं होगी

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने क्या कहा - इसके जवाब में डिपार्टमेंट ने कहा कि डिटेल मांगने का कारण शेयर होल्डर्स की साख स्थापित करना है। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने इनकम टैक्स एक्ट 1961 की धारा 68 का हवाला देते हुए कहा- एसेसिंग ऑफिसर ने अपने अधिकारों के तहत ही इन्वेस्टर्स से आईटी डिटेल की मांग की है। एओ का काम इन्वेस्टर की पहचान रखना, निवेशकों की साख को देखना और ट्रांजेक्शन कितना रियल है, इसकी डिटेल रखना है।

वित्त मंत्री ने कहा- 2047 तक हर साल 48.2 करोड़ आईटीआर फाइल होंगे - वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि देश में आईटीआर फाइल करने वालों की संख्या 2047 में बढ़ कर 48.2 करोड़ हो जाएगा। इसका मतलब यह है कि इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए तक 10 करोड़, 2036 तक 20 करोड़, 2041 तक 30 करोड़ और 2045 तक 40 करोड़ आईटीआर के आंकड़े को पार करना होगा।

अब केवल 10 दिनों में प्रोसेस होगा वेरिफाइड आईटीआर - सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेस ने इनकम टैक्स रिटर्न वेरिफाई होने के बाद उसके प्रोसेस होने की टाइमिंग घटाकर 10 दिन कर दी है। सीबीडीटी ने बताया कि असेसमेंट ईयर 2022-23 के लिए इसकी टाइमिंग 16 दिन और उसके पहले 2019-20 में यह 82 दिन की थी। इस साल टोटल 6.98 करोड़ रिटर्न फाइल किए गए हैं, जिनमें से 6 करोड़ यानी करीब 88 प्रतिशत का वेरिफिकेशन पूरा हो गया है।

क्रेडिट स्कोर 750 से अधिक है तो होम लोन ट्रांसफर कराना हो सकता है फायदे का सौदा, बचत करने में मिलेगी मदद

नई दिल्ली। खुद का घर लेना हर किसी का सपना होता है। इसके लिए लोग बड़ी संख्या में होम लोन लेना भी पसंद करते हैं। कई बार देखा जाता है कि अधिक ब्याज दर आदि के कारण होम लोन की ईएमआई लोगों के लिए मुसीबत बन जाती है। ऐसे में होम लोन बैलेंस ट्रांसफर एक अच्छा विकल्प है। आइए जानते हैं इसके फायदे। होम लोन ट्रांसफर का एक बड़ा फायदा यह है कि आप अपने होम लोन को उस बैंक में शिफ्ट कर सकते हैं, जो कि सबसे कम ब्याज पर लोन दे रहा हो। आमतौर पर देखा जाता है कि कई बैंक नए ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए ऑफर के जरिए कम ब्याज पर लोन देते हैं। कई बार होम लोन ट्रांसफर कराते समय आप अपने लोन को फ्लोटिंग से फिक्स्ड और फिक्स्ड से फ्लोटिंग पर अपनी सुविधा अनुसार स्विच करा सकते हैं। इससे आप अपना लोन मैनेजमेंट कुशलतापूर्वक कर पाएंगे। होम लोन ट्रांसफर के जरिए आप कम ब्याज पर लोन देने वाले बैंक का चुनाव कर सकते हैं। इससे आपको अपनी ईएमआई का बोझ कम करने में भी मदद मिलती है।

शाहरुख खान जैसे एक्टर की भारत को जरुरत : कंगना

-एक्ट्रेस ने शाहरुख खान की जमकर की प्रशंसा

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड के सुपरस्टार शाहरुख खान को सिनेमा का भगवान बताते हुए एक्ट्रेस कंगना रनौत ने कहा कि ऐसे अभिनेता की भारत को जरूरत है। कंगना ने जवान का एक पोस्टर और शाहरुख के लिए एक लंबा नोट भी पोस्ट किया। फिल्म जवान को उसके शुरूआती दिन में दर्शकों से भारी प्रतिक्रिया मिलने के बाद, कंगना रनौत ने शाहरुख खान की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर पूरी जवान टीम की प्रशंसा की। कंगना ने अपनी पोस्ट में लिखा, 90 के दशक का परम प्रेमी लड़का बनने से लेकर 40 से लेकर 50 के दशक के मध्य तक अपने दर्शकों के साथ अपने संबंध को फिर से स्थापित करने के लिए एक दशक के लंबे संघर्ष तक और अंततः 60 साल की उम्र में सर्वोत्कृष्ट भारतीय जन सुपरहीरो के रूप में उभरने तक। (लगभग) वास्तविक जीवन में भी सुपरहीरो से कम नहीं है। कंगना रनौत के मुताबिक, शाहरुख खान की प्रतिकूल परिस्थितियां इस क्षेत्र के अन्य कलाकारों के लिए एक मास्टरक्लास के रूप में काम करती हैं। करियर लंबा है लेकिन उसे दोबारा खोजना और स्थापित करना होगा। शाहरुख सिनेमा के भगवान हैं जिनकी भारत को जरूरत है। आपकी लगन, मेहनत और विनम्रता को नमन किंग खान। उन्होंने यह भी लिखा, पूरी टीम को बधाई। मालूम हो कि शाहरुख ने जवान के प्रचार कार्यक्रमों के लिए कई स्थानों का दौरा किया। चेन्नई में, उन्होंने एक महत्वपूर्ण प्री-रिलीज समारोह में भाग लिया। उनकी दुबई यात्रा के दौरान जवान का ट्रेलर बुर्ज खलीफा में प्रदर्शित किया गया था। उन्होंने जम्मू में माता वैष्णो देवी के पवित्र मंदिर में भी पूजा-अर्चना की। हाल ही में उन्होंने तिरूपति के श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में आशीर्वाद लिया। बिजनेस एनालिस्ट तरण आदर्श के अनुसार, फिल्म ने पहले ही दुनिया भर में अग्रिम बुकिंग में 51.17 करोड़ रुपये की प्रभावशाली कमाई कर ली है, और यह शुरूआती दिन से आगे निकलने में कामयाब रही है। उन्होंने ट्वीट किया, ब्रेकिंगः #जवान ने बॉक्स ऑफिस पर रिलीज से पहले ही हाफ सेंचुरी लगा दी, पहले दिन भारत - 32.47 करोड़ रुपये, विदेशों में - 18.70 करोड़ रुपये कुल ग्रॉस - 51.17 करोड़ इसके अलावा, शाहरुख खान ने #पठान को पीछे छोड़ दिया, भारत में ओपनिंग डे पर 32 करोड़ की एड-वांस बुकिंग हुई।

किल टीआईएफएफ में प्रदर्शित होने वाली करण की दूसरी फिल्म

- पहले कभी अलविदा ना कहना, हो चुकी है शामिल

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड के फिल्म निमार्ता करण जोहर की फिल्म किल प्रतिष्ठित 48वें टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2023 में अपना वर्ल्ड प्रीमियर करने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह फेस्टिवल 17 सितंबर तक आयोजित होने जा रहा है। कभी अलविदा ना कहना के बाद किल टीआईएफएफ में प्रदर्शित होने वाली उनकी दूसरी फिल्म बन गई है। मशहूर निमार्ता और निर्देशक करण जौहर ने अपने 25 साल के करियर में कई उपलब्धियां हासिल की हैं। 2006 में टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में अपनी प्रतिष्ठित मल्टीस्टारर फिल्म कभी अलविदा ना कहना से डेब्यू करने पर उन्हें दुनिया भर में सफलता मिली। अब उनकी नवीनतम फिल्म किल टीआईएफएफ 2023 में प्रदर्शित होने वाली दूसरी फिल्म बन गई है। यह उनकी सिनेमाई यात्रा में एक नए अध्याय का प्रतिनिधित्व करती है जो साबित करती है कि वह किसी भी शैली में आसानी से महारत हासिल कर सकते हैं। धर्मा प्रोडक्शंस ने यह खबर साझा की। पोस्ट में लिखा था, यात्रा टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल से शुरू होती है! किल - एक एक्शन से भरपूर हाई-ऑक्टेन फिल्म जिसका लक्ष्य है - अगले एक्शन हीरो की तलाश। निखिल नागेश भट द्वारा निर्देशित इस फिल्म का प्रीमियर टीआईएफएफ 2023 मिडनाइट मैडनेस में होगा।

बने रहें, आधिकारिक पोस्टर और टीजर की घोषणा जल्द ही की जाएगी। करण जौहर ने किल के टीआईएफएफ प्रीमियर की जानकारी भी साझा की। किल एक हाई-ऑक्टेन एक्शन फिल्म है, जिसमें लक्ष्य या लक्ष्य लालवानी ने अभिनय किया है। फिल्म का निर्देशन निखिल नागेश भट्ट ने किया है और इस-ाका प्रीमियर टीआईएफएफ-2023 मिडनाइट मैडनेस में होगा। इस बीच, कभी अलविदा ना कहना 2006 की फिल्म है। इसमें शाहरुख खान, रानी मुखर्जी, प्रीति जिंटा, अभिषेक बच्चन और अन्य कलाकार शामिल हैं। बता दें कि करण जौहर फिल्म इंडस्ट्री के सबसे मशहूर फिल्म निमार्ताओं में से एक हैं। वह साबित करते हैं कि वह अपने निर्देशन कौशल से अद्वितीय हैं। हाल ही में आलिया भट्ट और रणवीर सिंह अभिनीत उनकी फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी को दर्शकों के साथ-साथ समीक्षकों से भी काफी सराहना मिली है।

रॉकस्टार डीएसपी की बड़े पर्दे पर वापसी की तैयारी

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता और म्यूजिक सेंसेशन रॉकस्टार डीएसपी बड़े पर्दे पर विजयी वापसी की तैयारी कर रहे हैं। भारतीय सिनेमा के लिए एक म्यूजिकल ब्लॉकबस्टर जल्द पेश होने वाला है। रॉकस्टार डीएसपी अजय देवगन, आर माधवन और ज्योतिका की पावर-पैक अभिनीत अपनी अगली अनाम परियोजना की घोषणा कर रहे हैं। इस प्रोजेक्ट को लेकर प्रत्याशा स्पष्ट है विशेष रूप से दृश्यम 2 में रॉकस्टार डीएसपी और अजय देवगन द्वारा साझा की गई सफलता के इतिहास को देखते हुए रॉकस्टार डीएसपी को मेगाहिट पुष्पाः द राइज के लिए हालही में राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा गया है। दृश्यम 2 में अजय देवगन के साथ उनका पिछला सहयोग बेहतरीन संगीत की बदौलत एक क्रिटिकल और कमर्शियल हिट था।

आर.माधवन और ज्योतिका के साथ रॉकस्टार डीएसपी का कोलैबोरेशन भारतीय सिनेमा को एक और जबरदस्त फिल्म म्यूजिक एल्बम देने का वादा करता है। विकास बहल द्वारा निर्देशित रोमांचक सुपरनैचुरल वाली फिल्म जानकी बोदीवाला को मुख्य महिला किरदार के रूप में पेश करती है।

इंडियन लुक से लाइमलाइट ही लूट ली प्रियंका ने

- पिंक साड़ी पहन छा गई थीं ग्लोबल स्टार

मुंबई (ईएमएस) । अंतरराष्ट्रीय एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा बॉलीवुड की टॉप और बेहतरीन एक्ट्रेसेस की लिस्ट में शुमार हैं, सिर्फ एक्टिंग ही नहीं उनका फैशन सैंस भी बेहद कमाल का है। कुछ साल पहले उनके जेठ जो जोनस और जेठानी सोफी टर्नर की शादी में प्रियंका का साड़ी के प्रति एक बार फिर प्यार देखने को मिला था। इस दौरान जहां सभी विदेशी कपड़ों में नजर आए तो वहीं प्रियंका ने अपने इंडियन लुक से पूरी लाइमलाइट ही लूट ली। देसी गर्ल ने इस खास मौके पर बेहद खूबसूरत पेस्टल पिंक कलर की साड़ी चुनी थी, जिसे सब्यसाची मुखर्जी के रेडी टू वेअर वेडिंग कलेक्शन से लिया गया था। ऑर्गेंजा सिल्क की इस साड़ी पर ओवरऑलो थ्रेड वर्क किया गया था, तो वहीं बॉर्डर पर सेम कलर की लेस लगी थी, जो इसे और डेलिकेट लुक दे रहा था। मैचिंग कलर का स्लीवलेस ब्लाउज और मिनिमम मेकअप में उनका लुक गजब ढा रहा था। इसके साथ उन्होंने बालों को मिड पार्टिशन देते हुए बन बनाया था, जिस पर गुलाब के फूल लगाए गए थे। सेमी बैकलेस ब्लाउज उनके लुक पर बोल्डनेस का तड़का लगा रहा था। इसके साथ उन्होंने हेवी गहने अवॉइड करते हुए सिर्फ कानों में डायमंड ड्रॉप ईयररिंग्स कैरी किए थे। बता दें कि विदेश में रहते हुए भी देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा का दिल हिंदुस्तान में ही है। वह मौका लगते ही अपने देसी अंदाज से फैंस का दिल जीत ही लेती है। ग्लोबल स्टार होने के बावजूद उन्हें इंडियन आउटफिट से बेहद प्यार है, तभी तो उन्होंने अपने जेठ की शादी में भी वेस्टर्न ना पहनकर साड़ी को चुना था। सालों बाद भी उनके इस लुक की चचाएं होती रहती हैं।

हड्डी के स्टारकास्ट ने की ट्रांसजेंडर कम्युनिटी से मुलाकात

बालीवुड एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी की हड्डी आज ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज हो गई है। हड्डी में नवाजुद्दीन के अलावा अनुराग कश्यप, इला अरुण और मोहम्मद जीशान अय्यूब लीड रोल में नजर आ रहें हैं। इसी के चलते अनुराग कश्यप, मोहम्मद जीशान अय्यूब और निर्देशक अक्षत अजय शर्मा ने फिल्म की प्रमोशन के लिए दिल्ली में एक ट्रांसजेंडर कम्युनिटी के लोगों से मुलाकात की। स्टारकास्ट ने एलजीबीटीक्यू और इनके अधिकारों को स्पोर्ट करने वाली हमसफर ट्रस्ट के जरिए रियल लाइफ ट्रांसजेंडर्स को करीब से जाना। ह्यहड्डी के निर्देशन के लिए अक्षत अजय शर्मा की जितनी भी तारीफ की जाए उतनी कम होगी। शानदार कहानी को उन्होंने बेहद जानदार तरीके से पर्दे पर उतारा है। हर सीन से आप इमोशनली कनेक्ट फील करते हैं और उससे जुड़ते चले जाते हैं। हड्डी में उन्होंने एक्शन, इमोशन और ड्रामा सभी पर बेहतरीन काम किया है। यह फिल्म ट्रांसजेंडर के संघर्ष को दिखाती है।

दिव्या खोसला एथनिक लुक में एयरपोर्ट पर स्पॉट

हाल ही में एक्ट्रेस दिव्या खोसला कुमार को एथनिक लुक में मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया, जहां से उनकी तस्वीरें इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। लुक की बात करें तो इस दौरान दिव्या खोसला फ्लोरल प्रिंट ओरेंज कलर के शरारा सूट में नजर आईं। इसके साथ उन्होंने पिंक दुपट्टा कैरी किया। कैजुअल मेकअप, खुले बाल और हाथ में पिंक चूड़ियां पहने एक्ट्रेस की खूबसूरत देखते ही बनी। अपने लुक से फैंस को इम्प्रेस करते हुए दिव्या कैमरे के सामने हंस-ाकर पोज देती दिखीं। काम की बात करें तो दिव्या खोसला कुमार की अगली फिल्म यारियां 2 है, जिसकी वह इन दिनों शूटिंग कर रही हैं। बता दे कि एक्ट्रेस दिव्या खोसला कुमार बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेसेस में से एक हैं, जो अक्सर अपनी खूबसूरत तस्वीरों को लेकर सोशल मीडिया पर सुर्खियों में रहती हैं।

बिकिनी लुक में कहर बरपाती नजर आईं एलेसेंड्रा

हाल ही में एक्ट्रेस एलेसेंड्रा एम्ब्रोसियो समंदर किनारे बिकिनी लुक में कहर बरपाती नजर आईं। उनकी ये तस्वीरें इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। लुक की बात करें तो इस दौरान एलेसेंड्रा व्हाइट बिकिनी ने अपनी टोन्ड बॉडी फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। आंखों पर चश्मा और बालों पर रेड कैप पहने वह काफी अट्रैक्टिव लग रही हैं। बीच किनारे पानी में चिल करते हुए वह अपनी बोल्डनेस से लोगों को खूब दीवाना बना रही हैं। कई तस्वीरों में एलेसेंड्रा रेत पर नंगे पांव फुटबॉल भी खेलती नजर आ रही हैं। फैंस एक्ट्रेस की इन तस्वीरों को खूब पसंद कर रहे हैं। काम की बात करें तो एलेसेंड्रा एम्ब्रोसियो को आखिरी बार फिल्म डेडीज होम- 2 में देखा गया था, जिसमें वह कारेन के रोल में नजर आईं थी। फिल्म में एक्ट्रेस के किरदार को खूब पसंद किया गया था। बता दें कि एलेसेंड्रा एम्ब्रोसियो हॉलीवुड की टॉप मॉडल्स में से एक हैं। वह अक्सर अपने बोल्ड अंदाज से लोगों के होश उड़ा देती हैं।

यश कुमार की फिल्म "चाची नंबर 1" का ट्रेलर आउट

भोजपुरी फिल्म अभिनेता यश कुमार की मोस्ट अवेटेड फिल्म चाची नंबर 1" का ट्रेलर आज रिलीज कर दिया गया है। यश कुमार एंटरटेनमेंट प्रस्तुत फिल्म "चाची नंबर 1" को यूट्यूब चैनल से रिलीज किया गया है। इस फिल्म में यश कुमार चाची की भूमिका में नजर आ रहे हैं, जो अपनी बेटी के लिए अपने ससुर के घर में नौकरानी बनकर रहते हैं। फिल्म की कहानी एक तलाकशुदा मां बाप की है जिसमें पिता अपनी बेटी के बिना नहीं रह सकता। फिल्म का ट्रेलर 4 मिनट और 57 सेकंड का है जो बेहद रोमांचक और हास्यप्रद है। साथ ही यह एक सार्थक संदेश भी सिनेमा के माध्यम से दर्शकों को देने वाला प्रतीत होता है। "चाची नंबर 1" के फर्स्ट लुक में यश कुमार झाड़ू बाल्टी व अन्य बर्तनों के साथ सिंहासन पर बैठे नजर आ रहे थे, वह ऐसा क्यों कर रहे थे यह ट्रेलर में साफ-साफ देखने को दर्शकों को मिल जाएगा। इस फिल्म में यश कुमार एक बार फिर से अपनी पहचान के अनुरूप एक अलग तरह के किरदार को निभाते नजर आ रहे हैं और फिल्म की कहानी भी बेहद नायाब है। ट्रेलर के हिसाब से अगर देखा जाए तो इस फिल्म की प्रस्तुति एक गंभीर विषय को मनोरंजन रूप देकर किया गया है। फिल्म में कॉमेडी के भी बहुत सारे मोमेंट्स हैं, लेकिन ट्रेलर की शुरूआत होती है यश कुमार और फिल्म की अभिनेत्री रक्षा गुप्ता के बीच तलाक से, जहां तलाक के बाद उनके बच्चे की कस्टडी मां को मिल जाती है। इसके बाद जो शुरू होता है वह देखकर आपको भी बेहद मजा आने वाला है बस थोड़ा इंतजार कीजिए फिल्म भी जल्दी ही रिलीज होने वाली है।

फिल्म "चाची नंबर 1" का निर्माण यश कुमार इंटरटेनमेंट और निधि मिश्रा के बैनर से हुआ है। फिल्म को लेकर यश कुमार ने बताया कि "चाची नंबर 1" मनोरंजन का सैलाब लेकर आने वाला है। इस फिल्म के जरिए एक गंभीर सवाल को उठाया गया है। अक्सर आज के दिनों में पति-पत्नी एक दूसरे से अलग हो रहे हैं लेकिन इस बीच में सबसे ज्यादा नुकसान उनके बच्चों का हो रहा है जो अपने माता-पिता के साथ रहना चाहता है। समाज की इस बुराई को फिल्म के जरिए मनोरंजन के माध्यम से प्रमुखता से उठाया है हमने। मुझे लगता है कि यह फिल्म जरूर सबको पसंद आएगी और वह इससे सबक भी लेंगे। फिल्म "चाची नंबर 1" के निर्देशक संजय श्रीवास्तव हैं। फिल्म में यश कुमार के साथ रक्षा गुप्ता फीमेल लीड है जबकि अमित शुक्ला और मनोज टाइगर जैसे दिग्गज कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं।

जेनेलिया की तीसरी प्रेग्नेंसी को लेकर अफवाह हुई तेज

अभिनेता रितेश देशमुख और जेनेलिया देशमुख मनोरंजन जगत के एक लोकप्रिय जोड़े हैं। रितेश और जेनेलिया के दो बच्चे हैं, लेकिन अब दोनों का एक नया वीडियो सामने आया है। इस वीडियो के बाद यह अफवाह उड़ गई है कि जेनेलिया दोबारा प्रेग्नेंट हैं। जेनेलिया और रितेश देशमुख दोनों हाल ही में मुंबई में एक कार्यक्रम में शामिल हुए। इसका एक वीडियो पैपराजी ने इंस्टाग्राम पर किया है। इस वीडियो में रितेश और जेनेलिया हाथों में हाथ डाले इवेंट में पहुंचते नजर आ रहे हैं। इस बार जेनेलिया ने पर्पल कलर का वन पीस पहना है। रितेश ने सफेद शर्ट और नीली पैंट पहनी हुई थी। इस वीडियो में उनके बेबी बंप ने सभी का ध्यान खींचा है। ऐसे में अफवाहें हैं कि वह दोबारा प्रेग्नेंट हैं। इस वीडियो को देखने के बाद एक ने कमेंट किया कि जेनेलिया दोबारा प्रेग्नेंट हैं। एक ने कहा, वह तीसरी बार गर्भवती है। कुछ लोगों ने टिप्पणी की है कि मुझे लगता है कि वह गर्भवती है। इस बीच जेनेलिया और रितेश देशमुख को बॉलीवुड में "क्यूट कपल" के तौर पर देखा जाता है। "तुझे मेरी कसम" में पहली बार रितेश और जेनेलिया ने एक साथ स्क्रीन शेयर किया था। दिलचस्प बात यह है कि इसी फिल्म के मौके पर उनकी पहली मुलाकात हैदराबाद एयरपोर्ट पर हुई थी। इस बार जेनेलिया के व्यवहार से रितेश सहमत नहीं हुए। उन्होंने अपनी मर्जी से उनकी तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ाया, लेकिन जेनेलिया ने उन्हें थोड़ा नजर-अंदाज कर दिया, लेकिन जैसे-जैसे वे एक-दूसरे को जानने लगे, उनका प्यार परवान चढ़ने लगा। दोनों 2012 में शादी के बंधन में बंधे। ये कपल एक दूसरे से बेहद प्यार करता है. दोनों के दो बेटे रियान और राहिल हैं।

सूडोकु नवताल- 6549

मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6548 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

शब्दजाल - 7296

ग	दि	न	ल	बे	म	ज	वि	न	र	क	
ना	य	क	को	ट	वा	जी	रा	इ	रा	ल	
आ	बे	दे	पू	ह	जी	स्म	स	का	म	दि	
पु	ची	व	श	ट	ज	प	त	पा	ल	र	
का	त	ई	फा	में	व	खें	जा	भा	ख	ते	
र	मे	म	दे	ला	बे	ट	न	ई	न	जा	
ट	जं	न्स	मे	बु	क	ता	या	न	है	ब	
च	म	न	ए	सं	लं	प	र	ली	म	ए	
ले	बो	र्न	य	त	चि	दी	री	ता	न	क्स	
त	रा	जु	न	ज	बा	त्र	ट	ल	म	प्रे	
बे	बी	लो	नि	या	ल	र	न	रा	त	स	

शब्दजाल में अनिल कपूर की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

ताल, विरासत, राम लखन, तेजाब, बेटा, मन, पुकार, नायक, बेवफा, बुलंदी.

शब्दजाल - 7295 का हल

सो	म	मा	यु	वा	प	ना	न	ह	क	रा	
हा	थि	सू	ह	को	ल	जी	स	ल	का	ज	
रो	वी	या	द	अ	ल	त	र	म	ल	टी.	
ड़	र	दा	ज	ल	क	न	ओ	र	सु	म	
र	न	क	ष	ल	म	मी	छ	हो	नो	स्ती	
प	मी	क्शा	स	जि	स्वा	क	प	म	स	क	
के	ह	बु	की	वी	म	मी	टे	डि	रू	प	
न	पू	सु	पा	क	पं.	सौ	ल	ली	र	स	
कं	प	नी	सू	ह	प	ने	ने	व	जी	त	
म	व	म	ब	फा	दी	र	ह	री	क	थ	
म	ह	न	प्या	रे	मो	ह	न	ज	ल	वा	

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6249

5		3	4		6	
	33	6	36		30	1
1		7		5		3
4	32		32		32	4
7		1	4		2	
	37		25	7	36	
3		5		2		6

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6248 का हल

4	2	7	6	3	5	1
2	33	2	33	4	26	7
7	5	4	6	1	2	3
5	34	3	30	6	32	6
6	3	1	4	5	7	2
3	30	5	33	7	39	5
1	5	6	3	2	7	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

वनडे रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया बना नंबर-1: दूसरे स्थान पर फिसला पाकिस्तान, टीम इंडिया रैंकिंग में तीसरे स्थान पर

नई दिल्ली।
ऑस्ट्रेलिया टीम वनडे में नंबर-1 बन गई है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने वनडे टीम रैंकिंग अपडेट की है। जहां ऑस्ट्रेलिया टीम पाकिस्तान को पछाड़कर टॉप पर पहुंच गई है।

पिछले महीने एशिया कप शुरू होने से ठीक पहले पाकिस्तान ने श्रीलंका में अफगानिस्तान के खिलाफ 3-0 से वनडे सीरीज जीती, और ऑस्ट्रेलिया को पीछे छोड़कर आईसीसी की वनडे रैंकिंग में नंबर-1 बन गया था। लेकिन, अब पाकिस्तान दूसरे नंबर पर फिसल गया है।

ऑस्ट्रेलिया के 121 रेटिंग पॉइंट्स हो गए

ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की वनडे के दूसरे मुकाबले में साउथ अफ्रीका को हराकर रैंकिंग में पहला स्पॉट हासिल किया। दूसरे वनडे में जीत से ऑस्ट्रेलिया के कुल 121 रेटिंग पॉइंट्स हो गए हैं और उसने पाकिस्तान को एक रेटिंग पॉइंट्स से पीछे छोड़ दिया है। भारत 114 रेटिंग पॉइंट्स के साथ आईसीसी रैंकिंग में तीसरे स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया ने साउथ अफ्रीका दौरे पर लगातार 5वीं जीत दर्ज की। टीम ने 3-0 से टी-20 सीरीज जीतने के बाद वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला 123 रन से जीता। ऑस्ट्रेलिया से डेविड वॉर्नर और मार्नस लाबुशेन ने सेंचुरी लगाई। वहीं दूसरी पारी में लेग स्पिनर एडम जम्पा ने 4 विकेट लेकर साउथ अफ्रीका को टारगेट हासिल नहीं करने दिया। ब्लमफोंटेन के मैंगॉन्ग ओवल मैदान पर टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 50 ओवर में 8 विकेट खोकर 392 रन बनाए। जवाब में साउथ अफ्रीका टीम 41.5 ओवर में 269 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। टीम से एक भी प्लेयर फिफ्टी नहीं लगा सका। ऑस्ट्रेलिया से 124 रन बनाने वाले लाबुशेन प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

न्यूज ब्रीफ

टीम इंडिया के लिए तिहरा शतक लगा चुके नायर खेलेंगे काउंटी क्रिकेट

नई दिल्ली। टीम इंडिया के लिए तिहरा शतक लगा चुके भारतीय बल्लेबाज करुण नायर काउंटी क्रिकेट खेलेंगे। उन्होंने इस सीजन में काउंटी चैम्पियनशिप के बचे हुए तीन मैचों में खेलने के लिए इंग्लिश काउंटी टीम नार्थम्पटनशर से करार किया।

गौरतलब है कि भारत के लिए छह टेस्ट खेलने वाला यह 31 वर्षीय खिलाड़ी सैम वाइटमैन की जगह लेगा जो ऑस्ट्रेलिया लौट गये हैं। नायर ने एक बयान में कहा है कि मैं नार्थम्पटनशर से जुड़ने और काउंटी चैम्पियनशिप में खेलने के लिए उत्साहित हूं। उन्होंने कहा कि आप काउंटी क्रिकेट के बारे में काफी कुछ सुनते हो और मैं जानता हूं कि पृथ्वी शॉ जब टीम के साथ थे, उन्होंने काफी लुत्फ उठाया था इसलिये काउंटी में खेलने का मौका मिलने से उत्साहित हूं। उन्होंने कहा कि में उम्मीद करता हूं कि मैं टीम के लिये योगदान दे सकूं। जोधपुर में जन्में करुण नायर ब्रिटेन पहुंच गए और वारविकशर के खिलाफ होने वाले मैच से पहले वह नार्थम्पटनशर से जुड़ जाएंगे। वह वीरेंद्र सहवाग के बाद टेस्ट क्रिकेट में भारत के लिए तिहरा शतक जड़ने वाले दूसरे भारतीय हैं। उन्होंने यह उपलब्धि दिसंबर 2016 में चेन्नई में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में नाबाद 303 रन बनाकर हासिल की थी। करुण नायर ने भारत के लिए अब तक 6 टेस्ट और 2 वनडे मैच खेले हैं। नायर ने खेले गए 6 टेस्ट में 62।3 की औसत से 376 रन बनाए हैं। इसके अलावा वनडे में उन्होंने 23 की एवरेज से 46 रन बनाए हैं। वहीं नायर आईपीएल का भी हिस्सा रह चुके हैं।

मुझे शारीरिक और मानसिक रूप से आराम करने की ज़रूरत है: कार्लोस अल्काराज

नई दिल्ली। यूएस ओपन के सेमीफाइनल में दानिल मेदवेदेव से हार के बाद स्पेन के 20 वर्षीय कार्लोस अल्काराज ने अगले हफ्ते वालेंसिया में डेविस कप मुकाबले से हटने का फैसला किया है। उनकी जगह अल्बर्ट रामोस विनोलास को टीम में लिया जाएगा क्योंकि स्पेन का लक्ष्य इस साल अंतिम-आठ में जगह बनाना है। अल्काराज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, बहुत लंबे दौरे के बाद मुझे अपने शरीर की बात सुननी होगी। मुझे शारीरिक और मानसिक रूप से रुकने और आराम करने की ज़रूरत है। कैलेंडर बहुत मांग वाला है, अभी भी बहुत सीज़न बचा है, और अब मुझे अपनी बैटरी रिचार्ज करनी है। अच्छा है स्पैनिश टीम को शुभकामनाएँ! मैं आपका पुरजोर समर्थन करूँगा! चलो! कार्लोस अपने यूएस ओपन खिताब का बचाव करने में विफल रहे और अगर सर्ब ट्रॉफी जीतते हैं तो एटीपी रैंकिंग सूची में नोवाक जोकोविच से 3000 से अधिक एटीपी अंक पीछे रहेंगे। पिछले वर्ष में, अल्काराज को विभिन्न शारीरिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा था, जिसमें ऐंठन भी शामिल है जिसने रौलां-गैरो फाइनल में उनके प्रदर्शन को प्रभावित किया था। वह दाहिने पैर की चोट के कारण ऑस्ट्रेलियन ओपन में भाग लेने में असमर्थ थे, उन्हें अपने दाहिने पैर में चोट के कारण अकापुल्को से हटना पड़ा, और अपने बाएं हाथ की समस्याओं और पीठ में परेशानी के कारण मोंटे-कार्लो से भी हटना पड़ा। पिछले साल पेट में चोट के कारण उन्होंने अपना सीज़न जल्दी ख़त्म कर दिया था।

बोलीविया के खिलाफ अर्जेंटीना के विश्व कप क्वालीफायर में मेसी का खेलना संदिग्ध

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी थकान के कारण मंगलवार को बोलीविया के खिलाफ अपनी टीम के विश्व कप क्वालीफायर में नहीं खेल सकते हैं। मुख्य कोच लियोनल स्कालोनी के हवाले से कहा कि 36 वर्षीय को गुरुवार को इक्वाडोर पर अर्जेंटीना की 1-0 की घरेलू जीत में देर से स्थानापन्न किया गया था और शुक्रवार की सुबह एहतियाती परीक्षण किया गया था। दक्षिण अमेरिकी देश में मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, नतीजों ने मेसी को किसी भी चोट से मुक्त कर दिया है, लेकिन स्कालोनी और उनके बैकरूम स्टाफ फॉरवर्ड के भारी कार्यभार से चिंतित हैं। मेसी ने पिछले 48 दिनों में 12 मैच खेले हैं, जुलाई के मध्य में मुफ्त ट्रांसफर पर इंटर मियामी में शामिल होने के बाद से उन्हें बमुश्किल आराम मिला है। बताया कि स्कालोनी मंगलवार के मैच के लिए अपने शुरुआती लाइनअप में कई बदलावों पर विचार कर रहे हैं, इस विश्वास के साथ कि युवा खिलाड़ी ला पाज़ की 3,600 मीटर की ऊंचाई का बेहतर सामना करेंगे।

वर्ल्ड कप टिकट बुकिंग से ब्लैक मार्केट को बढ़ावा मिला

वेंकटेश प्रसाद बोले- बीसीसीआई को बेहतर सिस्टम देना चाहिए, ताकि स्टेडियम में असली फैंस आए

नई दिल्ली।
पूर्व क्रिकेटर वेंकटेश प्रसाद ने वनडे वर्ल्ड कप की टिकट बुकिंग प्रोसेस की आलोचना की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा, बीसीसीआई को बेहतर टिकट बुकिंग सिस्टम देना चाहिए, जिससे असली फैंस मैदान में आकर टीम को सपोर्ट करें। वर्ल्ड कप होस्ट करना नेशनल प्राइड की बात है, लेकिन हमने टिकट में ट्रांसपेरेंसी नहीं दिखाकर ब्लैक मार्केट को बढ़ावा दिया है। वेंकटेश प्रसाद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर 2 ट्वीट कर बीसीसीआई मैनेजमेंट की आलोचना की। उन्होंने एशिया कप में सिर्फ भारत-पाक मैच के लिए रिजर्व डे रखने के फैसले का भी विरोध किया था।

हमने वर्ल्ड कप का बिल्ड-अप खराब किया

वेंकटेश प्रसाद ने लिखा, हमने वर्ल्ड कप के बिल्ड-अप को खराब कर दिया है। बिना किसी कारण से शेड्यूल में देरी होना, उसके बाद भी 9 मैचों का शेड्यूल बदलना। इतना काफी नहीं था कि अब टिकट बुकिंग में ट्रांसपेरेंसी की कमी और बेहद धीमे सिस्टम ने पूरी तरह से ब्लैक मार्केट को बढ़ावा दे दिया।

वर्ल्ड कप होस्ट करना देश के लिए प्राइड मोमेंट है और फैंस के लिए भी टिकट बुकिंग प्रोसेस उतनी ही

स्मूद होनी चाहिए थी, लेकिन फैंस को जितनी परेशानी हुई, यह सोची-समझी प्लानिंग लग रही है। हमें बोर्ड की इस अयोग्यता के खिलाफ आवाज उठानी ही होगी।

हमें स्टेडियम में असली फैंस चाहिए

प्रसाद ने आगे लिखा, हमारे पास एक अच्छी टीम है और टीम वर्ल्ड कप की दावेदार भी है, लेकिन स्टेडियम के अंदर सपोर्ट करने के लिए हमें असली फैंस चाहिए। उनके लिए सुविधा (टिकट बुकिंग) बहुत आसान और सरल होनी चाहिए थी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। बीसीसीआई को फैंस के लिए बेहतर सुविधाएं देनी चाहिए। वर्ल्ड कप के रूप में हमारे देश का प्रतिनिधित्व हो रहा है और देश के रूप में हम किसी भी लेवल पर कमजोर नहीं दिख सकते।

बीसीसीआई को 4 लाख एक्स्ट्रा टिकट निकालने पड़े

वर्ल्ड कप में ग्रुप स्टेज मैचों के सभी टिकट बिक चुके हैं। कई फैंस ने कहा था कि टिकट बुकिंग वेबसाइट पर बहुत कम टिकट बिक्री के लिए रखे थे। जिस कारण वह टिकट बुक नहीं कर पाए। टिकट बिक्री का शुरुआती फेज 3 सितंबर को खत्म होने के बाद बीसीसीआई ने 8 सितंबर को 4 लाख एक्स्ट्रा टिकट रिलीज किए, लेकिन इसमें भी फैंस स्मूद तरीके से टिकट नहीं खरीद सके।

भारत-पाक मैच के टिकट ब्लैक मार्केट में 57 लाख के बिक रहे

भारत के सभी 9 ग्रुप स्टेज मैचों की टिकट बिक्री शुरू होने के कुछ देर बाद ही बिक गए। जिसके बाद खबरें आने लगीं कि ब्लैक मार्केट में भारत-पाकिस्तान मैच के टिकट 19 से 57 लाख रुपए तक की कीमत में बिक रहे हैं। भारत के बाकी मैचों के टिकट भी बहुत महंगी कीमतों में बिकने लगे।

प्रसाद ने एशिया कप में रिजर्व डे की आलोचना भी की

वेंकटेश प्रसाद ने टिकट के मुद्दों से पहले एशिया कप में सिर्फ भारत-पाक मैच के लिए रिजर्व डे रखने के फैसले का भी विरोध किया। उन्होंने कहा, किसी मल्टीनेशन टूर्नामेंट में सिर्फ एक मैच के लिए रिजर्व डे नहीं रखा जाना चाहिए। बाकी 2 टीमों को इस बात का विरोध करते हुए टूर्नामेंट का बॉयकॉट कर देना चाहिए।

दरअसल, श्रीलंका और पाकिस्तान में खेले जा रहे एशिया कप के सुपर-4 स्टेज मैचों पर बारिश का खतरा मंडरा रहा है। ग्रुप स्टेज में भारत-पाकिस्तान के बीच मुकाबला बारिश के कारण ही रद्द हो गया था। जिसे देखते हुए ब्रॉडकास्टर्स के दबाव में सिर्फ भारत-पाक के बीच मैच के लिए रिजर्व डे रख दिया। दोनों के बीच 10 सितंबर को मुकाबला खेला जाना है, अगर बारिश के कारण मैच पूरा नहीं हुआ तो 11 सितंबर को मुकाबला वहीं से शुरू होगा, जहां 10 को बंद होगा। हालांकि रिजर्व डे बाकी मैचों के लिए नहीं रखे जाएंगे।

भारत-पाक मैच की टीवी व्यूअरशिप बहुत ज्यादा रहती है। इसलिए ब्रॉडकास्टर्स ने मैच के लिए रिजर्व डे रखने का दबाव बनाया।

लखनऊ सुपर जायंट्स के नए कोच बने जस्टिन लैंगर, टीम में हुए कई और बदलाव

नई दिल्ली।
इंडियन प्रीमियर लीग 2024 के शुरू होने में अभी कई महीने शेष हैं, लेकिन कुछ टीमों ने अभी से तैयारियां करनी शुरू कर दी है। इन्हीं टीमों में लखनऊ सुपर जायंट्स का भी नाम शामिल है। शुरूआती दो सीजन में एलएसजी के मुख्य कोच एंडी फ्लावर रहे, लेकिन फ्रेंचाइजी ने आगामी सीजन से पूर्व उन्हें अपने बेड़े से बाहर का रास्ता दिखा है। फ्लावर की जगह आईपीएल 2024 में लखनऊ की टीम ऑस्ट्रेलियाई पूर्व कोच जस्टिन लैंगर की देखरेख में शिरकत करेगी। टूर्नामेंट के शुरू होने से पहले बात करें एलएसजी के प्रमुख स्टाफ के बारे में तब पिछले दो सीजन की तरह इस बार भी लखनऊ की कमान केएल राहुल के हाथों में ही रहेगी। राहुल के अलावा टीम के मेंटर गौतम गंभीर बने हुए हैं। बीच में खबरें थी कि गंभीर अपनी पुरानी टीम केकेआर के साथ जुड़ सकते हैं, लेकिन ये खबरें केवल अफवाह रहीं।

एलएसजी के मुख्य कोच अब जस्टिन लैंगर है। वहीं असिस्टेंट कोच के रूप में फ्रेंचाइजी ने दो दिग्गजों को अपने बेड़े में शामिल किया है। इसमें श्रीधरन श्रीराम और विजय दहिया का नाम शामिल है। फ्रेंचाइजी ने अफ्रीकी पूर्व तेज गेंदबाज मोर्ने मोर्कल को अपना गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। वहीं स्पिन गेंदबाजी कोच भारत के घरेलू होनहार क्रिकेटर प्रवीण तांबे हैं। आगामी सीजन के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम ने अफ्रीकी पूर्व दिग्गज क्रिकेटर जोंटी रोड्स को अपना फील्डिंग कोच नियुक्त किया है। इसके अलावा स्ट्रेटेजिक कंसलटेंट एमएसके प्रसाद बने हैं।

आईपीएल 2024 एलएसजी के प्रमुख स्टाफ में कैप्टन-केएल राहुल, मेंटर-गौतम गंभीर, हेड कोच में जस्टिन लैंगर का नाम हैं। वहीं असिस्टेंट कोच में श्रीधरन श्रीराम और विजय दहिया को चुना गया हैं। बॉलिंग कोच के रुप में मोर्ने मोर्कल, स्पिन बॉलिंग कोच के रुप में प्रवीण तांबे का नाम शामिल हैं।

एशियन गेम्स के लिए तैयारी में जुटे कप्तान रुतुराज गायकवाड़

पुणे।
एशियन गेम्स के लिए भारत की पुरुष क्रिकेट टीम के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने पुणे में एक प्रैक्टिस सेशन में हिस्सा लिया। गायकवाड़ ने बल्लेबाजी प्रैक्टिस का वीडियो पोस्ट किया। गायकवाड़ आगामी हांग्जो एशियन गेम्स में अपने पहले अभियान में टीम इंडिया का नेतृत्व करने वाले हैं। एशियन गेम्स इस साल 23 सितंबर से 8 अक्टूबर, 2023 तक चीन में होंगी। इसमें रोहित शर्मा, विराट कोहली, हार्दिक पंड्या, मोहम्मद शमी, केएल राहुल और जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ी हिस्सा नहीं ले रहे हैं। इंडियन प्रीमियर लीग 2023 में दमदार प्रदर्शन के बाद रिंकू सिंह को एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। अपने शानदार आईपीएल प्रदर्शन के दम पर विकेटकीपर-बल्लेबाज जितेश शर्मा और प्रभसिमरन सिंह ने भी टीम में जगह बनाई। गायकवाड़ ने चेन्नई सुपर किंग्ज के लिए 16 मैचों में 590 रन बनाए, जबकि जितेश और रिंकू ने पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए क्रमशः 309 और 474 रन बनाए हैं।

गायकवाड़ को एशियन गेम्स में भारतीय टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है, जबकि यशस्वी जयसवाल, जो इस समय शानदार फॉर्म में हैं और वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला टेस्ट खेल रहे हैं, को टीम में जगह मिली है। शिवम दुबे जो आईपीएल 2023 में

चेन्नई सुपर किंग्स के मध्य क्रम की बल्लेबाजी की रीढ़ थे, उन्हें एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम में वापस बुलाया गया है।

एशियाई खेलों के लिए टीम इंडिया (सीनियर पुरुष) टीम : रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, राहुल त्रिपाठी, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शाहबाज अहमद, रवि बिश्नोई, अवेश खान, अर्शदीप सिंह, मुकेश कुमार, शिवम मावी, शिवम दुबे और प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर)।

खिलाड़ियों की स्टैंडबाय सूची : यश ठाकुर, साई किशोर, वेंकटेश अय्यर, दीपक हुडा और साई सुदर्शन।

सिर्फ 8 बार बर्थडे बनाया और मिल गई ऑस्ट्रेलिया की वर्ल्ड कप टीम में जगह

नई दिल्ली।
ऑस्ट्रेलिया की वर्ल्ड कप टीम में एक ऐसा खिलाड़ी भी शामिल हुआ है जिसने अभी तक केवल 8 बार ही अपना जन्मदिन सेलिब्रेट किया है। यह खिलाड़ी है सीन एबॉट, जिन्हें ऑस्ट्रेलिया की टीम में शामिल किया गया है। बता दें कि वर्ल्ड कप 2023 के लिए ऑस्ट्रेलिया ने अपनी टीम घोषित कर दी है। भारत की मेजबानी में अक्टूबर-नवंबर में वर्ल्ड कप का आयोजन होना है। 5 अक्टूबर को इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच पहला मैच होगा। 5 बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की टीम भारत के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी।

यह मैच 8 अक्टूबर को चेन्नई में खेला जाएगा। सीन एबॉट दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं, जिनका जन्म लीप डे यानी 29 फरवरी को हुआ है। एबॉट का जन्म 29 फरवरी 1992 को ऑस्ट्रेलिया के विंडसर में हुआ था। तेज गेंदबाज के साथ ही एबॉट निचले क्रम के काफी उपयोगी बल्लेबाज भी हैं। इसी वजह से उन्हें वर्ल्ड कप की टीम में भी शामिल किया गया है। सीन एबॉट वर्ल्ड कप में खेलने वाले ऐसे पहले

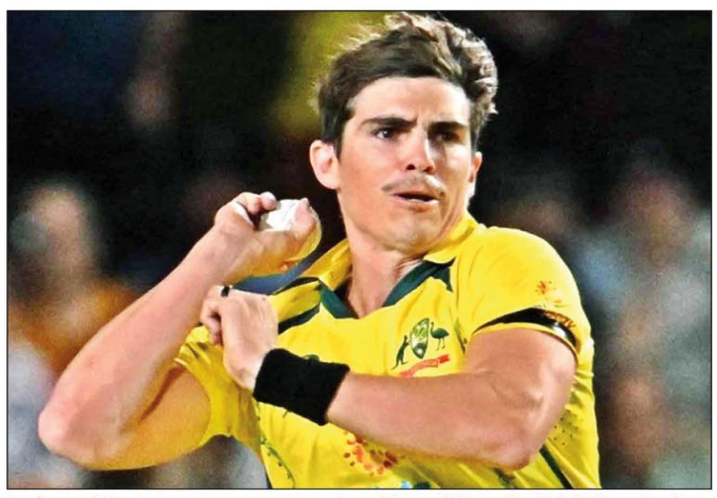

क्रिकेटर होंगे जिसका जन्म 29 फरवरी को हुआ है। बता दें कि लीप ईयर हर चार साल पर आता है। यानी 1992 में जन्मे एबॉट ने अभी तक सिर्फ 8 बार ही अपना बर्थडे मनाया है। 2024 में वह 9वीं बार जन्मदिन मनाएंगे। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज एल्फ गोवर और ऑस्ट्रेलिया के गैविन स्टेवेन्स दो ही ऐसे टेस्ट क्रिकेटर हैं, जिनका जन्म लीप डे पर हुआ है। 31 साल की सीन एबॉट ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 12 वनडे और इतने ही टी20 खेले हैं। वनडे में उनके नाम 14 विकेट पर 140 रन हैं। उनकी सबसे बड़ी पारी 49 रनों की है। गेंदबाजी में

कोको गॉफ ने जीता यूएस ओपन का खिताब

उनके करियर का पहला ग्रैंडस्लैम टाइटल; फाइनल में एरिना सबालेंका को हराया

नई दिल्ली।
अमेरिकी की युवा टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने यूएस ओपन के फाइनल में बेलारूस की एरिना सबालेंका को हराकर यूएस ओपन का खिताब जीत लिया। 19 साल की गॉफ के करियर का यह पहला ग्रैंडस्लैम खिताब है। पहला सेट हारने के बाद गॉफ ने शानदार वापसी की और मुकाबला 2-6, 6-3, 6-2 से जीत लिया। गॉफ 2017 के बाद से पहली अमेरिकी खिलाड़ी बन गई हैं जिन्होंने यह खिताब जीता। 2017 में आखिरी बार यह कारनामा सोलन स्टीफन ने किया था।

गॉफ का सबालेंका के खिलाफ करियर रिकॉर्ड 4-2 हो गया

गॉफ और सबालेंका के बीच यह छठा मैच था। इस जीत के बाद अब गॉफ का सबालेंका के खिलाफ करियर रिकॉर्ड 4-2 हो गया है। आर्थर ऐश स्टेडियम में 19 साल की गॉफ ने पहला सेट 6-2 से गंवाने के बाद दूसरे सेट में 6-3 की जबर्दस्त वापसी की। ऐसे में मुकाबला एक-एक ही बराबरी पर आ गया। तीसरे और निर्णायक सेट को गॉफ ने 6-2 से अपने नाम करते हुए टाइटल जीता।

गॉफ 1999 के बाद यूएस ओपन जीतने वालीं पहली अमेरिकी टीनेजर खिलाड़ी

गॉफ 1999 के बाद यूएस ओपन जीतने वालीं पहली अमेरिकी टीनेजर खिलाड़ी हैं। 1999 में सेरेना विलियम्स ने ऐसा किया था। गॉफ ने मैच के बाद अवॉर्ड सेरेमनी के दौरान कहा, यह मेरे

लिए काफी मायने रखता है। मैं अभी तक इस जीत से हैरान हूं। पिछले साल फ्रेंच ओपन के फाइनल में हारना मेरे लिए काफी निराशा वाला था। उसकी वजह से आज मैं यह जीत पाई हूं।

सबालेंका के सिंगल्स करियर का दूसरा फाइनल

सबालेंका के सिंगल्स करियर का यह दूसरा ही फाइनल था। सबालेंका ने इस सीजन साल के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता था। यह विमेंन सिंगल्स कैटेगरी में सबालेंका का पहला ग्रैंड स्लैम टाइटल था। वे विमेंस डबल्स कैटेगरी में 2021 में ऑस्ट्रेलियन ओपन और 2019 में यूएस ओपन के विमेंस डबल्स के खिताब जीत चुकी हैं।

राजीव राम और जो सैलिसबरी की जोड़ी ने जीता मेंस डबल्स का खिताब

अमेरिका के राजीव राम और ब्रिटेन के जो सैलिसबरी की जोड़ी ने भारत के रोहन बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन को हराकर यूएस ओपन मेंस डबल्स का खिताब अपने नाम किया। इसके साथ ही राजीव और सैलिसबरी की जोड़ी लगातार तीसरी बार खिताब जीतने वाली पहली जोड़ी बन गई है। राजीव राम और ब्रिटेन के जो सैलिसबरी की जोड़ी ने फाइनल 2-6, 6-3, 6-4 से जीता। हालांकि, 43 साल 6 महीने के बोपन्ना ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी का रिकॉर्ड अपने नाम किया। बोपन्ना 13 साल बाद इस ग्रैंडस्लैम के फाइनल में पहुंचे थे। इससे पहले, साल 2010 में फाइनल खेले थे। तब बोपन्ना के पार्टनर पाकिस्तान के ऐसाम-उल-हक कुरेशी थे। यह दूसरी बार है कि बोपन्ना किसी ग्रैंडस्लैम मेंस डबल्स फाइनल में पहुंचे थे।

शास्त्र वस्त्र संहिता...

रोजमर्रा के जीवन में व्यक्ति जो भी काम करता है उसका संबंध भूत, भविष्य और वर्तमान से होता है। जीवन में जो भी कार्य किए जाएं वो शास्त्र सम्मत होने चाहिए न की अपनी इच्छा के अनुसार करने चाहिए। इससे सभी देवी-देवताओं की कृपा प्राप्त होती है। कपड़ों से संबंधित कुछ खास बातों को ध्यान में रखने से व्यक्ति कभी गरीब नहीं होता। शास्त्रों में कहा गया है की नहाने के बाद गिले वस्त्रों को ऊपर से उतारना चाहिए। नदी में स्नान करने के बाद कपड़ों को ऊपर से नीचे की ओर उतारें। भीगे हुए कपड़ों की चार परत करने के बाद निचोड़ें। कपड़े सुखाते समय पूर्व से या उत्तर से दक्षिण की ओर फैलाना चाहिए। निचोड़े हुए कपड़ों को कंधे पर नहीं रखना चाहिए। नग्न अवस्था में स्नान न करें। शास्त्र वस्त्र संहिता के अनुसार एक वस्त्र धारण करके न तो भोजन करें, न यज्ञ करें, न दान करें, न अग्नि में आहूति दें, न स्वाध्याय करें, न पितृ तर्पण करें। जिसकी किनारी या मगजी न लगी हो, ऐसे वस्त्र धारण करने योग्य नहीं। पहले के पहने हुए वस्त्र को बिना धोए पुनः नहीं पहनना चाहिए। वस्त्र के ऊपर जल छिड़क कर ही उसे पहनना चाहिए। धन के रहते हुए पुराने और मैले वस्त्र नहीं पहनने चाहिए। मनुष्य को भीगे हुए वस्त्र नहीं पहनने चाहिएं। अधिक लाल, रंग बिरंगे, नीले और काले रंग के वस्त्र धारण करना उत्तम नहीं। कपड़ों और गहनों को उल्टा कभी न पहनें।

अपने खान-पान में करें इन चीजें परहेज

शिमला मिर्च में ऑक्सलेट के क्रिस्टल्स पाए जाते हैं जो कैल्शियम में जाकर मिल जाते हैं। इससे कैल्शियम ऑक्सलेट के क्रिस्टल बनते हैं। यही बाद में पथरी बनाते हैं। इसलिए यदि शिमला मिर्च कम खाएंगे तो पथरी से बचे रहेंगे। ऑक्सलेट काफी मात्रा में टमाटर में पाए जाते हैं। इसलिए टमाटर का इस्तेमाल करते समय बीजों को निकाल दें। ऑक्सलेट से भरपूर चॉकलेट को कम से कम खाएं।

क्या मटके में रखा पानी पीना सुरक्षित है?

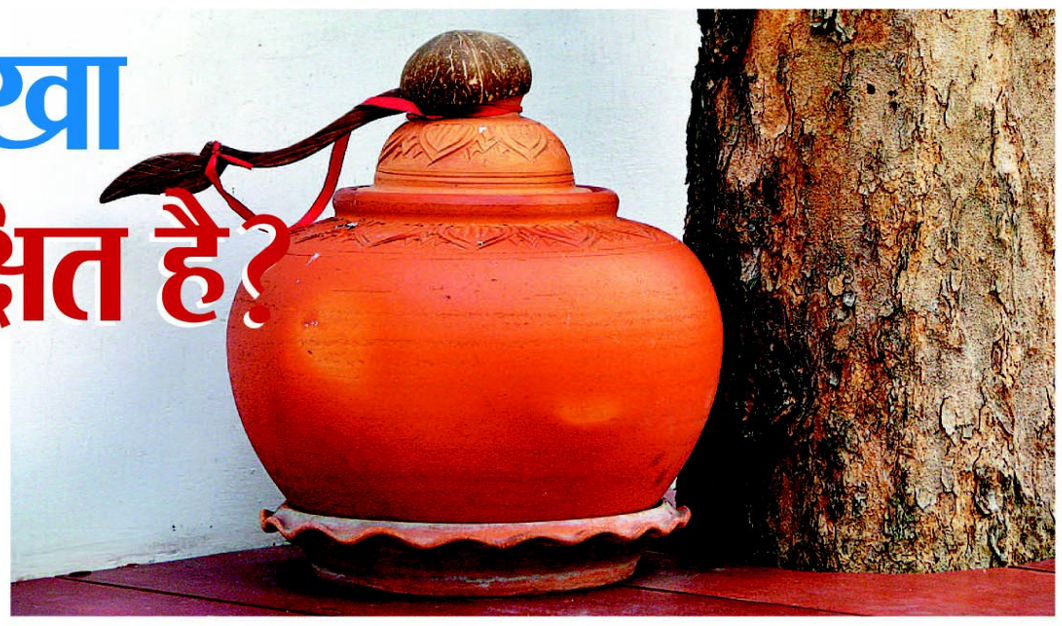

पारंपरिक रूप से मटके का पानी गले के लिए अच्छा होता है तथा फ्रिज के ठन्डे पानी की तुलना में इसका सेवन करना कहीं अधिक अच्छा होता है। आपने देखा होगा कि आपके परिवार के सदस्य केवल मटके का पानी पीने की सलाह देते हैं ताकि आप बीमार न पड़ें।

यदि आपको अक्सर सर्दी, खांसी और गले की खराश की समस्या रहती है तो वे ऐसा महसूस करते हैं कि मटके का पानी पीना आपके लिए ठीक नहीं है।

यह बात बहुत महत्वपूर्ण है कि स्टोर किए गए पानी को पहले उबालना और छानना चाहिए। इस पानी को प्राकृतिक रूप से ठंडा होने दें। जब यह पानी कमरे के तापमान पर पहुंच जाए तो फिर आप इसे मटके या सुराही में एकत्रित करके रख सकती हैं।

ध्यान में रखने योग्य कुछ बातें

1. अपने मटके या सुराही को कीटाणु रहित रखें। मिट्टी का घड़ा में मैल जल्दी एकत्रित होता है। अच्छा होगा यदि हर उपयोग के बाद आप मटके को पहले घिस कर साफ करें, सुखाएं और उसके बाद ही उसमें पानी भरें।
2. कई लोग सुराही में पानी एकत्रित करते हैं। सुराही एक मिट्टी का बर्तन होता है जिसकी गर्दन बहुत संकरी होती है। लोगों को चौड़े मटके की तुलना में पानी एकत्रित करने के लिए यह अधिक अच्छी लगती है।
3. बाजार में कई तरह के मिट्टी के मटके उपलब्ध हैं। सुराही छोटी होती है जिसे संभालना आसान होता है जबकि मटके या घड़े को उठाना कठिन होता है।
4. कई लोग ऐसी सुराही रखते हैं जिसमें छोटा नल लगा हो क्योंकि इनका उपयोग करना बहुत आसान होता है।
5. यदि आप मटके का उपयोग करते हैं तो धूल, कीड़ों तथा अन्य प्रदूषकों से पानी को बचाने के लिए इसे हमेशा ढक कर रखें।
7. मटके से पानी निकालने के लिए साफ सुथरे, लंबे करछुल का उपयोग करें। गिलास डुबाने से पानी को हाथ लगाने से पानी गंदा हो सकता है। ध्यान रखें कि मटके में कोई दरार न हो या इसके छिलके न निकले हों तथा यदि आपके मटके से पानी लीक हो रहा हो तो इसे बदल दें।

दांतों को चमकाने में मददगार है डेब्राइडमेंट

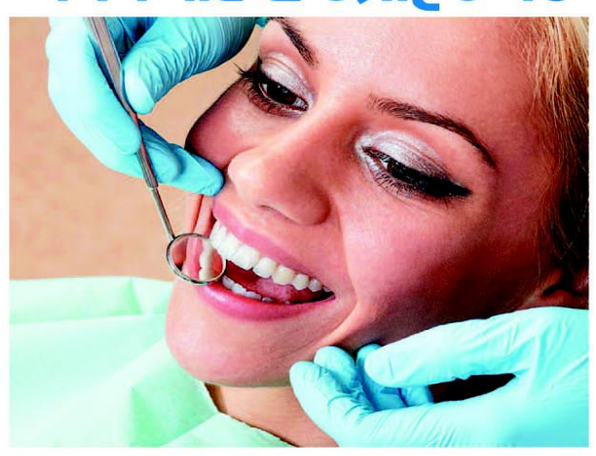

डेब्राइडमेंट वह प्रक्रिया है जिसके तहत आपके दांतों से अतिरिक्त प्लेक और टारटार को निकाला जाता है। जिन लोगों के दांतों पर अतिरिक्त प्लेक एवं टारटार (कैलकलस) जम जाते हैं, उनके लिए डेब्राइडमेंट की प्रक्रिया जरूरी होती है। कई मामलों में दांतों पर प्लेक और टारटार का जमाव इतना गाढ़ा हो जाता है कि डेंटिस्ट के लिए ठीक से दांत भी देख पाना मुश्किल होता है। ऐसी स्थिति में दांत की जांच एवं इलाज से पूर्व डेब्राइडमेंट की प्रक्रिया के जरिए प्लेक और टारटार को हटाना जरूरी हो जाता है।

कब मिलें डेंटिस्ट से

- अगर आपको निम्नलिखित कोई शिकायत हो तो डेंटिस्ट को दिखलाएं
- अगर लम्बे समय से खून रिस/बह रहा हो।
- अगर आपको दांतों या मसूड़ों का कोई भाग संक्रामक हो गया हो
- मुंह के किसी भी भाग में सूजन या किसी तरह का डिस्चार्ज हो रहा हो।
- निचले जबड़े या गर्दन के लिम्फ नोड्स में जब सूजन आ गई हो।

डेब्राइडमेंट की तैयारी

अगर आप दर्द बर्दाश्त नहीं कर सकते तो इस प्रक्रिया से पूर्व आपको लोकल एनेस्थीसिया (सुन्न/बेहोश करने की दावा) दी जा सकती है। कुछ लोगों को डिब्राइडमेंट की प्रक्रिया से पूर्व नाइट्रस आक्साइड इत्यादि जैसी बेहोशी की दवा की भी जरूरत पड़ती है। जो लोग दांत के इलाज की प्रक्रिया से घबराते हैं, उनके लिए सुन्न करने की दवा या बेहोशी की दवा जरूरी हो जाती है।

डेब्राइडमेंट कैसे किया जाता है

डेब्राइडमेंट की प्रक्रिया में हाथ के उपकरण के साथ-साथ अल्ट्रासानिक यन्त्र का इस्तेमाल भी किया जाता है। इन यंत्रों के जरिए पानी एवं हाई फ्रिक्वेंसी आपरेशन का इस्तेमाल करके दांतों में से प्लेक और टारटार को हटाया जाता है।

नियमित रूप से इलाज (फालो अप)

पेरियोडांटल इलाज में डेब्राइडमेंट की प्रक्रिया पहले अपनाई जाती है। नियमित रूप से आप डेंटिस्ट के पास जाते रहें। ऐसा करने से वे आपके दांतों की फिर से जांच कर सकेंगे और उसी अनुसार इलाज करेंगे। तत्पश्चात् स्केलिंग और रूट प्लानिंग या पेरियोडांटल सर्जरी जैसे उपचार किए जा सकते हैं।

खतरा अगर आपके मसूड़े प्लेक से प्रभावित हैं या प्लेक के कारण सूज गए हैं, तो डेब्राइडमेंट की प्रक्रिया करते समय उनमें से खून बह सकता है। डेब्राइडमेंट से उपचार के दौरान आपके दांत ठन्डे या गर्म खाने के प्रति संवेदनशील हो सकते हैं। चूंकि आपके दांतों की जड़ों से प्लेक और टारटार हट जाता है इसलिए दांतों के जड़ जैसे हीं खाद्य पदार्थ के संपर्क में आतें हैं, आप दांतों में अजीब तरह की सनसनाहट महसूस करने लगते हैं। डेब्राइडमेंट से संक्रमण का भी खतरा बना रहता है। लेकिन ऐसे मामले बहुत कम पाए जाते हैं।

डेंगू-चिकनगुनिया होने पर अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

डेंगू और चिकनगुनिया में प्लेटलेट्स काफी कम हो जाते हैं। इस पर नियंत्रण पाने के लिए पपीते के पत्ते खासतौर से बेहद असरदार साबित रहते हैं। इसमें मौजूद पपेन शरीर के पाचन को सही रखता है। इसका जूस पीने से प्लेटलेट्स तेजी से बढ़ते हैं। डेंगू और चिकनगुनिया को दूर भगाने के लिए नारियल का पानी भी बेहद फायदेमंद साबित होता है। लिहाजा जब इस तरह की बीमारी आपको जकड़े तो जमकर नारियल के पानी का सेवन करें। इससे डेंगू के बुखार में आराम मिलता है।

नारियल पानी में मौजूद जरूरी पोषक तत्व जैसे मिनरल्स और एलेक्ट्रोलाइट्स शरीर को मजबूत बनाने में मदद करता है। रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए तुलसी के पत्ते भी काम में लिए जा सकते हैं। तुलसी के पत्तों को पानी में उबालें। ठंडा करके पीएं। इससे वायरल इंफेक्शन ठीक होता है। डेंगू के बुखार में मेथी की पत्तियां उबालकर चाय बनाकर पीना भी फायदेमंद रहता है। इससे डेंगू का वायरस दूर होता है। इसी तरह से काली मिर्च के साथ तुलसी के पत्तों को उबाल लें। ये पानी एंटी बैक्टीरियल होता है। इसे पीने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है।

नौकरी पेशा लोगों में कार्पेल ट्नल सिंड्रोम सबसे ज्यादा

कोई भी जॉब हो, आजकल हर काम कम्प्यूटर पर ही सबसे ज्यादा होता है ऐसे में लोग, 8 से भी ज्यादा घंटे कम्प्यूटर या लैपटॉप के सामने बिता देते हैं। ऐसे में हर किसी का लाइफस्टाइल भी काफी अनहेल्दी हो जाता है और उन्हें कई प्रकार की बीमारियां घेर लेती हैं। कॉरपोरेट सेक्टर में काम करने वाले लोगों को नौकरी के तनाव, अस्वास्थ्यकारी जीवनशैली, गलत तरीके से बैठने के कारण भी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

नौकरी करने वाले लोगों में कार्पेल ट्नल सिंड्रोम सबसे ज्यादा होता है जिसके बारे में हाल ही में किए गए सर्वे से पता चला है। आइए जानते हैं इसके बारे में कुछ खास बातें-

1. कार्पल टनल सिंड्रोम का प्रभाव, व्यक्ति के मीडियन नर्व पर पड़ता है जो कि हाथ या कलाई पर पड़ने वाले दबाव की वजह से होता है। इससे मीडियन नर्व में सूजन आ जाती है।

2. कार्पल टनल सिंड्रोम, में सुन्नपन आ जाता है और दर्द होने लगता है। हाथों, कलाई और उंगलियों में काफी दर्द होने लगता है।
3. हाल ही में एक हुई एक रिसर्च स्टडी से पता चला है कि कार्पल टनल सिंड्रोम, कॉरपोरेट सेक्टर के लोगों में ज्यादा होता है जो कि कम्प्यूटर पर ज्यादा समय बिताते हैं।
4. कार्पल टनल सिंड्रोम, कलाई पर जोर पड़ने की वजह से सबसे ज्यादा होता है क्योंकि रक्त का संचार रूक जाता है।
5. कार्पल टनल सिंड्रोम, उन लोगों में भी देखने को मिलता है जो सिलाई, सफाई, खाने को प्रसंस्करण करने का काम करते हैं। क्योंकि उन लोगों के हाथ भी हमेशा चलते रहते हैं।
6. कार्पल टनल सिंड्रोम की वजह से आर्थराइटिस जैसी बीमारी होने का खतरा भी बढ़ जाता है, अगर इस सिंड्रोम का सही समय पर इलाज न करवाया जाएं।
7. कुछ देशों में, कर्मचारियों को कार्पल टनल सिंड्रोम होने पर उन्हें इक्विटी एक्ट 2010 के तहत कवर भी मिल जाता है क्योंकि उनके काम की वजह से उन्हें यह समस्या झेलनी पड़ी।

इस काम में अपार संभावनाएं मौजूद

कॅरियर के लिए आर्ट-रिस्टोरर बनना बेहतर

युवा हमेशा से अपने कॅरियर को लेकर काफी गंभीर होते हैं, क्योंकि कॅरियर के चुनाव से ही उनके जिंदगी की कामयाबी जुड़ी होती है। ऐसे में वे इसमें बहुत सावधानी बरतते हैं। इन दिनों आर्ट रिस्टोरर के क्षेत्र में काफी संभावनाएं मौजूद हैं। एक आर्ट रिस्टोरर बनकर आप सम्मानजनक वेतन हासिल कर सकते हैं। इनकी मांग लगातार बढ़ती जा रही है।

मिलेगी सरकारी नौकरी

प्रोफेशनल पेंटिंग का ही एक अलग रूप है आर्ट रिस्टोरेशन, जिसमें पुराने किलों पर हुए आर्ट वर्क जो खराब हो चुके होते हैं उनकी मरम्मत करनी होती हैं। देश की धरोहर समझी जाने वाली प्राचीन कलाकृतियां या मूर्तियां, उनके रख रखाव का काम आर्ट रिस्टोरर का होता हैं। रेस्टोरेशन का काम सिर्फ सरकारी विभागों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसने एक व्यवसाय का रूप ले लिया है और आपको आर्ट गैलरी, म्यूजियम सहित कई जगहों पर काम मिल जाता है या कोर्स खत्म होने पर सरकारी नौकरी भी मिल सकती हैं।

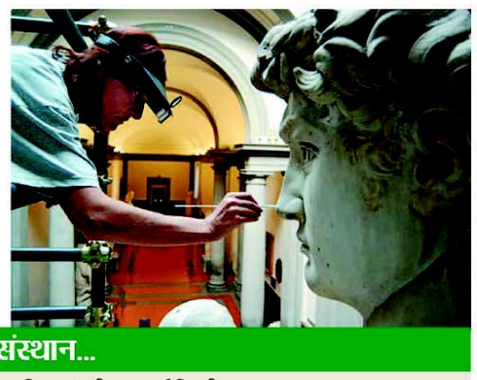

प्रमुख संस्थान...

- नेशनल म्यूजियम इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली
- सिंहगढ़ कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर, पुणे
- दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ हैरिटेज रिसर्च एंड मैनेजमेंट, दिल्ली
- नेशनल रिसर्च लैबोरेटरी फॉर कंजरवेशन ऑफ कल्चरल प्रॉपर्टी, लखनऊ

फाइन आर्ट की जानकारी जरूरी

इस कॅरियर में जाने से पहले फाइन आर्ट तथा रसायन विज्ञान में ग्रेजुएट होना अनिवार्य है। इस क्षेत्र में दो साल का मास्टर डिग्री कोर्स करवाया जाता है , जिसके तहत आपको पेंटिंग रेस्टोरेशन, मेटल वर्क, टेक्सटाइल, पेपर वर्क और मैन्यूस्क्रिप्ट आदि के बारे में पूरा ब्योरा दिया जाता हैं। कंजर्वेशन में मास्टर डिग्री कोर्स करने के लिए आपके पास केमिस्ट्री, जियोलॉजी, फिजिक्स, बॉटनी, जूलोजी, कंप्यूटर साइंस, फाइन आर्ट्स, हिस्ट्री, हिस्ट्री ऑफ आर्ट, आर्कि टेक्चर, आर्कियोलॉजी, म्यूजियोलॉजी में से किसी एक विषय में ग्रैजुएट की डिग्री होनी चाहिए। ज्यादा से ज्यादा अनुभव प्राप्त करने के लिए आपको किसी अच्छे आर्ट रिस्टोरर के साथ काम करना पड़ सकता है।

इसलिए बढ़ जाता है हृदय रोग का खतरा

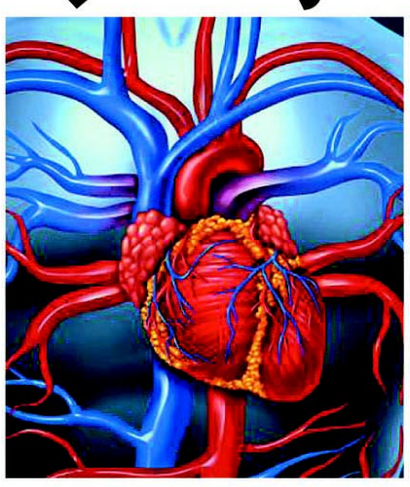

हृदय रोग या स्ट्रोक के कई कारण होते हैं। इसमें हमारे जींस तथा लिंग एक बड़ी भूमिका अदा करते हैं लेकिन अधिकांश के लिए वे जो खाते हैं वह महत्वपूर्ण है। अच्छी खबर यह है कि अपनी डाइट में कुछ छोटे-छोटे परिवर्तन करके आप कोलेस्ट्रॉल को कम कर सकते हैं, जिससे हृदय रोग तथा स्ट्रोक का खतरा कम हो जाता है।

- कम फैट वाले दुग्ध उत्पादों का सेवन करें। ऐसे डेयरी उत्पादों से बचें जिनमें होल मिल्क या क्रीम शामिल हो। इसके विपरीत कम फैट वाले या बिना फैट वाले दुग्ध उत्पादों का सेवन करें। कम फैट वाले स्नैक्स जैसे घर पर बने पॉपकार्न, गाजर, झाईफ्रूट्स या ताजा फलों का सेवन करें।
- स्टोर से खरीदे गए बेकरी उत्पादों के सेवन से बचें,जब तक कि उनमें सैचुरेटिड फैट्स कम न हों और वे ट्रांसफैट्स से रहित न हों। मक्खन या मार्गारीन की बजाय तरल कुकिंग ऑयल्स का इस्तेमाल करें। नस्टिक पैन्स का इस्तेमाल करें।
- अपने भोजन को फ्राई करने की बजाय इसे बेक, रोस्ट या स्टीम करें। पाम तथा कोकोनट ऑयल्स का प्रयोग न करें। अधिकतर वनस्पति तेल अनसैचुरेटिड होते हैं, लेकिन इन दोनों में अधिक सैचुरेटिड फैट्स मौजूद होती है। इनकी बजाय आप कैनोला, सनफ्लावर, कार्न फ्लावर, सोयाबीन, ऑलिव या पीनट ऑयल्स का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- ऐसे खाद्यों पर जोर दें, जिनमें कॉम्प्लैक्स कार्बोहाइड्रेट्स मौजूद हों। जैसे फल, सब्जियां, साबुत अनाज, फलियां तथा मटर। इनमें कैलोरीका कम होती हैं और फाइबर उच्च मात्रा में होता है।
- अपने हृदय की रक्षा करने के लिए प्रचुर मात्रा में फलों तथा सब्जियों का सेवन करें।
- हृदय रोगों का खतरा कम करने में मेवे भी बढ़िया भूमिका अदा करते हैं। ये स्वस्थकर प्रोटीन का अच्छा स्रोत हैं। इनका सेवन ध्यान से करें, क्योंकि इनमें कैलोरीका बहुत होती हैं। इनके अधिक सेवन से वजन बढ़ सकता है।

रेसिपी

चना दाल टिक्की

सामग्री

250 ग्राम चना दाल (भिगोई हुई), 50 ग्राम प्याज, 1 टेबल स्पून अदरक, 1 टेबल स्पून हरी मिर्च(कटी हुई), 1 टी स्पून लाल मिर्च, 1 टी स्पून सौंफ, 1 टी स्पून जीरा, 1 टी स्पून नमक

विधि

मिक्सी में चने की दाल को डाल कर अच्छी तरह ग्राइड करके पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को एक बाउल में निकाल लें। इस पेस्ट में प्याज, अदरक, हरी मिर्च, लाल मिर्च, सौंफ, जीरा और नमक डाल कर अच्छी तरह मिक्स करें। अब इस पेस्ट की टिक्कियां बना लें। फिर तेल में इसे फ्राई करें। इसे तब तक फ्राई करे जब तक यह क्रिस्पी न हो जाएं। चना दाल टिक्की तैयार है। इन्हें सॉस के साथ सर्व करें।

पनीर एण्ड लैट्यूस रोल

सामग्री

भरावन मिश्रण के लिए: 2 स्पून बहुत बारीक कटा लहसुन, 1 स्पून बहुत बारीक कटा अदरक, 2 स्पून बारीक कटा हरा प्याज़ पत्तो सहित 1/4 कप बारीक कटी गाजर, 1/4 कप बारीक कटी बंदगोभी, 1/4 कप मोटे कटे बीन प्राउट्स, 1/4 कप कटा कम वसा वाला पनीर, 1/2 स्पून नींबू का रस, 1 स्पून सोया सॉस, नमक स्वाद अनुसार, 1/4 स्पून चिली फ्लेक्स, 2 स्पून तेल। **अन्य सामग्री:** 6 सलाद के पत्ते, 3 स्पून भुनी और दरदरी कुटी मूंगफली

विधि

भरावन मिश्रण के लिए: एक नॉन-स्टिक कड़ाही में तेल गरम कीजिए। लहसुन, अदरक और प्याज डालकर प्याज के पारदर्शी होने तक भूनिए। गाजर और बंदगोभी डालकर अच्छी तरह मिलाइए और 2 से 3 मिनट भूनिए। बीन प्राउट, पनीर, नींबू का रस, सोया सॉस, नमक तथा चिली फ्लेक्स् डालकर हल्के हाथ से मिलाइए और मध्यम आंच पर थोड़ा सा पकाइए। मिश्रण को 6 बराबर भागो में बांटकर एक तरफ रख दीजिए।

कैसे आगे बढ़े: सलाद के पत्तो को धो कर अच्छी तरह तौलिए से सुखाकर एक तरफ रख दीजिए। सलाद के पत्ते को सूखी, साफ और समतल जगह पर रखिए और पत्ते के एक कोने में भरावन मिश्रण का एक भाग रखिए। मिश्रण पर ½ टेबल-स्पून मूंगफली डालिए और पत्ते को रोल कीजिए। भरावन मिश्रण बाहर न निकले इसके लिए पत्ते को टूथिक या हरे प्याज के हरे भाग से बांधकर बंद कर दीजिए। शेष बची सामग्री के साथ यही प्रक्रिया दोहराते हुए बाकी 5 रोल बनाइए। तुरंत परोसिए।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**